मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.2	18.0
जमशेदपुर	29.2	16.0
डालटनगंज	29.4	13.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● शुक्रवार, 24 नवंबर 2023 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 11, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 216

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

जाति, आय, जन्म, मृत्यु, दिव्यांगता प्रमाण पत्र

बिरसा सिंचाई कूप योजना

साइकिल डीबीटी

मनरेगा

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना

लैमिनेटेड जाति प्रमाण पत्र

सामुदायिक और व्यक्तिगत वन पट्टा से जुड़े मामले

अबुआ आवास योजना

आयुष्मान कार्ड

15वें FC

राजस्व से जुड़े मामले जैसे म्युटेशन, मापी, लगान रसीद, आदि

धोती साड़ी लुंगी वितरण

केसीसी

कंबल वितरण

सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना

मुख्यमंत्री पशुधन योजना

SHG आईडी कार्ड

राशन एवं आधार कार्ड में संशोधन

श्रमाधान पोर्टल

झारखण्ड सरकार
सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF JHARKHAND

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

24 नवम्बर से 26 दिसम्बर तक राज्य के सभी जिलों में लगेगा शिविर

पंचायत - 4,351 | नगर निकाय - 50

वर्ष 2021 के आंकड़े		वर्ष 2022 के आंकड़े	
कुल शिविर	कुल प्राप्त आवेदन	कुल शिविर	कुल प्राप्त आवेदन
6,867	35.95 लाख	5,696	55.44 लाख

दोनों वर्षों में लगभग सभी प्राप्त आवेदनों का निष्पादन किया गया

देने आपको अधिकार... फिर से आ रही हेमन्त सरकार आपके द्वार

अधिक जानकारी के लिए :- https://sarkaraapkedwar.jharkhand.gov.in/

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

सदर अस्पताल रामगढ़

विभाग	डॉक्टर का नाम
स्त्री रोग विशेषज्ञ :	डॉ टेसू श्रीवास्तव
शिशु रोग :	डॉ नरेश भगत
दंत रोग :	डॉ सत्यप्रकाश
कान, नाक गला :	डॉ कृति सिन्हा
अस्थि रोग :	डॉ अभिजीत
सामान्य औषधि :	डॉ राजेश कुमार
गैर संचारी रोग :	डॉ प्रफुल कुमार

रामगढ़ का मौसम

- न्यूनतम तापमान : 25 डिग्री सेल्सियस
- अधिकतम तापमान : 13 डिग्री सेल्सियस

ब्रीफ खबरें

एमजीएम कॉलेज में जुटेंगे 700 चिकित्सक

जमशेदपुर। कोल्हान का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल अपनी डायमंड जुबली मनाने जा रहा है. इस दौरान मेडिकल कॉलेज बनने से लेकर अब तक जितने भी चिकित्सक है सब एक जगह जमा होंगे. इसको लेकर गुरुवार को बिष्टुपुर के एक होटल में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया. इस प्रेस वार्ता के दौरान देश-दुनिया के जाने-माने चिकित्सक जिन्होंने एमजीएम अस्पताल से मेडिकल की पढ़ाई की मौजूद रहे.

भगेरिया फाउंडेशन का रक्तदान शिविर कल

चक्रधरपुर। शहर के थाना रोड स्थित गायत्री कुंज भगेरिया फॉर्म हाउस में रक्तदान सह नेत्रदान जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा. स्व. बजरंग लाल भगेरिया की स्मृति में भगेरिया फाउंडेशन के तत्वाधान में होने वाले इस शिविर को लेकर गुरुवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया.इस मौके पर मौजूद भगेरिया फाउंडेशन के विनोद भगेरिया, मनोज भगेरिया एवं प्रमोद भगेरिया ने शिविर के बारे में विस्तृत जानकारी दी.

भेलगढ़ा, सरहूल मैदान में घाटों में जनसुनवाई सभा का आयोजन, सैकड़ों लोग हुए शामिल

घाटो थाना प्रभारी को हटाने की एक बार फिर उठी मांग

संवाददाता। रामगढ़

घाटो थाना प्रभारी को हटाने की मांग की मांग को लेकर जनसुनवाई हुई. जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए.घाटो भेलगढ़ा, सरहूल मैदान में भारत जकात मांझी परगना महल के रामगढ़ जिला अध्यक्ष-महादेव मांझी,करमा मांझी, रामसिंह मांझी, जयवीर हंसदा,चेतलाल हेम्ब्रम, भोला मुर्मु व मनेन्द्र हेम्ब्रम एवं भारत जकात मांझी परगना महल हजारीबाग के अध्यक्ष -सोहराय किस्कू, मनाराम मांझी के नेतृत्व में हजारों महिला-पुरुष, बच्चे, नौजवान झंडा बैनर तीर-धनुष हाथों में लिए पुलिस जुल्म के खिलाफ नारा लगाते-अत्याचारी घाटो थाना प्रभारी बलवंत दुबे के ऊपर प्राथमिकी दर्ज करो,घाटो थाना प्रभारी बलवंत दुबे को अविलंब मुवतल करो,मृतक ललन किस्कू के आश्रितों को10 लाख रुपए मुआवजा दो, पुलिस जुल्म-अत्याचार के खिलाफ संघर्ष तेज करो, पुलिस का अत्याचार नहीं सहेंगे, आदिवासियों पर अत्याचार करना बंद करो आदि नारा लगाते हुए जनसुनवाई सभा स्थल पहुंचे.सभा की अध्यक्षता सोहराय किस्कू और संचालन मनेन्द्र हेम्ब्रम ने किया.

मंच में मंचासीन भारत जकात मांझी परगना महल के सोहराय किस्कू, महादेव मांझी,जगलाल सोरेन,करमा मांझी,रीता सोरेन, आदिवासी संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक-देवकीनंदन बेदिया, नरेश बडाईक, नीता बेदिया व लाली बेदिया, आदिवासी जन परिषद् के प्रकाश मुंडा ,भाकपा-माले के जिला सचिव -भुनेश्वर बेदिया,हीरा गोप और मासस के बसंत शामिल थे.सर्वप्रथम मृतक ललन किस्कू के चित्र चित्र पर बक्शी मांझी भेलगढ़ा ने माल्यार्पण किया. उपस्थित सभी लोगों ने बारी-बारी से पुष्पांजलि अर्पित कर मौन श्रद्धांजलि दी.जिसमें हजारों महिला-पुरुष, बच्चे, नौजवानों की भागीदारी में झंडा बैनर तीर धनुष हाथों में लिए पुलिस जुल्म के खिलाफ नारा लगाते- अत्याचारी घाटो थाना प्रभारी बलवंत दुबे को अविलंब मुवतल करो, मृतक ललन किस्कू के आश्रितों को10 लाख रुपए मुआवजा दो, पुलिस जुल्म- अत्याचार के खिलाफ संघर्ष तेज करो, पुलिस की अत्याचार नहीं सहेंगे, आदिवासियों पर अत्याचार करना बंद करो, पुलिस की हर जोर-जुल्म के टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है, आदि नारा लगाते हुए तीन किलोमीटर तक मार्च की गई.अंत में यह रैली घाटो भेलगढ़ा जनसुनवाई सभा स्थल पहुंची. सभा की अध्यक्षता सोहराय किस्कू और सभा का संचालन महादेव मांझी ने किया. वक्ताओं ने अपने भाषण में घाटो के कोलमाफिया, थाना पुलिस गठजोड़ के खिलाफ एवं अपने जल-जंगल-जमीन -खनिज एवं मान सम्मान की रक्षा के लिए लड़ाई जारी रखने का आह्वान किया .

आपकी बात

आदिवासियों की शिक्षा के लिए समाज के लोगो को कर रहे है जागरूक . इनका मानना है कि समाज पढ़ेगा अभी आगे बढ़ेगा.

नाम : पंचदेव करमाली

पद : समाजिक कार्यकर्ता

जन्मस्थल : घुटुवा , बरकाकाना

कार्य क्षेत्र : सम्पूर्ण झारखंड

आदिवासी हो या अन्य समाज में पंचदेव करमाली उर्फ पंचम आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है. पंचम हमेशा से आदिवासियों को जगाने का काम कर रहे हैं. आदिवासी शिक्षा से जुड़े इसके लिए पंचम कई मुहिम चला रहे हैं.कई सुदूरवर्ती इलाकोंमें पंचदेव घूम घूम करआदिवासियों को जगाने और अपने हक अधिकार की लड़ाई के लिए जागरूक कर रहे हैं.आदिवासी समाज भी पंचदेव के मुहिम से जुड़ते जा रहे हैं और अपने बच्चों को स्कूली शिक्षा से जोड़ रहे है. 1977 में जन्मे पंचदेव करमाली उर्फ पंचम का जन्म घुटुवा नया नगर बरकाकाना में हुवा है.पंचदेव ने सदैव संवैधानिक तरीके से सही दस्तावेज की लड़ाई के लिए प्रयासरत रहे हैं,जिसके फलस्वरूप आदिवासी समुदाय को जागरूक करने के लिए लोहरदगा, गुमला,चाईबासा,खूंटी,जमशेदपुर,लातेहार सहित झारखंड के अनेकों जिले में अपना सक्रिय भूमिका निभाया है . 2000 में आदिवासी छात्र संघ का झारखंड में गठन किया गया. इस दौरान 2003 तक 04 वर्षों तक सक्रिय सदस्य रहते पंचदेव ने सामाजिक कार्यकर्ता बनकर कई योजनाओं को लोगों तक पहुंचा .कई लोगों को लाभान्वित किया. 2007 में आदिवासी छात्र संघ का पतरातू प्रखंड सचिव बनाये गए. पंचदेव ने रामगढ़ जिला के सभी प्रखंड एवं गांव गांव जाकर आदिवासियों के बीच शिक्षा एवं अपने हक अधिकार की लड़ाई के लिए जगाने का काम किया. जिसको लेकर पंचदेव पर कई कई कानूनी पेंच भी फसाया गया.कई केस भी हुई. लेकिन फिर भी पंचदेव ने हार नहीं मानी और अपनी मुहिम को जारी रखा . जिले में आदिवासियों को जागरूक करने के पश्चात 2010 के पंचायत चुनाव में आदिवासी छात्र संघ के माध्यम से जिला में कई जिला परिषद एवं मुखिया वार्ड सदस्य के रूप निर्वाचित हुए.जिसमें पंचदेव करमाली की अहम भूमिका रही . 2012 से गांव- गांव में सरना स्थल चिन्हित कर सरना पूजा को शुरू किया गया . जिसमें सक्रिय सदस्य के रूप में भूमिका निभाते हुए ग्रुप बनाकर सरना प्रार्थना सभा का जगह-जगह गठन किया गया . 2014 में केंद्रीय समिति के द्वारा जिला प्रवक्ता के पद से पंचदेव को सुशोभित किया गया. वर्तमान समय में जिला एवं झारखंड के अन्य क्षेत्रों में आदिवासी छात्र संघ के माध्यम से आदिवासियों को जागरूक करने एवं जमीन बचाने के लिए झरना झंडा की स्थापना की जा रही है.

डीसी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन का आयोजन

शिक्षा शेरनी का दूध,जो भी पीयेगा वह दहाड़ेगा : डीसी

संवाददाता। रामगढ़

झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा गुरुवार को उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में छत्तरमांडू स्थित टाउन हॉल, रामगढ़ में जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन का आयोजन किया गया. इस दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त, जिला परिषदअध्यक्ष सुधा देवी, उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो सहित अन्य अतिथियों का पौधा देकर स्वागत किया गया. जिसके उपरांत सभी ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से सम्मेलन का शुभारंभ किया. सम्मेलन के दौरान उपायुक्त ने झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा आयोजित मुखिया सम्मेलन में सभी जनप्रतिनिधियों को ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर में सुधार हेतु जनप्रतिनिधियों के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा शेरनी का दूध है, जो भी इसे पिएगा वह दहाड़ेगा.

उन्होंने कहा कि शिक्षा एकमात्र ऐसा रास्ता है जो की किसी भी ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे के भविष्य को पूरी तरह से बदल सकता है. मौके पर उन्होंने स्वयं का उदाहरण देते हुए किसी भी बच्चों के जीवन में सही शिक्षा के महत्व पर सभी का ध्यान आकृष्ट किया. सम्मेलन के दौरान उपायुक्त ने सभी जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने क्षेत्र में स्थित विद्यालयों का नियमित निरीक्षण, नियम अनुसार संचालन, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ बैठक, बच्चों का नियमित रूप से विद्यालय जाना आदि सुनिश्चित करने को लेकर कई आवश्यक जानकारियां दी.उन्होंने जनप्रतिनिधियों को किसी भी प्रकार की समस्या आने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अथवा सीधा उपायुक्त के कार्यालय में आने की अपील की. सम्मेलन के दौरान उपायुक्त ने 24 नवंबर से शुरू हो रहे आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी जनप्रतिनिधियों को अपना योगदान देने की अपील की. उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र में आयोजित शिविर में जरूर उपस्थित हो. कोई भी योग्य लाभुक सरकार की योजना के लाभ से वंचित न रहे यह सुनिश्चित करें. साथ ही उपायुक्त ने शिविर के दौरान प्राप्त होने वाले आवेदनों के निष्पादन पर भी जनप्रतिनिधियों को अपनी नजर रखने की अपील की. सम्मेलन के दौरान शिक्षक संजय अग्रवाल के द्वारा पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों की जानकारी जनप्रतिनिधियों को दी गई. सम्मेलन के दौरान स्वागत भाषण एवं विषय प्रवेश जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलम शर्मा द्वारा किया गया वहीं मंच का संचालन शिक्षक संजय राय एवं धन्यवाद ज्ञापन जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार द्वारा किया गया.

खास बातें

- जनप्रतिनिधियों को शिक्षा के लिए जागरूक करने को कहा
- शिविर में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन करने का निर्देश

चंद्रवंशी विकास मंच ने मनायी जरासंध जयंती

कोडरमा। जिला मुख्यालय स्थित महावीर मुहल्ला में चन्द्रवंशी विकास मंच के द्वारा जरासंध जयंती समारोह का आयोजन किया गया. इस मौके पर उपस्थित अतिथियों के द्वारा मगध सम्राट जरासंध जी महाराज की आरती की. जिसके बाद सभी बारी बारी से पुष्प अर्पित किया. वहीं अधिवक्ता प्रकाश राम, नितेश चन्द्रवंशी, प्रोफेसर उमेश राम, योगेंद्र राम, प्रवीण चंद्रा, महेश भारती, बीरेंद्र राम, देवेन्द्र भारती, महेश चन्द्रवंशी, चन्द्रवंशी विकास मंच के अध्यक्ष दीपक कुमार नवीन ने समाज के विकास को लेकर कई बिंदुओं पर प्रकाश डाला. साथ ही समाज के लोगों पर शिक्षा पर विशेष जोर डाला.सीएनटी एक्ट से कैसे निजात मिले जिसके लिए एकजुटता बनाकर संघर्ष करने पर भी विशेष चर्चा की गई.

डीएमओ ने अवैध बालू भंडारण की जांच की

जयनगर (कोडरमा)। जिला खनन पदाधिकारी ने केटीपीएस के ऐशपौंड इलाके में अवैध तरीके से बालू भंडारण की सूचना के बाद जांच की. जांच के दौरान उन्होंने पाया कि निर्माण कार्य को लेकर भारी मात्रा में बालू का भंडारण किया गया है, वहां मौजूद लोगों से जानकारी मिली मगर किसने बालू मंगाया है और किसने गिराया है इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है. उन्होंने कहा है कि इस मामले में गहनता से जांच कर कार्रवाई की जाएगी. मौके पर निर्माण कार्य में लगे कई एजेंसियों के लोग भी मौजूद थे. उल्लेखनीय है कि केटीपीएस के संवेगों द्वारा बिना चालान के बालू की खरीदारी की जा रही है.

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा के तीसरा चरण कार्यक्रम शुरू

संवाददाता। जयनगर(कोडरमा)

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तीसरे चरण के 24 नवम्बर -26 दिसम्बर से शुरु होगा. इस संबंध में प्रमुख अंजु देवी ने बताया कि जयनगर पुर्वी पंचायत में यह कार्यक्रम शुरू किया जाएगा और जयनगर प्रखंड के विभिन्न पंचायत में विभिन्न तारीखों में यह शिविर लगाया जाएगा. उन्होंने बताया कि शिविर लगाकर सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी. आगे उन्होंने कहा झारखंड सरकार के द्वारा हर एक पंचायत में सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का बेहतर तरीका है. गरीब लोगों तक सरकारी लाभ जो उन तक नहीं पहुंच पता है उन्हे योजनाओं का लाभ मिल सके और कर्मी से कहा गरीब लोगो का फॉर्म जैसे आता है.

जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक, अवैध खनन पर रोक लगाने पर जोर

अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ करें कार्रवाई: एसपी

संवाददाता। हजारीबाग

पुलिस अधीक्षक मनोज रतन चोथे की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक की गई. बैठक में पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को उनके क्षेत्रों में हो रहे बालू और कोयले के अवैध परिवहन पर रोक लगाने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि अवैध माइनिंग करने वाले लोगों पर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें. पुलिस अधीक्षक ने को सघन चेकिंग अभियान चलाने के साथ साथ पुलिस और जिला प्रशासन के संबंधित विभागों को खनन, वन, परिवहन, प्रदूषण, कारखाना विभागों के एक्ट के तहत समेकित कार्रवाई करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि एकल विभागीय कार्रवाई से अवैध खनन पर रोक लगाना संभव नहीं है . अतः अवैध खनन, परिवहन में संलिप्त वाहनों, माफिया पर हर सुसंगत धाराओं के तहत कारवाई करें. एसपी ने जिला परिवहन पदाधिकारी को नियमित रूप से अवैध परिवहन के विरुद्ध जांच अभियान चलाने एवं नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया. पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले के बंद पड़े खदानों में अवैध माइनिंग पर सख्ती से कार्रवाई का निर्देश दिया. उन्होंने एनजीटी के गाइडलाइन का गंभीरता से पालन करने तथा लगातार पुलिस अधिकारी को अपने क्षेत्र का निरीक्षण करने का निर्देश दिया. पुलिस अधीक्षक ने अवैध बालू एवं कोयले के परिचालन में सख्ती से नियमित कार्रवाई करने का निर्देश दिया.बैठक में पुलिस अधीक्षक के अलावा एसडीओ सदर विद्या भूषण कुमार, एसडीओ बरही पूनम कुजूर, जिला खनन पदाधिकारी अजीत कुमार,डीएसपी राजीव कुमार, डीएसपी महेश प्रजापति, सभी अंचलाधिकारी, सभी पुलिस अधिकारी उपस्थित थे.

मंत्री के प्रतिनिधि ने किया निरीक्षण

संवाददाता। रामगढ़

पतरातू प्रखंड के जन वितरण प्रणाली के लाभुकों द्वारा शिकायत मिलने पर खाद्य सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले के रामगढ़ जिले के मंत्री प्रतिनिधि अनिल मुंडा के द्वारा जांच व निरीक्षण.इस दौरान बरकाकाना सीआईसी बस्ती के अंबा स्वयं सहायता समूह लाइसेंस नंबर 06/2014 में दर्जनों लाभुक मौजूद थे पर दुकान नहीं खुली नही पाई गई. प्रतिनिधि द्वारा पूछने पर लाभुक मोहम्मद लुकमान, सरफराज, सुल्ताना बेगम, शौकत, तरन्नुम प्रवीण आदि लोगों ने बताया कि दुकानदार द्वारा दुकान समय पर नहीं खोलना तथा राशन 30 किलो की जगह 25 किलो 26 किलो दिया जाता है.

ज्यादा बोलने पर डीलर द्वारा अभद्र व्यवहार किया जाता है. वहीं घुटूवा में रोड स्थित रमेश प्रसाद अग्रवाल लाइसेंस नंबर08/88 दुकान भी बंद पाया गया. वहीं शुक्रवार बाजार घुटूवा बस्ती में जन वितरण प्रणाली की दुकान लाइसेंस नंबर21/2009 में काफी संख्या में लाभुक थे. सभी ने कहा कि 5 किलो से 6 किलो तक अनाज काटा जाता है. जांच के क्रम में लाभुक बिरजू उरांव पीला कार्ड संख्या 202005739727 की राशन वजन किया गया तो 31 किलो मिला दुकान पर महिला मंडल की कोई भी सदस्य नहीं थी . वही दुर्गी बस्ती में मंत्री पैक्स लाइसेंस नंबर 112/95 को भी जांच के दौरान लाभुक मझली देवी पीला कार्ड को 35 किलो अनाज की जगह 32 किलो दिया गया. दुर्गी बस्ती के ही लाइसेंस संख्या 27/2009 की दुकान पर जांच में ले रहे लाभुक तौसीफ आलम कार्ड संख्या 91202003123944 को अनाज 30 किलो की जगह 29 किलो दिया गया. दुकानदार से पूछने पर बताया कि राशन हम लोगों को काट कर दिया जाता है. हम लोग कहां से पूरा अनाज दे पाएंगे.मंत्री प्रतिनिधि ने कहा कि जो भी डीलर लाभुकों को 5 से 6 किलो अनाज कम दे रहे हैं.

देश के 320 खिलाड़ियों ने शतरंज में आजमाया हाथ

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के परीक्षा भवन सभागार में गुरुवार को हजारीबाग जिला शतरंज संघ द्वारा अखिल भारतीय स्तर का पांच दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता सेकेंड एचडीसीए ऑल इंडिया फाइड रेटिंग ओपेन टूर्नामेंट- 2023 के दूसरे दिन गुरुवार को तीसरे राउंड तक के खेल हुआ .तीसरे राउंड तक के रिज़ल्ट में तमिलनाडु के खिलाड़ी प्रदीप कुमार 2195 पॉइंट रेटिंग के साथ सबसे उपर रहें. तीसरे राउंड तक के खेल में सर्वश्रेष्ठ पांच टेबल में प्रथम टेबल में तमिलनाडु के प्रदीप कुमार ने बिहार के मनीष यादव को हराया. दूसरे टेबल में बिहार के सिन्हा सुधीर कुमार ने झारखंड के प्रभुनाथ साह को हराया. तीसरे टेबल में प. बंगाल के प्रदीप घोष ने बंगाल के ही रुद्रशीष घोष को हराया.

आस्था | गुरुनानक देव जी के 555वें जन्मोत्सव को लेकर छठे दिन निकली प्रभात फेरी

दर्शन देख जीवा गुर तेरा पुरण करम होए प्रभ मेरा...

संवाददाता। रामगढ़

सिख धर्म के प्रवर्तक और सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरुनानक देव के 555वें प्रकाशोत्सव पर छठे दिन निकाली गई प्रभातफेरी. प्रभातफेरी के छठे दिन भी बड़ी संख्या में सिख समाज के पुरुष और महिला शामिल हुए. प्रभात फेरी में साध-संगत सबद गाते लोग चलते रहे.

प्रभात फेरी में सबसे आगे कुज्जू गुरुद्वारा के पूर्व प्रधान सरदार रामदयाल सिंह चोपड़ा हाथों में निशान साहब लेकर संगत की अगुवाई कर आगे आगे चल रहे थे. "गुरा इक देह बुझाई, जो मांगे ठाकुर अपने ते, आखा जीवा वसरै मर जाओ, दर्शन देख जीवा गुर तेरा पुरण करम होए प्रभ मेरा" शब्दों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा. लोगों में प्रफातफेरी को लेकर काफी उत्साह था. प्रभातफेरी गुरुद्वारा साहिब से निकल कर सुभाष चौक होते हुए बिजलियां सरदार परविंदर सिंह गांधी के आवास पहुंची, जहां साध संगत का स्वागत किया गया. गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से डॉ नरेंद्र सिंह सोनी ने सरदार परविंदर सिंह गांधी को सरोपा देकर सम्मानित किया. यप्रभातफेरी में रामगढ़ गुरुद्वारा मित प्रधान अमरजीत सिंह सैनी, मित प्रधान हैप्पी छाबड़ा, डॉक्टर नरेंद्र सिंह, हरपाल सिंह अरोड़ा, इंद्रजीत जसल, जगजीत सिंह सोनी, जिगर छाबड़ा कवलजीत सिंह लांबा, हरजाप सिंह, ,बबलू, कमल जस्सल, अजय सिंह छाबड़ा , मनप्रीत सैनी, महेंद्र कौर, रंजीत कौर शामिल हुए.

खास बातें

- बड़ी संख्या में सिख समाज के पुरुष व महिला शामिल हुए
- प्रभात फेरी में साध-संगत शबद गाते लोग चल रहे थे

क्लासिफाइड

5:02 सूर्यास्त आज | 6:08 सूर्योदय कल

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची एवं पटना से प्रकाशित | रांची ● शुक्रवार, 24 नवंबर 2023 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 11, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 216 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

www.lagatar.in

सुर्खियां

इंटरनेशनल
- हमास बंधकों की रिहाई आज शुरू होने के आसार
- अमेरिका में भारतीय छात्र की गोली मारकर हत्या
- जर्मन पुलिस ने हमास समर्थकों के यहां छापे मारे
- नीदरलैंड में दक्षिणपंथी नेता गीर्ट वाइल्डर्स की जीत

नेशनल
- मीराबाई जन्मोत्सव में भाग लेने नरेंद्र मोदी मथुरा पहुंचे
- निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी को नोटिस जारी किया
- सोना 30 रुपये टूटा, चांदी लगातार दूसरे दिन स्थिर
- ईडी ने धनशोधन मामले में प्रकाश राज को समन भेजा

स्टेट
- सिमडेगा में नक्सलियों ने पोकलेश मशीन को जलाया
- पुंडूल झरना में डूबने से बंगाल के छात्र की मौत
- प्रिंस खान ने एक और व्यवसायी को दी धमकी
- बीबीएमकेयू के 3 कॉलेज में डिजिटल क्लास से पढ़ाई

स्पोर्ट्स
- आईपीएल नहीं खेलेंगे बेन स्टोक्स, सीएसके ने पुष्टि की
- प्रणय, सात्विक, चिराग चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में
- क्रिकेटर मार्लोन सैमुअल्स 6 साल के लिए प्रतिबंधित
- जूनियर विश्व मुक्केबाजी के लिए भारतीय टीम घोषित

किसने क्या कहा

- झारखंड में नक्सलवाद को खत्म करने के अंतिम चरण में हैं सुरक्षाबल : **हेमंत सोरेन**
- कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता पर अमल करती है, भाजपा ध्रुवीकरण पर -**मल्लिकार्जुन खड़गे**
- अगर फाइनल कोलकाता या मुंबई में होता तो भारत जीत जाता : **ममता बनर्जी**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,200
चांदी (किलो)	76,000

ब्रीफ खबरें

देश की पहली महिला जज फातिमा बीवी का निधन

कोल्लम। सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज और तमिलनाडु की पूर्व राज्यपाल न्यायमूर्ति फातिमा बीवी का गुरुवार को एक निजी अस्पताल में निधन हो गया. फातिमा बीवी ने 96 साल की उम्र में अंतिम सांस ली. केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने न्यायमूर्ति फातिमा बीवी के निधन पर शोक जताया है. वीना जॉर्ज ने कहा कि फातिमा बीवी ने सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज और तमिलनाडु की राज्यपाल के रूप में अपनी अलग छाप छोड़ी. वह ऐसी हस्ती थीं, जिन्होंने अपने जीवन से यह दिखाया कि दृढ़ इच्छा शक्ति और मकसद को लेकर समझ होने से किसी भी विपरीत परिस्थिति से पार पाया जा सकता है.

साकची में 3 हथियार के साथ 5 गिरफ्तार

जमशेदपुर। जमशेदपुर के साकची थाना अंतर्गत आरवी स्कूल के पीछे क्वार्टर नंबर 57ए में पुलिस ने छापेमारी कर तीन हथियार के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने साकची मस्जिद के पास से बाइक सवार अन्य तीन युवकों को भी गिरफ्तार किया. सभी किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए जुटे थे. पुलिस सभी को थाने ले गई, जहां पूछताछ की जा रही है. स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त क्वार्टर काफी समय से बंद पड़ा है. क्वार्टर में रात को कुछ युवक आना-जाना करते थे. कई बार आसपास के लोगों की बाइक से पेट्रोल भी चोरी होने की घटना सामने आई है.

गढ़वा के याज्ञवल्क्य बने एबीवीपी के महासचिव

नई दिल्ली। आरएसएस से संबंधित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने दोबारा से राजशरण शाही को अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष और याज्ञवल्क्य शुक्ल को राष्ट्रीय महासचिव चुना है. मुंबई में छात्र संगठन के केंद्रीय कार्यालय से चुनाव अधिकारी सीएन पटेल द्वारा जारी बयान में कहा गया कि शाही और शुक्ल सात से 10 दिसंबर तक दिल्ली में होने वाले एबीवीपी के 69वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे. याज्ञवल्क्य शुक्ल मूलतः झारखंड के गढ़वा जिले से हैं. इनके पास रांची विवि से भूगोल विषय में पीएचडी है.

धनबाद में कांपी धरती लोगों में फैली दहशत

धनबाद। गुरुवार की दोपहर लगभग 3:43 मिनट पर धरती कांपी. धरती के कांपने से धनबाद के विभिन्न क्षेत्रों में अपना- तफरी का माहौल हो गया और लोगों में दहशत है. गुरुवार की दोपहर धनबाद के विभिन्न क्षेत्रों से धरती कांपने की सूचना मिली. जिसमें सरायढेला, स्टील गेट, कोयलानगर, कार्मिक नगर, जगजीवन नगर समेत विभिन्न क्षेत्रों से धरती हिलने की सूचना सामने आई. भूकंप आने से लोग घर छोड़ कर बाहर निकल गए. गनीमत रही कि खबर लिखे जाने तक कहीं से भी किसी तरह के जान- माल के क्षति की सूचना नहीं आई है.

प्लांट के विस्तारीकरण को ले पिछली सरकार से होती रही घोषणा और प्रयास, मगर बातें आईं और गईं साबित हुईं

- **राजबार कोल ब्लॉक का आवंटन हुआ था**
- **माइनिंग प्लान दिल्ली भेजा गया, अब तक नहीं मिली स्वीकृति**
- **हेमंत सरकार ने पिछले साल ही विस्तारीकरण की घोषणा की**
- **6-7 नवंबर को ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में यह मसला उठा था**
- **टीटीपीएस के एमडी ने पुन: इसके विस्तारीकण का प्रस्ताव भेजा**

टीटीपीएस का विस्तीकरण

घोषणा, अनुशंसा व फैसला

कौशल आनंद/रवि भारती। रांची

अपनी लाइफ खो चुके तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन के विस्तारीकरण को लेकर समय-समय पर कई घोषणाएं, निर्णय और फैसले होते रहे, मगर वो अब तक धरातल पर नहीं उतर सकीं. झारखंड के एकमात्र अपने थर्मल पावर प्लांट के विस्तीकरण को लेकर पूर्ववर्ती रघुवर सरकार की कई घोषणाओं और कैबिनेट के निर्णयों के बावजूद अब तक कुछ नहीं हो सका. मौजूदा हेमंत सोरेन सरकार में फिर से इसके विस्तारीकरण के प्रयास शुरू हुए हैं. गत 6 एवं 7 दिसंबर को दिल्ली में हुए ऊर्जा मंत्रियों के सम्मेलन में यह मसला उठा.

झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रहे मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह के समक्ष यह मसला उठाया. इसके बाद केंद्र सरकार ने इसमें मदद करने का आश्वासन दिया. इसके बाद टीटीपीएस के एमडी ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय को इसके विस्तारीकरण का प्रस्ताव बना कर भेजा है. जिसमें 660-660 मेगावाट की दो यूनिटों से उत्पादन शुरू करना शामिल है. वर्तमान में टीटीपीएस की क्षमता 210-210 मेगावाट है. इस बार भी इस पावर स्टेशन का भविष्य संवरेगा या नहीं. यह देखने वाली बात होगी.

अंतिम सांसें गिन रहा टीटीपीएस प्लांट : टीटीपीएस की स्थापना 1972 में तत्कालीन बिहार सरकार के समय हुई थी. एक थर्मल पावर प्लांट की अधिकतम आयु 35 साल होती है. मगर 51 वर्ष का ये प्लांट हो चुका है. हालत इतनी खराब है कि मुश्किल से ही एक महीने में दोनों यूनिट चल पाती हैं. वर्तमान में दो यूनिट की क्षमता 210-210 मेगवाट है. मगर मुश्किल से दोनों यूनिट चलने के बाद 200 से 250 मेगावाट ही बिजली का उत्पादन हो पाता है. यह प्लांट अब अंतिम सांसे गिन रहा है. मगर इस दिशा में अब तक जो भी प्रयास हुए, उनेके सार्थक परिणाम नहीं निकल पाए.

रघुवर सरकार में विस्तारीकरण की मंजूरी मिली

कोयला खरीदने का भी पूरा पैसा नहीं

टीटीपीएस प्रबंधन के पास कोयला खरीदने के लिए पूरा पैसा जुगाड़ नहीं हो पा रहा है. एक दिन में दोनों यूनिटों को चलाने के लिए 7000 टन कोयले की जरूरत होती है. हर महीने 32 करोड़ का कोयला खरीदा जाता है. वहीं टीटीपीएस के अफसरों- कर्मियों को भी वेतन देने में लगभग छह करोड़ खर्च होते हैं. जेबीवीएनएल बिजली लेने के एवज में रेगुलर टीटीपीएस को पैसे का भुगतान नहीं करता. इसके कारण टीटीपीएस सीसीएल को पैसा नहीं दे पाता है. अभी हाल में दुर्गा पूजा में सीसीएल ने कोयले की आपूर्ति रोक दी थी. ऊर्जा सचिव अविनाश कुमार की पहल पर सीसीएल ने कोयले की आपूर्ति शुरू की.

टीटीपीएस के विस्तारीकरण का बड़ा पेंच अब तक फंसा है

टीटीपीएस के विस्तारीकरण में अब तक बड़ा पेंच फंसा हुआ है. क्योंकि इसके विस्तारीकरण को लेकर राजबार कोल ब्लॉक का आवंटन हुआ था. मगर अब तक उसका परिचालन शुरू नहीं हो पाया है. इसमें 500 मिलियन टन कोयले का अनुमान लगाया गया है. हालांकि इसका माइनिंग प्लान भी केंद्र को भेज दिया गया है. लेकिन खनन का काम अब तक शुरू नहीं हो पाया है.

रघुवर सरकार ने विस्तारीकरण का फैसला 2016 में लिया था

रघुवर सरकार ने 2016 में टीटीपीएस के विस्तारीकरण को कैबिनेट से स्वीकृति दिलाई थी. विस्तारीकरण के तहत मई 2021 तक पहले चरण का उत्पादन शुरू होने की बात कही गई थी, लेकिन अब तक यूनिट स्थापित करने का काम भी शुरू नहीं हो पाया है.

कानूनी लड़ाई के बाद टीटीपीएस पर हुआ झारखंड का स्वामित्व

लंबी कानूनी लड़ाई के बाद चार साल पहले टीटीपीएस पर झारखंड का स्वामित्व स्थापित हो सका है. बिहार के बंटवारे के समय से ही तेनुघाट के स्वामित्व पर झारखंड के साथ विवाद शुरू हुआ. 2004 में मामला हाईकोर्ट में पहुंचा और फिर 2008 में सुप्रीम कोर्ट. लंबी सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में कोर्ट के बाहर मामला सुलझाने को कहा. इसके पहले 2015 में बिहार ने बिजली बंटवारे के 50-50 प्रतिशत गणित पर सहमति का प्रस्ताव दिया. बात नहीं बनी. इस बीच बिहार ने 2018 में तेनुघाट में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगी. लेकिन झारखंड ने यह कहते हुए उसे ठुकरा दिया कि पहले स्टेज को लेकर पावर पर्चेज एग्रीमेंट हो चुका है और इस प्लांट से बिजली देना संभव नहीं है. इसके विस्तारीकरण के बाद स्टेज-2 से 40 प्रतिशत बिजली देने का भरोसा दिया.

राजनीतिक दखलदांजी का भी शिकार बनता रहा टीटीपीएस

राज्य गठन के बाद तत्कालीन ऊर्जा मंत्री लालचंद महतो इसके एमडी बने. इसके बाद इसमें राजनीतिक दखलदांजी इस कदर बढ़ी कि प्लांट की हालत बिगड़ती ही चली गयी. लोकल दखल हमेशा से इस प्लांट पर रहा. विधायक चमरा लिंडा भी इसके एमडी रहे. बाद में हाईकोर्ट के निर्देश के बाद कोई भी राजनीतिज्ञ व्यक्ति इसका एमडी नहीं हो सकता. इसके बाद ऊर्जा विभाग से किसी अफसर को इसका एमडी बनाए जाने लगा. सबसे अधिक समय तक राम अवतार साहू इसके एमडी रहे. तीन कार्यकाल से अधिक समय तक वे एमडी रहे. पूर्ववती सरकार में फिर से इन्हें ही अवधि विस्तार देने की तैयारी थी. मगर पूर्व मंत्री सरयू राय के कड़े विरोध और आपत्ति के बाद राम अवतार साहू को एक्सटेंशन रोक दिया गया. जीएम सनातन सिंह को प्रभारी एमडी बनाया गया. वर्तमान में ऊर्जा विभाग के अनिल शर्मा इसके एमडी हैं.

टीटीपीएस का फैक्ट

1.5 लाख टन कोयले की है जरूरत टीटीपीएस की दोनों यूनिटों को चलाने के लिए हर माह

7000 टन कोयले की जरूरत एक दिन में पड़ती है

टीटीपीएस हर महीने खरीदता है 32 करोड़ का कोयला

- एक यूनिट बिजली उत्पादन में 700 से 800 ग्राम कोयले की जरूरत
- बिजली उत्पादन के लिए जेड-8 और जेड-9 श्रेणी के कोयले का होता है उपयोग
- एक यूनिट बिजली उत्पादन में 3.50 रुपये प्रति यूनिट आता है खर्च
- एक माह में 20 करोड़ की बिजली का होता है उत्पादन
- प्रति माह डीजल पर ही 3.5 करोड़ रुपये का ख
- मेंटेनेंस में दो से ढाई करोड़ खर्च
- कर्मचारियों-अधिकारियों के वेतन में हर माह लगभग छह करोड़ खर्च

कब-कब हुई क्या घोषणा और प्रयास

- लंबी कानूनी लड़ाई के बाद टीटीपीएस पर झारखंड का स्वामित्व हुआ
- पूर्ववर्ती रघुवर सरकार ने 2016 में इसके विस्तारीकरण के लिए कैबिनेट से प्रस्ताव पारित किया और 2021 तक नए प्लांट से बिजली उत्पादन की घोषणा की गयी.
- केंद्र ने हेमंत सरकार गठन के बाद इसके विस्तारीकरण के लिए राजबार कोल ब्लॉक आवंटित किया. इसका माइनिंग प्लान केंद्र को भेजा गया, मगर अब तक खनन शुरू करने की हरी झंडी नहीं दी.
- 6 एवं 7 नवंबर को दिल्ली में ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में झारखंड ने इस मसले को उठाया. केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने मदद का भरोसा दिया
- फिर से विस्तारीकरण का प्रस्ताव भेजने को कहा. इसके बाद फिर से टीटीपीएस के एमडी ने 660-660 मेगावाट के दो यूनिट उत्पादन प्लांट लगाने का प्रस्ताव भेजा
- टीटीपीएस के विस्तारीकरण को लेकर राजबार कोल ब्लॉक का आवंटन हुआ था. मगर अब तक परिचालन शुरू नहीं हो पाया है. इसमें 500 मिलियन टन कोयले का अनुमान है. हालांकि इसका माइनिंग प्लान भी केंद्र को भेज दिया गया है. लेकिन खनन का काम अब तक शुरू नहीं हो पाया है.

सीएम कल पाकुड़ में करेंगे 300 करोड़ की योजनाओं की शुरुआत

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 25 नवंबर को पाकुड़ में 300 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन करेंगे. साथ ही परिसंपत्तियों का भी वितरण करेंगे. मुख्यमंत्री इस दौरान पावर सब स्टेशन, एडवांस डेंटल ओपीडी, सड़क, आवासीय उच्च विद्यालय, बैटमिंटन कोर्ट, मोड्यूल ओटी का उद्घाटन करेंगे.

साथ ही जिले के स्कूलों में अतिरिक्त क्लास, स्मार्ट क्लास, मॉडल आंगनबाड़ी सेंटर, पथ मरम्मत कार्य, अधिकारियों एवं कर्मियों के लिए क्वाटर निर्माण, शेड निर्माण, गार्डवाल, पीसीसी पथ, स्कूलों में बाउंड्री निर्माण और डिग्री कॉलेज का शिलान्यास करेंगे. पाकुड़ डीसी मृत्युंजय कुमार वर्णवाल के अनुसार, सीएम 24 नवंबर को हेलीकॉप्टर से पाकुड़ आएंगे और परिसदन में रात्रि विश्राम करेंगे. 25 नवंबर को मुख्यमंत्री सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में भाग लेंगे. इस कार्यक्रम में सीएम 250 से 300 करोड़ रुपये की परिसंपत्ति का वितरण, योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे.

कालूबाथन-मैथन में कोयला चोरी का भंडाफोड़, कोयला जब्त

- **कोयला तस्करी के मुख्य सरगना रमेश गोप का नाम एफआईआर में नहीं**
- **पुलिस की कार्रवाई पर उठ रहे हैं सवाल, कहीं तस्करों से सांठगांठ तो नहीं**

शुभम संदेश टीम। निरसा/मैथन

निरसा विधानसभा क्षेत्र में डंके की चोट पर हो रही है कोयला तस्करी की खबर शुभम संदेश अखबार में लगातार प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद आखिरकार जिला पुलिस सक्रिय हुई. जिला पुलिस के निर्देश पर स्थानीय पुलिस ने बुधवार की रात व गुरुवार सुबह कालूबथान व मैथन क्षेत्र की कोयला आधारित फैक्ट्री में छापेमारी कर भारी मात्रा में कोयला जब्त किया है. धनबाद से आई पुलिस टीम ने कालूबथान ओपी अंतर्गत सीएमआर भट्ठे में छापेमारी कर करीब एक हजार टन कोयला जब्त किया है. साथ ही दो लोगों को हिरासत में लिए जाने की भी सूचना है. वही स्थानीय पुलिस मामले की लीपापोती करने में जुट गयी है. कालूबथान ओपी प्रभारी अभय कुमार ने मामला टालने के अंदाज में कहा कि सूचना मिली थी कि उक्त भट्ठा में कोयला की खरीद- बिक्री की जा रही है. फैक्ट्री परिसर में करीब 1000 टन कोयले का स्टॉक मिला है.

फैक्ट्री संचालक द्वारा कागजात प्रस्तुत किया गया है. कागजात संबंधित विभाग को जांच के लिए भेज दिया गया है. जांचोंपरांत आगे की कार्रवाई की जाएगी. वही दो लोगों लोगों को हिरासत में लिए जाने की बात को ओपी प्रभारी ने सिरे से खारिज कर दिया.

उधर हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद छोड़ दिए गए फैक्ट्री कर्मी बलराम राम ने बताया कि सीएमआर फैक्ट्री मुखिया अशोक महतो की है और वह इस फैक्ट्री में पिछले 20 वर्षों से काम कर रहे हैं.

-शेष पेज 7 पर

उठते सवाल?

1. आखिर रमेश मंडल कौन है ? कोयला चोरी के आरोपी रमेश मंडल को बड़ा बाबू से बात करने की हिम्मत कहां से मिली?
2. इतने बड़े पैमाने पर यहां अवैध कोयले का खेल चल रहा था और इसकी सूचना स्थानीय पुलिस के पास क्यों नहीं थी?

शुभम संदेश इंपैक्ट

कोयला तस्करों का कालूबथान और पंचेत में खेल जारी
स्कूल को बनाया अवैध कोयला डिपो
अवैध कारोबार
अभिभावकों ने बच्चों को स्कूल भेजना किया बंद
संवाददाता। निरसा
कोयलांचल के कालूबथान और पंचेत ओपी क्षेत्र में धड़ल्ले से कोयले के अवैध कारोबार का खेल जारी है. इस धंधे से जुड़े लोगों की मानें, तो इनकी ऊपर तक सेटिंग हो चुकी है. कोई इनका बाल भी बांका नहीं कर
पलासिया काली मंदिर के पीछे अवैध मुहाना, मुहाना के ऊपर एकत्रित उत्खनित कोयला व बोरे में भर कर साइकिल से कोयला ढुलाई करते लोग.

22 नवंबर को प्रकाशित खबर

मैथन पुलिस ने छापेमारी कर 100 टन कोयला जब्त किया : उधर मैथन पुलिस ने गुरुवार की अहले सुबह कालीमाटी क्षेत्र में स्थित पवनधाम सॉफ्ट कोक नामक भठ्ठा में छापेमारी कर करीब सौ टन अवैध कोयला जब्त किया है. छापेमारी के दौरान पुलिस को देखते ही कोयला चोरों में भगदड़ मच गई.

कौन हैं पीयूष सहाय ?

धनबाद। शहर के व्यवसायी, खासकर कोयला व्यापार से जुड़े लोग तो सहाय जी को अच्छी तरह से जानते हैं, क्योंकि सहाय जी दोधारी तलवार हैं. भला कर रहे हैं तो बुरा करने की ताकत भी रखते हैं. ऐसे महापुरुष को नहीं जानना भी एक अपराध साबित हो सकता है. आप सोच रहे होंगे कि आखिर कौन है यह सहाय. तो बता दें इनका नाम पीयूष सहाय है. धनबाद वाले, कोयला, बालू, जमीन वाले सभी से समान भाव से मिलते हैं.

- शेष पेज 7 पर

बुरे दिनन कोउ बात न पूछत...

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

उनकी महफिलों में हर किस्म के नगीनों की भीड़ जुटती थी. वह हंसते थे, तो दरबार ठहाकों से गूंज उठता था और उनके खामोश होते ही सन्नाटा छा जाता था

प्रसंगवश

बिछड़ा कुछ इस अदा से कि रुत ही बदल गई
इक शख्स सारे शहर को वीरान कर गया

सहारा श्री सुब्रत राय दुनिया से रुखसत हो गये. ये वही सुब्रत राय, जिनका कभी जलवा-ए-जलाल था. उनके दरवाजे पर नेताओं, फिल्मी सितारों, खिलाड़ियों, अधिकारियों और दूसरे बड़े लोगों की भीड़ लगी रहती थी. उनकी महफिलों में हर किस्म के नगीनों की भीड़ जुटती थी. वह हंसते थे, तो दरबार ठहाकों से गूंज उठता था और उनके खामोश होते ही सन्नाटा छा जाता था. कुछ उसी तरह जैसे-तू जो चाहे तो दिन निकलता है, तू जो चाहे तो रात होती है. यह मुकाम उन्होंने अपनी फितरत, लगन, परिश्रम और परिस्थितियों के अनुरोध से प्राप्त किया था. उन्होंने अपनी चिटफंड कंपनी का मॉडल कहां से और कैसे प्राप्त किया, यह तो नहीं मालूम, लेकिन गोरखपुर से इंजीनियरिंग पढ़ने के बाद लम्ब्रेटा स्कूटर से बिस्कुट-नमकीन बेचने वाले इस शख्स ने कॉरपोरेट जगत में जितनी जल्दी धाक जमा ली, वह विस्मयकारी थी. सुब्रत राय की सहारा कंपनी को सहारा दिया- मजदूरों, रेहड़ी-पटरीवालों और खामचेवालों ने. उन्होंने पांच-पांच, दस-दस रुपये जमा करके सहारा को नन बैंकिंग कंपनियों में अग्रणी कर दिया और देखते ही देखते सुब्रत राय सहारा श्री बन गये. लेकिन उन्होंने जमाकर्ताओं की हकमारी कभी नहीं की. उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम और हॉकी टीम को स्पांसर किया. सलमान खान से लेकर अमिताभ बच्चन तक की फिल्मों में पैसे लगाये, एविएशन के क्षेत्र में हाथ आजमाया. उन्होंने अखबार भी निकाला और चैनल भी चलाया, जिसमें नामी पत्रकारों ने सेवाएं दीं. जन-गण-मन के सामूहिक गान का रिकॉर्ड भी बनाया और सहारा सिटी, लखनऊ के प्रवेश द्वार पर भारत माता की विशालकाय प्रतिमा स्थापित कर स्वयं को प्रखर राष्ट्रवादी होने का अहसास भी कराया. उन्हें कई नेशनल अवार्ड भी मिले,

लेकिन आखिर में होता वही है, जो मंजूर-ए-खुदा होता है.

सफलता की सीढ़ियां फलांगते आत्मघाती गलतियां कर बैठे : दरअसल सुब्रत राय सफलता की सीढ़ियां फलांगते हुए आत्मघाती गलतियां कर बैठे. उन्होंने अमर सिंह (अब स्वर्गवासी), अनिल अंबानी और अमिताभ बच्चन की सोहबत में खुद को मुलायम सिंह यादव के साथ एक्सपोज कर दिया. इस दोस्ती का आलम यह था कि सुब्रत राय ने 1996 के लोकसभा चुनाव में अटल बिहारी वाजपेयी को हराने के लिए सपा प्रत्याशी राज बब्बर के समर्थन में स्वयं को झोंक दिया. हालांकि अटल जी ने कभी इसका बुरा नहीं माना और सुब्रत राय के बेटों की शादी में बतौर प्रधानमंत्री शामिल हुए. इसके अलावा उपराष्ट्रपति भैरो सिंह शेखावत तथा लालकृष्ण आडवाणी भी शरीक हुए. इस शादी में क्रिकेट जगत के हीरो कपिलदेव से लेकर कई मशहूर खिलाड़ी भी सम्मिलित हुए.

-शेष पेज 7 पर

चाईबासा में आईईडी ब्लास्ट जवान घायल, रांची लाया गया

संवाददाता। चाईबासा

नक्सली साजिश

- जवान को एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया, रिम्स में भर्ती
- सुरक्षा बलों के सर्च अभियान के दौरान हो गया हादसा

पश्चिम सिंहभूम जिले के वन में माओवादियों के खिलाफ अभियान के दौरान एक आईईडी में गुरुवार को विस्फोट होने से सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया.

पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) ने मुफस्सिल में हेसाबंध गांव के पास जंगल में आईईडी लगाया था और सुरक्षा बलों की टीम जब माओवादियों के खिलाफ अभियान चला रही थी, तभी आईईडी में विस्फोट हो गया. उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ (174 बटालियन) के जवान हफीजुल रहमान को विस्फोट में चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए विमान से रांची में अस्पताल ले जाया गया. जवान की स्थिति स्थिर है. इलाके में नक्सलियों के खिलाफ तलाश अभियान जारी है.

बता दें कि इससे पहले बीते 17 नवंबर को गोइलकेरा में अभियान में शामिल तीन जवान आईईडी की चपेट में आकर घायल हो गये थे. इनमें से एक जवान शहीद हो गया था. जबकि अन्य जवानों को रांची भेज दिया गया था.

ब्रीफ खबरें

होल्डिंग टैक्स और ट्रेड लाइसेंस की हुई जांच

लातेहार। नगर पंचायत के प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर नगर प्रबंधक राजकुमार वर्मा ने गुरूवार में शहर में होल्डिंग व ट्रेड लाइसेंस जांच अभियान चलाया. जांच अभियान के दौरान बाइपास रोड में पंकज कुमार एवं आशीष कुमार डिफाल्टर के रूप में पाये गये. उनका ऑन द स्पॉट होल्डिंग टैक्स काटा गया. जांच अभियान में होल्डिंग टैक्स के रूप में एक लाख 70 हजार रूपये एवं ट्रेड लाइसेंस में 10621 रुपये संग्रहण किया गया. इस दौरान कई दुकानों का ऑन द स्पॉट ट्रेड लाइसेंस का रिन्यूअल किया गया.

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आज से

लातेहार। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम जिले में 24 नवंबर से प्रारंभ होगा. लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र में 25 नवंबर को वार्ड नंबर एक व दो करकट व बानपुर ग्राम में आपकी योजना आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मध्य विद्यालय करकट में शिविर का आयोजन किया जायेगा. जबकि एक दिसंबर को वार्ड नंबर चार, पांच व छह का सोमेश्वर विवाह मंडप में, छह दिसंबर को वार्ड नंबर तीन व सात का मध्य विद्यालय आश्रम में, नौ दिसंबर को वार्ड नंबर आठ, नौ व दस का सामुदायिक भवन अंबाकोठी शिविर लगाया जायेगा.

सड़क सुरक्षा को लेकर चला जागरुकता अभियान

पीरटांड़। वरीय पुलिस अधिकारी के निर्देश के बाद गुरुवार को पीरटांड़ थाना क्षेत्र के पालगंज मोड़ स्थित पीरटांड़ पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर एक जागरूकता अभियान चलाया गया. इस अभियान के तहत वहां से गुजरने वाले हर मोटरसाइकिल सवारों को सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई. पीरटांड़ थाना प्रभारी गौरव भगत ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा में कभी भी कोई कोताही बरतनी नहीं चाहिए. हर दोपहिया सवारों को अपनी सुरक्षा के लिए सबसे पहले हेलमेट का प्रयोग करना चाहिए.

सरकार आपके द्वार को लेकर एसडीएम ने की बैठक

हुसैनाबाद (पलामू)। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम को लेकर प्रखंड कार्यालय के सभागार में अनुमंडल पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण ने समीक्षा बैठक की. विभागीय पदाधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों से अनुमंडल पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण ने कहा कि शुक्रवार 24 नवंबर से आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत प्रखंड और पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जायेगा. शिविर में ज्यादा से ज्यादा योग्य लोगों को लाभान्वित करें.

वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार घायल

घाटशिला। धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के खरसती पुलिया के समीप एनएच 18 फोरलेन पर गुरुवार की शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. पीछे से आ रहे लोगों ने सड़क पर गिरा घायल युवक को देखकर पहचान करने के बाद परिजनों को सूचना दी. सूचना पर चुकरीपाड़ा पंचायत के मुखिया सहित वार्ड सदस्य परिवार को लेकर घटनास्थल पहुंचे. तत्काल अपनी वाहन से अनुमंडल अस्पताल लेकर पहुंचे अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सक डॉ आरएन टुडू ने प्राथमिक उपचार के बाद एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर भेज दिया.

वन विभाग ने बिजली विभाग को सूची उपलब्ध कराते हुए तार की ऊंचाई बढ़ाने के लिए लिखा पत्र

8-10 फीट की ऊंचाई पर झूल रहे हैं बिजली के तार

संवाददाता। चाकुलिया

हाई टेंशन तार के बिजली की चपेट में आकर चाकुलिया में दो और मुसाबनी में पांच हाथियों की मौत से वन विभाग की परेशानियां बढ़ गई हैं. वन विभाग द्वारा जमीन से कम ऊंचाई पर झूल रहे बिजली के तारों की जांच कर सूची बनाई जा रही है. इस सूची को बिजली विभाग को भेज कर तार को ऊंचा करने की बात कही गई है.

चाकुलिया वन क्षेत्र अंतर्गत चाकुलिया, बहरागोड़ा और धालभूमगढ़ प्रखंड क्षेत्र में वन विभाग में अब तक 67 ऐसे जगह का चयन किया है, जहां 8 से 10 फीट की ऊंचाई पर बिजली के तार झूल रहे हैं. इन जगहों पर हाथियों के बिजली की तार के चपेट में आने की प्रबल संभावनाएं हैं. इस मसले पर वन विभाग ने बिजली विभाग को सूची उपलब्ध कराते हुए तार की ऊंचाई बढ़ाने के लिए पत्र लिखा है. इसकी प्रतिलिपि जमशेदपुर की वन प्रमंडल पदाधिकारी ममता प्रियदर्शी और घाटशिला के अनुमंडल पदाधिकारी सत्यवीर रजक को भेजी गई है.

जर्जर खंभे के सहारे टिके हैं हाई वोल्टेज तार

चाकुलिया। चाकुलिया में हाई वोल्टेज तार की चपेट में आकर हुई दो हथनियों की मौत के बाद बिजली विभाग सतर्क नहीं हुआ है. नगर पंचायत क्षेत्र में ही हाई वोल्टेज तार के कई ऐसे जर्जर खंभे हैं, जिन्हें एक दूसरे खंभे के सहारे टिका कर रखा गया है. ऐसे खंभे जंगली हाथियों के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं. बिजली विभाग द्वारा ऐसे जर्जर खंभों को, जो दूसरे खंभे के सहारे टिके हैं, को बदलने की दिशा में पहल नहीं कर रहा है. वन विभाग भी इस मसले पर गंभीर नहीं है. जबकि नगर पंचायत और इससे सटे हवाई पट्टी क्षेत्र में अक्सर हाथियों का दल जाकर उत्पात मचाता है. नगर पंचायत कार्यालय से करीब 100 मीटर दूर स्थित सड़क के किनारे पशु चिकित्सालय के पास एक बिजली के जर्जर खंभे को एक दूसरे खंभे के सहारे टिकाया गया है. स्वामी विवेकानंद आईटीआई से सटे नेताजी बोस पार्क के सामने एक जर्जर खंभा को दूसरे खंभे के सहारे रखा गया है. इस पार्क से सटा बिजली शक्ति उप केंद्र है. हवाई पट्टी जाने वाली सड़क पर स्वर्ण रेखा परियोजना के बांयी नहर के पास हाई वोल्टेज के तार के दो जर्जर खंभों को एक दूसरे खंभे के सहारे छोड़ दिया गया है.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- नागालैंड का गठन कब हुआ था – 1 दिसंबर 1963
- बहमनी सल्तनत के संस्थापक कौन थे – अलाउद्दीन बहमन शाह
- भारत में केले का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य – तमिलनाडु
- भारत के किस पड़ोसी देश ने टिकटॉक पर बैन लगाया है – नेपाल
- मणिपुर में कितने लोकसभा सीट हैं – 2
- एक मनुष्य को प्रतिदिन कितनी मात्रा में आयोडीन की आवश्यकता होती है – .80 माइक्रोग्राम
- देश में वेंबनाड कहां पर है झील – केरल
- नंद वंश के संस्थापक कौन थे – महापदम नंद
- आईबीएम का फुल फॉर्म क्या है – इंटरनेशनल बिजनेस मशीन
- झीलों का नगर किसे कहा जाता है – श्रीनगर

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जागरुकता रथ रवाना

रथ ही अब लोगों को जागरूक करेगी: डीसी

संवाददाता। गढ़वा

समाहरणालय गढ़वा परिसर से गुरुवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर जन जागरुकता रथ रवाना किया गया. इसे डीसी शेखर जमुआर संग डीडीसी राजेश कुमार राय एवं जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ अवधेश सिंह, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रामगोपाल पांडेय, जिला जन संपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पांडेय, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे. बताया गया कि जन जागरुकता रथ जिले के सभी प्रखंडों एवं पंचायतों में जाकर आमजनों को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के प्रति जागरूक करने का कार्य करेगी. इससे वह अपने निकटतम पंचायत में आयोजित कार्यक्रम के शिविरों में जाकर सरकारी योजनाओं का लाभ ले सके.

बता दें कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम 24 नवंबर से 26 दिसंबर 2023 तक आयोजित करने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है. जिले के सभी पंचायतों इस कार्यक्रम के तहत शिविरों का आयोजन कर सरकार क योजनाओं का अधिकाधिक लाभ शिविर में ही आमजनों को उपलब्ध कराए जाने का निर्देश दिया गया है.

रथ रवाना

- उपायुक्त शेखर जमुआर ने रथ को दिखाई हरी झंडी
- लोग शिविरों में जाकर योजनाओं का लाभ ले सकेंगे

कार्यक्रम की निर्धारित तिथि

- 24 नवंबर को धुरकी प्रखंड के पंचायत सचिवालय रक्सी, खरौंधी के पंचायत सचिवालय कूपा, कांडी प्रखंड में कांडी पोखरा तालाब के पास, मंझिआंव के पुरहे पंचायत भवन में, मेराल के तीसरटेटुका पंचायत अंतर्गत पेंदली छठ घाट के मैदान में, चिनिया के पंचायत भवन बरवाडीह, भवनाथपुर के मकरी पंचायत भवन में आयोजित किये जायेंगे.
- 28 नवंबर को कांडी के पतरिया पंचायत भवन के पास, केतार के परती कुशवानी पंचायत भवन, मेराल के चामा में मदरसा के मैदान में, रंका के दूधवल के नगड़ी मैदान में, रमना के पंचायत भवन बहियार खुर्द, सगमा के पंचायत सचिवालय कटहर कलां में आयोजित किये जायेंगे.
- 29 नवंबर को गढ़वा प्रखंड के छतरपुर पंचायत भवन में, धुरकी के खाला पंचायत सचिवालय में, मंझिआंव के टड़हे पंचायत भवन में, चिनिया के बेता पंचायत भवन में, आयोजित किये जाएंगे.
- 30 नवंबर को बरगढ़ प्रखंड के बरगढ़ पंचायत के प्राथमिक विद्यालय महुआटीकर में, कांडी के रानाडीह पंचायत भवन में आयोजित किए जाएंगे.
- 01 दिसंबर को बरडीहा प्रखंड के पंचायत भवन बरडीहा में, कांडी के शिवपुर पंचायत भवन में, केतार के पाचाडूमर पंचायत भवन में, मेराल के चेचरिया पंचायत भवन में, रमना के भगोड़ीह पंचायत भवन में पंचायत भवन में आयोजित किए जाएंगे.
- 02 दिसंबर को धुरकी प्रखंड के खुटिया पंचायत सचिवालय में, कांडी प्रखंड के पतिला पंचायत भवन में, मंझिआंव के रामपुर पंचायत भवन में, मेराल के ओखरगाड़ा पूर्वी पंचायत के पचफेड़ी विद्यालय के पास, बिशुनपुरा के सरांग पंचायत सचिवालय के समीप आम बगीचा के मैदान में आयोजित किए जाएंगे.
- 04 दिसंबर को खरौंधी के राजी पंचायत सचिवालय में, केतार के केतार पंचायत भवन में, मेराल के पढ़ूवा पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय पतहरिया में, भंडरिया के करचाली पंचायत के दुर्गा मंडप कंजिया में, रमकंडा के रमकंडा पंचायत भवन में आयोजित किया जाना है.
- 05 दिसंबर को धुरकी के पंचायत सचिवालय धुरकी में, बरडीहा के आदर पंचायत भवन में, कांडी के डुमरसोता पंचायत के दरीदह हनुमान मंदिर के पास, चिनिया के विलायती खैर पंचायत भवन में आयोजित किया जाना है.
- 06 दिसंबर को खरौंधी के सुंडी पंचायत सचिवालय में, कांडी के हरिहरपुर पंचायत भवन में आयोजित है.
- 07 दिसंबर को केतार के बलीगढ़ पंचायत भवन में, रमना के गम्हरिया पंचायत भवन में, नगर ऊंटारी के हलिवंता कला पंचायत भवन में एवं गढ़वा के कल्याणपुर पंचायत भवन में आयोजित होगा.

जागरुकता रथ रवाना हुआ

संवाददाता। लातेहार

अबुआ आवास योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए गुरुवार को समाहरणालय से दो एलईडी जागरुकता रथ रवाना किया गया. उप विकास आयुक्त आलोक शिकारी कच्छप ने हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना किया. डीडीसी ने बताया कि इस जागरुकता रथ से अबुआ आवास योजना के सुयोग्य लाभुकों को 24 नवंबर से 23 दिसंबर तक से जिले के विभिन्न पंचायतों में होने वाले आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार शिविर में शामिल होकर अबुआ आवास योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन जमा करने के लिए प्रेरित किया जायेगा.

उन्होंने बताया कि योग्य आवास विहीन लाभुकों को तीन कमरे का पक्का मकान बनाने के लिए कुल दो लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी. इस योजना के तहत वैसे लोगों को आवास योजना का लाभ मिलेगा जिनके कच्चे मकान है. जो आवास विहीन एवं निराआश्रित, विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह, प्राकृतिक आपदा के शिकार परिवार, बंधुआ मजदूर व वैसे परिवार, जिन्हें राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार द्वारा संचालित आवास योजना योजना का लाभ नहीं दिया गया हो. आवास निर्माण के लिए कुल सहायता राशि दो लाख रुपया प्रति ईकाई है. आवास का निर्माण 31 वर्ग मीटर में तीन कमरे का किया जायेगा. मौके पर निदेशक डीआरडीए प्रभात रंजन चौधरी व जिला गोपनीय शाखा प्रभारी श्रेयांश समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे.

28 को जिले के 13 स्थानों पर सरकार आपके द्वार

धनबाद। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 28 नवंबर को कुल 13 स्थान पर शिविर का आयोजन किया जाएगा. जिसमें पूर्वी टुंडी का लटानी, टुंडी का बांदा पूर्व, निरसा 3का बेनागड़िया, तोपचांची का ब्राह्मणडीहा, बाघमारा का बहियारडीह एवं लुतीपहाड़ी, बलियापुर का पलानी, एगारकुंड का चांच तथा गोविंदपुर प्रखंड के बागसुमा एवं रतनपुर शामिल है. वहीं नगर निगम के वार्ड संख्या 12 अंतर्गत नेपाल रवानी स्कूल भवन छातातांड़, वार्ड 5 के वार्ड विकास केंद्र छाताबाद तथा चिरकुंडा नगर परिषद के वार्ड संख्या 3 के बालक बालिका हिंदी मध्य विद्यालय गंजागली में शिविरों का आयोजन किया जाएगा. लोग शिविर में सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं.

डीसीएलआर ने रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता। धनबाद

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को समाहरणालय परिसर से डीसीएलआर सतीश चंद्रा ने हरी झंडी दिखा कर दो प्रचार रथ को रवाना किया. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के कार्यालय के 4 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में 24 नवंबर से 26 दिसंबर 2023 तक जिले की सभी 256 पंचायत, नगर निगम के 55 वार्ड एवं चिरकुंडा नगर परिषद के सभी वार्ड में आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है. इसके वृहत प्रचार प्रसार के लिए प्रचार गाड़ी को रवाना किया गया है. ताकि जिले के सभी लोगों को कार्यक्रम की पूरी जानकारी मिले. लोग अधिक से अधिक संख्या में अपने नजदीकी शिविर में पहुंच कर सरकार की योजनाओं का लाभ ले सकते हैं.

गोलमुरी में शराब दुकान में आबकारी टीम ने मारा छापा

छापेमारी करने पहुंची आबकारी विभाग की टीम.

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के गोलमुरी बाजार स्थित शराब दुकान में गुरुवार सुबह आबकारी विभाग ने दबिश दी. इस दौरान आबकारी विभाग ने दुकान में छापेमारी की. विभाग की टीम को देख दुकान में मौजूद कर्मचारियों के होश उड़ गए.

आरोप है कि दुकान में नकली शराब बेची जा रही है. आबकारी विभाग से मामले की शिकायत की गई थी. शिकायत पाकर आबकारी विभाग की टीम छापेमारी करने पहुंची और दुकान में जांच की. यह पहली बार नहीं है जब शराब दुकान से नकली शराब बेचने की शिकायत मिली है. बताया जाता है कि इसके पूर्व भी सोनारी कागलनगर स्थित शराब दुकान में शराब में पानी मिलाने की शिकायत पर छापेमारी हुई थी.

बागबेड़ा विकास समिति ने दिया धरना, किया प्रदर्शन

जमशेदपुर। बागबेड़ा विकास समिति ने स्थानीय समस्याओं को लेकर बड़ोदा घाट के सामने गुरुवार को धरना प्रदर्शन किया. इसके बाद समिति के सभी सदस्य जिला मुख्यालय पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री के नाम पांच सूत्री मांगपत्र उपायुक्त को सौंपा. समिति के अध्यक्ष गणेश विश्वकर्मा ने बताया कि इससे पूर्व भी प्रशासन को एक मांगपत्र सौंपा गया था, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई. जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती हैं तब तक लोकतांत्रिक तरीके से उनका आंदोलन चलता रहेगा. उन्होंने बताया कि बागबेड़ा बड़ोदा घाट के पास सौ वर्ष पहले बना पुल पूरी तरह से जर्जर हो चुका है. मरम्मत के नाम पर वहां जिला प्रशासन द्वारा मात्र लोहे का दो एंगल लगा दिया गया है. इससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है. इसलिए पुल को तोड़कर शीघ्र नए पुल का निर्माण कराने, सम्पूर्ण बागबेड़ा क्षेत्र में जुगसलाई नगरपालिका की तर्ज पर कचरे का उठाव के लिए स्थाई व्यवस्था करने, पांच पंचायत की सड़कों की स्थिति जर्जर हो चुकी है, इन सड़कों का निर्माण जल्द से जल्द कराने की मांग की.

इसमें अधिवक्ताओं का बड़ा सभागार सहित पूरा संघ भवन शामिल है

सौर ऊर्जा से रौशन होगा अधिवक्ता भवन

संवाददाता। गिरिडीह

गिरिडीह अविवक्ता संघ का भवन.

जिले के अधिवक्ताओं के लिए अच्छी खबर है. अधिवक्ता संघ भवन जल्द ही सौर ऊर्जा से जगमग होगा. इसमें अधिवक्ताओं का बड़ा सभागार सहित पूरा संघ भवन शामिल है. योजना को मूर्त रूप देने में कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी व जिले के पांच विधायकों की अहम भूमिका होगी. महासचिव चुन्नू कांत ने बताया कि गिरिडीह अधिवक्ता संघ भवन में जल्द ही सौर ऊर्जा का कनेक्शन किया जाएगा. इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है.

चुन्नू कांत की मानें, तो राज्य में यह अधिवक्ताओं का पहला भवन होगा, जहां वैकल्पिक ऊर्जा के सहारे पंखा और लाइट का उपयोग किया जा सकेगा. उल्लेखनीय है कि संघ भवन का बिजली बिल पिछले 10 वर्षों से बकाया है. यह रकम 8 लाख के करीब है. महासचिव ने बताया कि मामले में गिरिडीह उपायुक्त को पत्र लिखकर सौर ऊर्जा कनेक्शन की बात कही गई थी. पत्र की कॉपी स्थानीय विधायक सुदिव्य कुमार सोनू को भी दी गई थी. विधायक ने पहल करते हुए न केवल जेरेडा से बात की, बल्कि जिले के सभी जनप्रतिनिधियों को इससे अवगत कराया. योजना पर 35 लाख रुपए से अधिक लागत आएगी.

तैयारी पूरी

- संघ भवन का बिजली बिल पिछले 10 वर्षों से बकाया है
- इस योजना पर 35 लाख से अधिक लागत आएगी

चुन्नू कांत ने बताया कि कोडरमा सांसद सह केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, गिरीडीह विधायक सहित धनवार विधायक सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, बगोदर विधायक विनोद सिंह, जमुआ विधायक केदार हाजरा, गांडेय विधायक डॉ सरफराज अहमद ने अपने सांसद व विधायक कोटा से 5-5 लाख रुपए देने की स्वीकृति दी है. रकम कम पड़ेगी तो गिरीडीह विधायक सोनू ने और राशि देने का भरोसा दिया है.

बीडीओ ने किया पीएम आवास का उद्घाटन

कतरास। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जमुआटांड़ पंचायत मे बने आवासों का गृह प्रवेश गुरुवार को बाघमारा प्रखंड विकास पदाधिकारी सुषमा आनंद व पंचायत के मुखिया निरंजन गोप के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काट एवं नारियल फोड़कर किया. इस दौरान बीडीओ ने उपस्थित ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कई योजनाएं की जानकारी लोगों को दी. वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना लाभुक जिनो सिंह, गौरी सिंह ,मेंदी देवी, काली गोप, नारायण सिंह से बीडीओ ने बात चीत कर कई महत्वपूर्ण बिंदु पर जानकारी ली. इधर योजना के तहत आवास बनने साथ लाभुकों के चेहरे पर खुशी झलक रही थी. कार्यक्रम में ब्लॉक कोडिनेटर उत्तम कुमार पंचायत सचिव प्रभुदयाल महतो वार्ड सदस्य चंदन महतो वार्ड सदस्य प्रतिनिधि नेपाल सिंह समाजसेवी सुशील कुमार सिंह, शनिचर सिंह, बिनोद महतो, शंकर सिंह और छोटन रजक मौजूद थे.

पर्यटन नवंबर में साइबेरियन पक्षियों का पहुंचना शुरू होता है, जो ठंड की समाप्ति के बाद मार्च महीने में लौट जाती हैं

मौसम बदलते ही डैम में शुरू हो गया प्रवासी पक्षियों का कलरव

दिलीप कुमार। चांडिल

चांडिल डैम में पानी में अठखेलियां करते साइबेरियन पक्षी.

चांडिल डैम में सर्दी का मौसम शुरू होते ही प्रवासी पक्षियों का कलरव शुरू हो गया है. साइबेरियन पक्षियों से चांडिल डैम के प्राकृतिक सौंदर्य में चार चांद लग रहा है. सूर्योदय और सूर्यास्त के समय मेहमान पक्षियों के कलरव और अठखेलियों का विहंगम दृश्य स्थानीय लोगों के साथ सैलानियों का मन मोह लेते हैं. प्रवासी पक्षियों को देखकर स्थानीय लोगों के साथ सैलानियों को भी सुखद अनुभव होता है. जानकार बताते हैं कि यह इलाका प्रवासी पक्षियों का पसंदीदा जगह है. पक्षियों का झुंड पानी में कलोल करते हुए अलग ही आकर्षण एवं दिलचस्प नजारा पेश कर रहे हैं. साइबेरियन पक्षियों की मौजूदगी से चांडिल डैम और भी मनोरम हो जाता है. सर्दी बढ़ने के साथ-साथ इनकी संख्या में भी इजाफा होता जाएगा. नवंबर महीने में इनका आगमन शुरू हो जाता है, जो ठंड की समाप्ति के बाद मार्च महीने में पुनः वापस उड़ जाते हैं. इस वर्ष अभी मेहमान पक्षियों का आना शुरू ही हुआ है. डैम में प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट शुरू होने के बाद इन्हें देखने के लिए पर्यटकों का पहुंचना भी शुरू हो जाएगा. चांडिल डैम की मछलियां और मछलियों को खिलाए जाने वाला दाना इनका पसंदीदा आहार है. ये ऐसे पक्षी हैं जो हवा में उड़ते हैं और पानी में भी तैरते हैं. एक दिन में 1600 किमी की उड़ान भरने की क्षमता रखते हैं.

पहुंचे पक्षी

- यह इलाका प्रवासी पक्षियों के लिए सबसे पसंदीदा जगह है
- जैसे-जैसे सर्दी बढ़ेगी, पक्षियों की संख्या बढ़ती चली जाएगी

धीरे-धीरे कम हो रही पक्षियों की संख्या

चांडिल डैम पहुंचने वाले विदेशी प्रवासी पक्षियों की संख्या प्रतिवर्ष धीरे-धीरे घटती जा रही है. इसके कई कारण हो सकते हैं. चांडिल क्षेत्र का वातवरण धीरे-धीरे प्रदूषित होता जा रहा है. हरी-भरी वादियों में स्वास्थ्यवर्धक हवा अब चांडिल में नहीं रहा. प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक प्रतिष्ठानों के स्थापित होने के बाद यहां का आवोहवा स्वास्थ्य के अनुकूल नहीं रहा. हो सकता है कि प्रदूषण के कारण यहां पक्षी कम पहुंच रहे हैं. प्रवासी पक्षी डिमना व सीतारामपुर डैम में भी अपना डेरा डालने लगे हैं.

डैम को है अब सजाने संवारने की जरूरत

चांडिल डैम पहुंचने वाले लोग बताते हैं कि यह जगह प्रकृति की सुंदरता से ओतप्रोत है. इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकास करने की अपार संभावनाएं हैं. राज्य सरकार और जिला प्रशासन को चाहिए कि इसे और बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए, ताकि यहां आने वाले पर्यटक चांडिल डैम से एक सुनहरी याद लेकर लौटे सकें. लोगों ने बताया कि डैम में सैलानियों के लिए बैठने के लिए न तो उचित स्थान है, न ही पेयजल की व्यवस्था है.

एसएनएमएमसीएच में लिंक फेल,मरीजों नें किया हंगामा

संवाददाता। धनबाद

शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) के ओपीडी के रजिस्ट्रेशन काउंटर का लिंक गुरुवार को खुलने के साथ ही फेल हो गया.

सुबह आठ बजे काउंटर तय समय से खुला. इस दौरान इंटरनेट कनेक्शन का लिंक फेल होने से रजिस्ट्रेशन शुरू नहीं हो सका. एक घंटे में रजिस्ट्रेशन काउंटर के बाहर मरीजों की लंबी कतार लग गयी. लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया. हंगामा कर रहे मरीजों को शांत कराने में होम गार्ड जवानों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. लिंक फेल होने के कारण कई मरीज बिना इलाज के ही लौट गये. वहीं कुछ मरीज दूसरी पाली में इलाज कराने का इंतजार कर रहे हैं.

रिम्स ओपीडी

सुबह 9 से दोपहर 1 और शाम 3 से 5 बजे तक

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिनः	डॉ संजय कुमार सिंह
ऑर्थोपेडिकः	डॉ जीके गुप्ता
कार्डियोलॉजीः	डॉ पीजी सरकार
टीबी एवं चेस्टः	डॉ ब्रजेश मिश्रा
नेत्रः	डॉ सुनील कुमार
ऑब्स गायनीः	डॉ किरण त्रिवेदी
ईएनटीः	डॉ आरके चौधरी
सीटीवीएसः	डॉ विनीत महाजन
नेफ्रोलॉजीः	डॉ प्रज्ञा घोष पंत
सायकेट्रीः	डॉ अजय बाखला
न्यूरोलॉजीः	डॉ सुरेंद्र कुमार-डॉ रूपेश प्रसाद

सदर अस्पताल हजारीबाग

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिन :	डॉ. हिमांशु कुमार
मनोचिकित्सा :	डॉ. रूपा
शिशु रोग :	डॉ. विशाल कुमार
इएनटी :	डॉ. पीके सिंह
डेंटल :	डॉ. धनंजय राठौड़

ट्रामा सेंटर : सुबह 8 बजे से अपराह्न 2 बजे तक
- सर्जन : डॉ. सुमेघा
- मेडिसिन : डॉ. रेफॉर्ड

अपराह्न 2 बजे से रात 10 बजे तक
- सर्जन : डॉ. मयंक
- मेडिसिन : डॉ. आरके सिंह

रात 10 बजे से सुबह 8 बजे तक
- ऑर्थो विभाग : डॉ. सत्यम
- मेडिसिन : डॉ. अहमद

हजारीबाग का मौसम

- न्यूनतम तापमान : 15 डिग्री सेल्सियस
- अधिकतम तापमान : 27 डिग्री सेल्सियस
- आसमान में 55% बादल छाए रहेंगे
- हवा की रफ्तार : 08 किमी प्रति घंटे

ब्रीफ खबरें

20 कार्टून अवैध विदेशी शराब सहित बाइक जब्त

चौपारण। चौपारण के चोरदाहा बिरहोर बस्ती से उत्पाद विभाग ने बृहस्पतिवार को तस्करी के लिए रखा हुआ 20 पेटी अवैध विदेशी शराब जब्त किया है, इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सहायक आयुक्त उत्पाद, हज़ारीबाग़ के निदेशानुसार चौपारण थाना अंतर्गत चोरदाहा बिरहोर बस्ती में अवैध विदेशी शराब के विरुद्ध छापामारी की गई. बरामद सभी शराब के बोतलों पर पंजाब का स्टीकर सटा हुआ है। घटनास्थल से एक ग्लेमर बाइक भी जप्त किया गया। झाड़ी का फायदा उठाते हुए अवैध शराब कारोबारी फरार हो गया। अभियुक्त को चिन्हित कर फरार अभियोग दर्ज किया जा रहा है.

अखंड हरि कीर्तन का किया गया आयोजन

चंदवारा (कोडरमा)। चंदवारा प्रखंड के पोकडंडा गांव के मनोज यादव के द्वारा अखंड हरी कीर्तन का आयोजन किया गया. जिसका उद्घाटन झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला सचिव श्यामदेव यादव एवं जिप सदस्य महादेव राम संयुक्त रूप से फीता काटकर किया.इस दौरान उन्होंने कहा कि अखंड हरि कीर्तन करने से मन में भक्ति जगता है. मौके पर पंचायत समिति सदस्य रमेश यादव,धीरज कुमार,रोहन चौधरी,नारायण यादव, राजेश यादव ,तुकलाल दास ग्रामीण लोग मौजूद थे.

लाभुकों की शिकायत पर एमओ ने की जांच

जयनगर(कोडरमा)। जयनगर प्रखंड के ग्राम पंचायत खरियोडीह में लोगों द्वारा समय पर अनाज वितरण नहीं करने, पर्याप्त अनाज नहीं देने की शिकायत पर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी महेश प्रसाद सिंह ने जागृति महिला मंडल की पीडीएस दुकान की जांच की.आपको बता दें कि लाभुकों की शिकायत थी कि डीलर द्वारा कम अनाज का वितरण किया जाता है.कई बार तो घंटे बैठने के बाद कई लघु को वापस लौटना पड़ता है.इसे लेकर ग्रामीणों ने पीडीएस दुकान के बाहर हंगामा भी किया गया था.वहीं ग्रामीणों की शिकायत पर जांच करने पहुंचे प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी महेश सिंह ने इस मामले में डीलर को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया.

ठगों ने आंगनबाड़ी कर्मचारी बन किया फोन, दी प्रधानमंत्री वंदना योजना की जानकारी

एप डाउनलोड कराकर खाते से 8701 रुपये उड़ाए

संवाददाता दारू

प्रखंड के कबलासी पंचायत के उच्चाभेरा निवासी अभिषेक कुमार पिता सुरेश प्रसाद ऑनलाइन ठगी के शिकार हुए. विदित हो कि पूर्व के कुछ सालों से हम लोग लगातार ऑनलाइन ठगी की खबरें आती थी बड़े शहरों में सैकड़ों-हजारों लोग ऑनलाइन ठगी की शिकार हो रहे हैं. पर अब ठगों का पहुंच देश के दूर-दराज के इलाकों तक अपना जाल बिछाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं.

ठगों ने आंगनवाड़ी कर्मचारी बनकर फोन किया और कहा प्रधानमंत्री मंत्री वंदना योजना के अंतर्गत आपको दूसरा किस्त दिया जाना है. कुछ टेक्निकल इशू के कारण आपका पैसा हम लोग क्रेडिट नहीं कर पा रहे हैं .आप हमें कुछ जानकारी साझा करेंगे तो हम आपको इस योजना के अंतर्गत जो शेष राशि है उसको देने में मदद कर सकते हैं. इसके बाद ठगों ने अभिषेक को एक एप्लीकेशन डाउनलोड करने के लिए कहा है.इस एप्लीकेशन आप जो भी अपने स्क्रीन में कार्य कर रहे हैं .वह कोई और दूसरे मोबाइल पर देश के किसी भी कोने से देख सकता है. ठगों के पास अभिषेक के परिवार और रिश्तेदारों से संबंधित बहुत सही जानकारी थी. जिस कारण अभिषेक को विश्वास आता गया. फिर ठगों ने फोन पे पर जो की एक ऑनलाइन डिजिटल पेमेंट एप्लीकेशन है इस पर अभिषेक को किसी तरह का गिफ्ट कार्ड खरीदने को बोला.चूकि स्क्रीन शेयरिंग एप्लीकेशन के माध्यम से ठग अभिषेक के सभी गतिविधियों को देख पा रहे थे.अंतिम में अभिषेक को अपना मोबाइल का पिन कोड डालने को कहा गया. इस तरह करके ठगों ने 2000,6000 और 701 रुपया का गिफ्ट कार्ड बनवाया और पैसे को अभिषेक के अकाउंट से निकासी कर लिया.तत्पश्चात जब अभिषेक के अकाउंट में सिर्फ 23 रू शेष बचा तब ठगों ने अभिषेक को फिर दोबारा से अपने विश्वास में लेने का कोशिश किया और कहा कि अपने मित्रों और रिश्तेदारों से और पैसा मंगवाइए अपने फोन पे वॉलेट में तो सभी पैसे आपके अकाउंट में जमा कर दिए जाएंगे जब तक अभिषेक को शक होता तब तक बहुत देर हो चुकी थी और उसके अकाउंट से 23 रू शेष छोड़कर सभी रूपयों का निकासी कर लिया गया जो की 8701 है अभिषेक ने इसका शिकायत तुरंत दारू थाना में दिया है .

खास बातें
- ठगों के पास अभिषेक के पूरे परिवार की थी जानकारी
- अभिषेक के खाते में छोड़े मात्र 23 रुपये शेष

इसी सड़क से जेल बंदी और अधिकारियों का है रोज आना-जाना

दो किमी का सफर करने में लग जाता है आधा घंटा

शुभम संदेश पड़ताल

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

हजारीबाग जेल सुपरिटेंडेंट की आवास से सिंदूर और मंडई बस्ती जाने में दो किलोमीटर लंबी सड़क के सफर में करीबन आधा घंटा समय लग जाता है . सड़क की बदहाल हालात से जेलकर्मी, मंडई और सिंदूर बस्ती के लोग काफी परेशान है. इस रोड के सहारे सिंदूर में न्यू कॉलोनी भी बसा है. इस सड़क से करीबन 5000 लोगों का आना-जाना प्रत्येक दिन होता है. सड़क पिछले कई सालों से जर्जर है, कहीं बोल्डर बिखरा है, तो कहीं बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं. इसी सड़क के किनारे सेंट्रल जेल बना है. इसमें महिला जेल एवं बाल गृह भी है. सड़क के किनारे कई सरकारी आवास भी बनाए गए हैं ,लेकिन इस सड़क पर किसी का ध्यान नहीं है जबकि इसी सड़क से जेल में बंद बंदियों को कोर्ट ले जाना आना पड़ता है.

सड़क के बदहाल हालत के कारण पर इधर कोई रिक्शा या टेंपू नहीं आता है. जेल में बंदियों से मिलने के लिए परिजन को एनएच 33 से पैदल आना पड़ता है या तो फिर निजी वाहन से आते हैं. जिसमें उनका करीबन आधा घंटा का समय लग जाता है. स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि यह सड़क शहर में है और इस सड़क से रांची पटना का बाईपास भी है . इसी सड़क के सहारे सिंदूर और मंडई में कई कॉलोनी बना है. इसमें अच्छे-अच्छे अधिकारी से लेकर बड़े-बड़े बिजनेसमैन भी मकान बनाकर रह रहे हैं, लेकिन इस सड़क पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है.

आनन-फानन में बनी सड़क, बनी परेशानी का सबब : सुजीत

इस संबंध में मंडई कला सुजीत कुमार ने बताया कि यह सड़क 2005 में जब जेल में किसी प्रोग्राम का उद्घाटन के लिए उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो हजारीबाग सेंट्रल जेल आ रहे थे .उसे वक्त आनन फानन में सड़क बनाया गया था . इस सड़क से आने में काफी समय लगता है . यह बस्ती वालों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है . कभी पंचर हो जाता है, तो कभी गाड़ी खराब हो जाती है .

विधायक व सांसद को संज्ञान लेना चाहिए : नरेश राणा

क्या कहते हैं सिंदूर के नरेश राणा इस संबंध में उन्होंने बताया कि यह सड़क सदर प्रखंड में है और शहर से नजदीक है लोगों को लगातार आना-जाना होता है इस पर विधायक एवं सांसद को संज्ञान लेना चाहिए था और यह सड़क बनता तो सड़क के किनारे रहने वाले अधिकारियों को भी इसके लाभ होता यहां तक की पुलिस को भी पेट्रोलिंग करने में सहूलियत मिलता। इस सड़क पर मंडई पंचायत सिंदूर पंचायत सिंदूर न्यू कॉलोनी के अलावे पबरा, यूनिवर्सिटी के छात्र सियारी एवं आईटीआई कॉलेज के छात्रों का भी आना-जाना होता है .

खास बातें
- जेल सुपरिटेंडेंट के आवास से निकलता है मंडई और सिंदूर
- बस्ती दो किलोमीटर लंबी है सड़क है बदहाल

क्या कहते हैं जेल मुलाकातों में आए लोग

इस संबंध में गुरुवार को लातेहार, बोकारो ,हजारीबाग, चतरा से आए लोगों ने बताया कि जेल में बंदी से मुलाकात के लिए पहली बार आए थे . जानकारी का अभाव था . रिक्शा और टेंपो वाले से बात किए . लेकिन, कोई जेल रोड पर आने को तैयार नहीं था . समय का भी अभाव था . ऐसे में बहुत प्रयास करने के बाद एक ई रिक्शा तैयार हुआ .

इसी रास्ते सैकड़ो लोगों का आना-जाना : मुकेश

इस संबंध में दुकानदार मुकेश यादव ने बताया कि यह इसी सड़क से हजारीबाग के अधिकारी जेल में छापामारी करने आते हैं . यहां तक की जेल के कई अधिकारियों का प्रत्येक दिन का आना-जाना है . प्रत्येक दिन लगभग सैकड़ों लोग जेल में मुलाकात के लिए आते हैं .

डिजिटल अवेयरनेस प्रतियोगिता आयोजित

कोडरमा। शिव तारा सरस्वती विद्या मंदिर में डिजिटल स्किल अवेयरनेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें विद्यालय के सभी भैया बहनों ने भाग लिया. जिसके अंतर्गत विद्यालय के सभी भैया बहनों ने विभिन्न प्रकार के प्रयोग, कविता, गणित का ट्रिक, कहानी आदि का वीडियो बनाकर फेसबुक तथा यूट्यूब में डाऊनलोड किया. जिसमें काफी लोगों ने अपने- अपने विचार भेजें. विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश उपाध्याय द्वारा भैया बहनों को मोमेंटो तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी आचार्य जी ,दीदी जी तथा विद्यालय के सभी लोगों का पूरा सहयोग रहा।

आपसी विवाद चली गोली, एक घायल

हजारीबाग। लोहसिंगना थाना क्षेत्र के मंडई कला में नशीला पदार्थ खरीद बिक्री को लेकर दो कारोबारियों के बीच विवाद बढ़ गया. दूसरे पक्ष ने एक को गोली मारकर घायल कर दिया है. घायल व्यक्ति मंडई कला निवासी मोहम्मद ईतेशार आल, पिता मोहम्मद इरशाद उम्र 24 वर्ष का है. घटना गुरुवार लगभग 2:00 बजे मंडे खुर्द के कर्बला के पास की है. बताया जा रहा है कि एक कल्लू चौक के पास रहने वाला व्यक्ति कोरेक्स ड्रग्स एवं कई नशीला पदार्थ का कारोबार करता है. किसी बात पर खरीद बिक्री को लेकर विवाद हो गया इसके बाद गोली मारकर घायल कर दिया है. युवक को गोली दाहिने सीने के नीचे लगा. जिसका आरोग्यम अस्पताल में इलाज चल रहा है. इस संबंध में डीएसपी राजीव कुमार ने बताया कि भुक्तभोगी ने आवेदन दिया है.

प्रॉपर्टी बाजार

- लोकेशन- शास्त्री नगर, रामगढ़
- जमीन की कीमत : 4 लाख प्रति डिसमिल.
- बस स्टैंड से दूरी : शहर के बस स्टैंड से दूरी 2.5 किलोमीटर.
- रेलवे स्टेशन से दूरी : 3 किलोमीटर रामगढ़
- आवागमन का साधन : कार , बस, मोटरसाइकिल , ऑटो आदि .
- आस पास के स्कूल : वेंसेन्ट पब्लिक स्कूल, कैसेंट स्कूल , इंडियन पब्लिक स्कूल.
- पास का बाजार : रामगढ़ व रांची रोड़ बाजार.

हेल्थ अलर्ट

अस्पताल का नाम- विशेश्वर महतो सेवा सदन, गोला

- लोकेशन : मुरी रोड , डभातु , गोला
- कुल बेड : 20 बेड
- आईसीयू : हां
- एनआईसीयू : हां
- आइसुलेशन वार्ड : हां
- एम्बुलेंस : हां
- साफ सफाई : बेहतर है
- पार्किंग स्थल : हां
- चिकित्सक : डॉ जितेंद्र कुमार , डॉ चंचला, डॉ अभिषेक कुमार , डॉ उदित कुमार
- विशेषज्ञ : डॉ चंचला, स्त्री रोग विशेषज्ञ, सर्जरी, हड्डी , नाक कान गला विभाग
- सुविधाएं : सिटी स्कैन, अल्ट्रा साउंड, एक्सरे, ईसीजी, पैथोलॉजी, फिजियोथेरेपी, दवाखाना की सुविधाएं उपलब्ध है.

घूमें-फिरें

- स्थल का नाम : ब्रिगेडियर पूरी पार्क, रामगढ़
- शहर से कितनी दूर : 1 किलोमीटर बस स्टैंड के पास
- शहर में कहा है : न्यू बस स्टैंड के नजदीक
- कैसे पहुंचेंगे : बस, कार, ऑटो, मोटरसाइकिल आदि से
- पहुंचने का रूट क्या है : एनएच 33 और एनएच 23 दोनों सड़को से पहुंचा जा सकता है रामगढ़
- क्या क्या है खास : बच्चों की कई प्रकार की झूले, जीम, सुंदर पार्क

खान-पान

रेस्टूरेंट का नाम : होटल टी एंड ट्रीट, छत्तर मांडू, रामगढ़

- किस स्थान पर है : एन एच 33 छत्तर मांडू , में
- नाश्ते में क्या : आलू पराठा, पनीर पराठा,रोटी , तड़का, पकोड़ा सहित कई अन्य चीजे उपलब्ध.
- दिन व रात के भोजन क्या : चावल, रोटी, नान, चिकन, मटन, मछली , पनीर चटपटा, तड़का , मिक्स वेज, अन्य कई प्रकार की व्यंजन.
- खास क्या है : पनीर चटपटा , चिकेन
- वेज या नॉनवेज : दोनों
- चाइनीस आइटम : हां
- पार्सल देते हैं : हां
- होम डिलीवरी : हां
- होटल टी एंड ट्रीट के संचालक **रितेश जयसवाल** कहते हैं कि हमारे होटल का पनीर चटपटा और चिकेन ग्राहकों को खूब पसंद आता है.

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम बड़कागांव में आज

लोग शिविर में भाग लें : बीडीओ

संवाददाता। बड़कागांव

प्रखंड अंतर्गत आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम 24 नवंबर से शुरू हो रहा है. बताते चले क की हेमंत सरकार के चार वर्ष पूरा होने पर झारखंड भर में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम होना तय हुआ हैं . जिस पर हजारीबाग जिला के बड़कागांव प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल ने पत्र जारी किया है.

बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत सभी 23 पंचायत में होने वाले आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर बड़कागांव बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल ने स्थान एवं समय सारिणी एवं विभिन्न योजनाओं से संबंधित नोडल पदाधिकारियों की सूची जारी किया है. पत्र जारी कर उन्होंने बताया कि बड़कागांव के शुभारंभ पंचायत बड़कागांव पश्चिम से की जाएगी. जिसमें नोडल पदाधिकारी के रूप में जिला कार्यपालक दंडाधिकारी हजारीबाग कल्याण पदाधिकारी हजारीबाग के दीपक कुमार दुबे शामिल रहेंगे. पंचायत में आगामी 24 नवंबर को बड़कागांव पश्चिम पंचायत भवन में, इसी तरह से 25 नवंबर सीकरी पंचायत, 28 नवंबर सिरमा पंचायत, 29 नवंबर बड़कागांव मध्य पंचायत, 30 नवंबर को बड़कागांव पूर्वी पंचायत, तथा 01 दिसंबर कांडतरी पंचायत, 02दिसंबर सांढ पंचायत, 04 दिसंबर चंदौल पंचायत, 05 दिसंबर सिंदवारी पंचायत, 06 दिसंबर महुगाई कला पंचायत, 07दिसंबर दाड़ी काला पंचायत, 08 दिसंबर गोंदलपुरा पंचायत, 09 दिसंबर बादम पंचायत, 11 दिसंबर हरली, पंचायत, 12 दिसंबर चेपा कला पंचायत 13 नयाटांड़ पंचायत, 14 दिसंबर चोपदार बलिया पंचायत सहित23 पंचायत में आयोजित किया जाएगा। सभी जगह कार्यक्रम पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक चलेगा। बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल ने बताया कि उक्त पंचायतों में कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से संबंधित विभाग के लिए नोडल पदाधिकारी को भी बनाया गया है। वहीं सभी संबंधित विभाग के नोडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है .

झामुमो नेता ने किया कोनार कैफे का उद्घाटन

विष्णुगढ़ । विष्णुगढ़- गोमिया रोड के जमनीजारा मोड़ में नए प्रतिष्ठान कोनार कैफे एन्ड रेस्टुरेंट का गुरुवार को उद्घाटन हुआ.उद्घाटन मांडू विधानसभा क्षेत्र के युवा झामुमो नेता व पूर्व विधायक और सांसद स्व टेकलाल महतो के पौत्र गौरव पटेल ने किया. इस अवसर पर श्री पटेल ने प्रतिष्ठान के उज्वल भविष्य की कामना की. कहा कि यहां एक अच्छे रेस्टुरेंट की आवश्यकता थी. डीवीसी का कोनार डैम यहीं पर स्थित है. शैलानी यहां अकसर घूमने फिरने आते रहते हैं.नए साल का जश्न मनाने बाहर से बड़ी संख्या में यहां पहुंचते हैं. मौके पर विष्णुगढ़ झामुमो संयोजक मंडली के अध्यक्ष कपिलदेव चौधरी, 20 सूत्री उपाध्यक्ष छोटेलाल बेसरा,नागी मुखिया कुंवर हांसदा, डीएम राज , शेख वसीम समेत कई लोग मौजूद रहे.

दिव्यांगों का बनाया गया प्रमाण पत्र

संवाददाता बरही

प्रखंड मुख्यालय स्थित नगर भवन में नए भवन में बरही अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी की देखरेख में गुरुवार को दिव्यांग जनों का प्रमाण पत्र बनवाने के लिए शिविर लगाया गया. जिसमें चिकित्सकों में डॉ संजीव कुमार सिंह (ऑर्थोपेडिक सर्जन), डॉ डॉ पवन कुमार (नेत्र सर्जन), डॉ साजिया फरनाज (ईएनटी) की टीम ने 69 दिव्यांग लोगों की जांच की. जांच के बाद सभी दिव्यांगों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत करने के लिए अनुशंसा की गई. अनुमंडलीय अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी ने बताया कि बरही प्रखंड में दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया. दिव्यांग शिविर में 69 दिव्यांगों का पंजीकरण किया गया. पंजीकरण के बाद चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मी की टीम के द्वारा दिव्यांगता की जांच की गई. जिसमें शारीरिक दिव्यांग में 35,मुख वधिर 03,नेत्र दिव्यांग में 06,सीपी में 04 लोगों का नया विकलंगता सर्टिफिकेट दिया जाएगा. वहीं 16 दिव्यांगों को उपकरण दिया जाएगा. मौके पर सांसद प्रतिनिधि गणेश यादव, मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप, विजय यादव छोटन ठाकुर,मुकेश राम उपस्थित थे. वहीं, बाल विकास विभाग से सीडीपीओ नीलू कुमारी, प्रवेक्षिका कुमारी निभा, रंजीता कुमारी, सुनीता कुमारी एवं मोहन मिर्धा, राजीव रंजन, मनोज गुप्ता उपस्थित रहे.

दिव्यांग जांच शिविर में मानसिक चिकित्सक रहे नदारत : शिविर में दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने में लोगों के बीच अफरा तफरी का माहौल रहा . शिविर में मानसिक चिकित्सक के नहीं रहने पर लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा . जिसमें 11से अधिक दिव्यांगो का मानसिक रोगों का जांच नहीं हो पाया .

आयोजन | 20 नवंबर को सांसद ने रांची स्थित राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की थी

आदिवासियों के उत्थान के लिए सांसद का जताया आभार

संवाददाता। हजारीबाग

हज़ारीबाग स्थित भाजपा कार्यालय अटल भवन के सभागार में भाजपा हज़ारीबाग जिला अध्यक्ष अशोक यादव सहित भाजपा आदिवासी मोर्चा के नेताओं ने संयुक्त प्रेसवार्ता की जिसमें सांसद जयंत सिन्हा का आभार व्यक्त किया गया.20 नवंबर को सांसद जयंत सिन्हा ने रांची स्थित राजभवन में झारखंड के राज्यपाल सी.पी.राधाकृष्णन से मुलाकात की थी. उन्होंने राज्यपाल को हजारीबाग वासियों की ओर से सेंटर फॉर ट्राइबल स्टडीज के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया है.

प्रेसवार्ता में कहा गया हज़ारीबाग लोकसभा में आदिवासियों को मोदी सरकार अनेक लाभ पहुंचा रही है. सांसद जयंत सिन्हा के प्रयास इसमें अहम भूमिका निभा रहे हैं. उन्हीं के प्रयासों से विनोबा भावे विश्वविद्यालय में 8 करोड़ से सेंटर फॉर ट्राइबल स्टडीज का निर्माण हो रहा है. इस भवन का डिजाइन झारखंड के पहाड़ों के स्वरूप से लिया गया है. यहां विशाल संग्रहालय समेत प्रशासनिक भवन इत्यादि भी होंगे. यहां क्षेत्रीय व लोक कलाओं पर रिसर्च कर उनका संरक्षण व प्रचार-प्रसार किया जाएगा.

आदिवासी संस्कृति के संरक्षण व विस्तार की दृष्टि से यह हज़ारीबाग लोकसभा समेत झारखंड के लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण परियोजना है.अगले 1-2 माह में यह निर्माण पूरा हो जायेगा. अनुसूचित जन जाति और अनुसूचित जाति के जिला अध्यक्ष समेत ज़िला भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने अधिवासियों के लिए किए कार्यों के लिए जयंत सिन्हा को धन्यवाद दिया.

इस प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक यादव,भाजपा अनूसूचित जन जाति जिला अध्यक्ष महेश तिग्गा,भाजपा अनुसूचित जाति जिला महामंत्री रमेश कुमार हेंब्रम,भाजपा अनुसूचित जाति जिला अध्यक्ष अध्यक्ष महेंद्र राम बिहारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी जय नारायण प्रसाद सांसद जयंत सिन्हा के मीडिया प्रभारी अनिल सिन्हा, संसद के निजी सचिव हिमांशु कुमार, संसद के विशेष सचिव आशीष सिंह सहित दर्जनों वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित हुए.

खास बातें
- सेंटर फॉर ट्राइबल स्टडीज के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया
- आठ करोड़ की लागत से बन रहा सेंटर फॉर ट्राइबल स्टडीज

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आज से

गुरुजी जी क्रेडिट कार्ड से छात्रों को मिलेगा 15 लाख का लोन

संवाददाता।चौपारण

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तीसरे चरण की शुरुआत आगामी 24 नवंबर से होने जा रही है . शिविर के माध्यम से कई सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं.

इसे लेकर प्रखण्ड के विभिन्न पंचायतो में शिविर का आयोजन किया जा रहा है. जिसमें छात्र गुरु जी क्रेडिट कार्ड योजना का भी लाभ ले सकते हैं. इस संबंध में बीडीओबप्रेमचंद सिन्हा ने बताया कि वैसे छात्र जो राज्य के भीतर एवं राज्य के बाहर भारत के वैसे उत्कृष्ट संस्थानों में पढ़ रहे हों जो विगत एन आई आरएफ की सूची में ओवरऑल 200 क्रम संख्या के अंदर अथवा संस्थान के संबंध श्रेणी जैसे विश्वविद्यालय महाविद्यालय, अभियंत्रण, प्रबंधन, मेडिकल डेंटल आदि में एन आई आर एफ की सूची में क्रम संख्या 100 के अंदर हो अथवा नैक ए श्रेणी या उससे ऊपर का दर्जा प्राप्त हो, वैसे अभ्यर्थी भी आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ ले सकते हैं.

वैसे अभ्यर्थी विशेष जानकारी के लिए बीडीओ या कल्याण विभाग से संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं. वह अधिकतम 15 लाख तक ऋण प्राप्त कर सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

मैजिक ने बाइक में मारी टक्कर, 3 घायल

महुदा । धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग पर तेलमच्चो चेक पोस्ट के समीप गुरुवार को टाटा मैजिक की टक्कर से बाइक पर सवार 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. इनमें एक युवक व 2 लड़कियां शामिल हैं. ग्राम रक्षा दल के सदस्यों ने लहूलुहान अवस्था में तीनों घायलों को सड़क से उठाकर बोकारो स्थित अस्पताल में भर्ती कराया. सरयू नापित ने बताया कि फुसरो निवासी युवक उपेंद्र मोदी अपने दो मौसेरी बहनों रिंकू और संजोती के साथ बाइक से छठ का प्रसाद पहुंचाने पुपुनकी जा रहा था.

छापेमारी में भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद

रांची। उत्पाद विभाग की टीम ने राजधानी में छापेमारी की है. छापेमारी में टाटा 407 वाहन से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई है. सहायक आयुक्त उत्पाद रांची को गुप्त सूचना मिली थी. जिसके आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने कांके थाना क्षेत्र के रिंग रोड में लॉ कॉलेज मोड़ के पास से चेकिंग के दौरान एक टाटा 407 पिकअप वाहन पकड़ा. वाहन की तलाशी लेने पर अवैध विदेशी शराब ओल्ड मोंक रम 750 एमएल 2880 पीस (240 पेटी) कुल 2160 लीटर जब्त की गयी.

आफताब अपहरण कांड में एक गिरफ्तार

रांची । रांची के आफताब अपहरण कांड मामले में लोअर बाजार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अब तक सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. इस मामले में फरार चल सचिन कुमार को भी रांची पुलिस हजारीबाग से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. वहीं मृतक आफताब के मिले अवशेष से मिलान करने के लिए परिजनों का डीएनए सैंपल भी लिया गया है. बताया जाता है कि जेल भेजने से पहले गिरफ्तार आरोपी से पुलिस ने पूछताछ की.

ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक की मौत

घाटशिला । घाटशिला जयराम पेट्रोल पंप के समीप गुरुवार की शाम ट्रैक्टर की चपेट में आने से 59 वर्षीय सुधीर पातर नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. स्थानीय लोग एवं घाटशिला पुलिस द्वारा घायल सुधीर पातर को उठाकर अनुमंडल अस्पताल घाटशिला पहुंचा. अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सक डॉ आरएन टुडू ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया. पुलिस ट्रैक्टर को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है.

अज्ञात वाहन के धक्के से बुलेट सवार की मौत

जमशेदपुर । जमशेदपुर के एमजीएम थाना अंतर्गत छोटाबांकी के पास एनएच 33 पर अज्ञात वाहन के धक्के से बुलेट चालक 20 वर्षीय सुबोध गोप गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना के बाद घायल सुबोध को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल ले जाया गया जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए टीएमएच रेफर कर दिया गया. टीएमएच में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. इधर, मामले की सूचना पाकर भाजपा नेता विमल बैठा भी अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली.

गिट्टी लदा हाइवा पलटा कोई हताहत नहीं

तिसरी (गिरिडीह) । तिसरी थाना क्षेत्र अंतर्गत घंघरीकुरा के पास गिट्टी लदा एक 18 पहिया हाइवा असंतुलित होकर पलट गया. हालांकि इस दुर्घटना में किसी के भी हताहत होने की कोई खबर नहीं है. चालक व उपचालक को मामूली रूप से चोटें आई है. बताया जाता है कि बुधवार की रात उक्त हाइवा निमियाघाट से गिट्टी लोड कर पटना में मेट्रो निर्माण कार्य में आपूर्ति के लिए निकला था. इसी बीच ब्रेक नहीं लगने के कारण असंतुलित होकर पलट गया.

बाइक से गिरकर दो गंभीर, राउरकेला रेफर

मनोहरपुर । आनंदपुर झारबेड़ा मार्ग तीखा मोड़ पर बाइक के अनियंत्रित हो जाने से बाइक एक पेड़ से टकरा गई. जिससे दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल युवक संतोष नायक ओडिशा बिश्रा थाना अंतर्गत गांव कोकेरेमा का रहने वाला है. वहीं बुधराम टोप्पो आनंदपुर थाना अंतर्गत गांव बुनूमदा का रहने वाला है. दोनों घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां से चिकित्सकों ने राउरकेला रेफर कर दिया है.

लातेहार में नकली शराब फैक्ट्री का खुलासा, बड़ी मात्रा में शराब बरामद

रायल स्टैग की 240 बोतल में भरी नकली शराब जब्त

- रिहायशी इलाके में बनायी जा रही थी नकली शराब

आशीष टैगोर । लातेहार

रिहायशी इलाके में नकली अंग्रेजी शराब बनाने की फैक्ट्री का पुलिस ने खुलासा किया है. फैक्ट्री से बड़ी मात्रा में नकली विदेशी शराब जब्त किया गया है. शहर में नकली शराब फैक्ट्री मिलने से लोग भी अचंभे में है. प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने बताया कि 22 नवंबर की रात तकरीबन एक बजे उन्हें सूचना मिली कि शहर के धर्मपुर मुहल्ले के लाल साहब गली में मनीष कुमार गुप्ता, पिता करमचंद साव अवैध रूप से नकली विदेशी शराब बनाकर बेचता है. सूचना की सत्यापन के बाद एसडीपीओ संतोष कुमार मिश्र के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गई. टीम ने रात में ही मनीष के घर पर छापेमारी की. छापेमारी में बड़ी मात्रा में नकली शराब के अलावा शराब बनाने का सामान और स्पिरिट बरामद किया गया.

बरामद सामग्रियां : मौके से नकली रॉयल स्टैग नामक विदेशी शराब कंपनी के 375 एमएल का 110 बोतल, 180 एमएल का 130 बोतल, 40 लीटर विदेशी शराब रंग का स्पिरिट, 35 लीटर स्पिरिट, 600 पीस रॉयल स्टैग बोतल का ढक्कन, रॉयल स्टैग का रैपर, उत्पाद विभाग का स्टीकर, 1500 पीस खाली बोतल, पांच लीटर विदेशी शराब बनाने का रंग, एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल बरामद किया गया है. इस संबंध में लातेहार थाना में झारखंड उत्पाद संशोधन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है. छापेमारी टीम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार मिश्र, पुअनि मनोज कुमार शर्मा, गौरव सिंह, राज रौशन सिन्हा, सअनि रविंद्र महली, नागेश्वर महतो, मनोज कुमार गोराई के अलावा सदर थाना के सशस्त्र बल एवं चौकीदार ओम प्रकाश पासवान शामिल थे.

पुलिस अनुसंधान कर रही : एसपी : एसपी अंजनी अंजन ने कहा कि नकली शराब की कहां-कहां खपत की जा रही थी, इसका पता लगाया जा रहा है. ऐसे लोगों पर भी कार्रवाई की जायेगी. शुभम संदेश के द्वारा पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है कि विदेशी शराब के काउंटर में भी इसकी खपत की जाती होगी. पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है.

आओ जानें

किस राज्य में कितने अंडर ट्रायल कैदी

लद्दाख	: 16	गुजरात	: 11599
जम्मू कश्मीर	: 4531	मध्यप्रदेश	: 29094
हिमाचल प्रदेश	: 2024	झारखंड	: 16249
पंजाब	: 19510	पश्चिम बंगाल	: 22577
चंडीगढ़	: 718	मेघालय	: 866
हरियाणा	: 18237	नागालैंड	: 326
उत्तराखंड	: 4674	मणिपुर	: 513
दिल्ली	: 16665	मिजोरम	: 640
उत्तरप्रदेश	: 90606	छत्तीसगढ़	: 12288
बिहार	: 59577	ओडिशा	: 18164
सिक्किम	: 302	त्रिपुरा	: 598
असम	: 7620	महाराष्ट्र	: 31752
अरुणाचल प्रदेश	: 121	तेलंगाना	: 4796

बैग में करीब 7 से 8 लाख के सोने-चांदी के आभूषण की लूट हुई थी

स्वर्ण व्यवसायी लूटकांड में 24 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली

संवाददाता । आदित्यपुर

सीसीटीवी फुटेज की तस्वीर

सरायकेला मुख्य बाजार के स्वर्ण व्यवसायी अरुण कुमार राणा से मंगलवार की रात गहनों से भरे बैग लूटकांड के 24 घंटे बीत चुके हैं, लेकिन सरायकेला पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं. बता दें कि राणा के बैग में करीब 7 से 8 लाख के सोने-चांदी के आभूषण थे. उन्होंने बताया कि हर दिन वे दुकान बंद कर गहने अपने साथ लेकर घर चले आते थे. उनकी दुकान से घर की दूरी महज सौ-दो सौ मीटर है. घटना के वक्त दो बाइक पर सवार चार अपराधी मौके पर मौजूद थे. जैसे ही घर के पास पहुंचे एक बाइक पर सवार दो अपराधी वहां पहुंचे और उन्हें धक्के मारकर गिराकर गहनों से भरा बैग लेकर भाग निकले. जब तक शोर मचाया अपराधी बहुत दूर भाग चुके थे. सूचना पर पहुंची पुलिस पूरी रात अपराधियों का सुराग लगाने में जुटी रही.

घटना की एक सीसीटीवी फुटेज हमारे हाथ लगे हैं. उसमें अपराधियों की चहल कदमी देखी जा सकती है. हालांकि कुछ सीसीटीवी के डीवीआर पुलिस अपने साथ ले गई है. फिलहाल पुलिस के हाथ खाली हैं. सवाल यह उठता है कि कब तक स्वर्ण व्यवसायी खुद को असुरक्षित महसूस करते रहेंगे. वैसे एसपी ने जिले की कमान संभालने के बाद सबसे पहले सरायकेला के थानेदार को हटाकर अर्जुन उरांव को थानेदारी सौंपी थी. उनके कंधे पर सरायकेला के एसपीओ को गिरफ्तार करने की जवाबदेही सौंपी थी. एसपीओ आज तक गिरफ्तार नहीं हुआ है. इस बीच स्वर्ण व्यवसायी से बीच बाजार में लूट ने अर्जुन उरांव के साथ एसपी के निर्णय पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं. अब इसको लेकर चैंबर ने भी सवाल उठाए हैं.

बुधवार को चैंबर के प्रतिनिधियों ने एसपी से मुलाकात कर व्यवसायियों को सुरक्षा प्रदान करने की मांग उठाई है. एसपी के कमान संभालने के महज कुछ महीनों के भीतर दो-दो स्वर्ण व्यवसायियों से लूट की घटना हो चुकी है. एसपी का कार्यभार संभालते ही 6 अगस्त को आदित्यपुर के गम्हरिया लाल बिल्डिंग चौक स्थित ईश्वरलाल ज्वेलरी में दिनदहाड़े हथियारबंद नकाबपोश अपराधियों ने धावा बोलकर नगदी और जेवरात की लूट की घटना को अंजाम दिया था. इसका उद्भेदन 21 अगस्त को पुलिस ने किया था. इसमें बिहार के अपराधियों की गिरफ्तारी हुई थी. हालांकि जेवरात की बरामदगी नहीं हुई थी. एसपी ने दावा किया था कि अपराधियों को रिमांड पर लेकर जेवरात के संबंध में पूछताछ की जाएगी. करीब तीन महीने बीत चुके हैं अब तक पुलिस लूटे गए गहनों का पता नहीं लगा पाई है.

दांत तोड़ा था, इसलिए सुजीत ने कर दी हत्या : एसपी

संवाददाता । आदित्यपुर

एक साल पहले एक मुक्का मारकर हत्यारोपी सुजीत मुखी का मृतक सूरज महानंद उर्फ गोलू ने दांत तोड़ा था जिसका बदला हत्यारोपी सुजीत मुखी उर्फ त्रिशूल ने अपने दोस्त महानंद की हत्या कर लिया है. उक्त जानकारी गुरुवार को प्रेसवार्ता में जिले के एसपी डॉ विमल कुमार ने दी.

उन्होंने बताया कि एक वर्ष पूर्व महानंद और हत्यारोपी सुजीत मुखी रेलवे कॉलोनी में साथ रहते थे. लेकिन झगड़े के बाद महानंद गम्हरिया के शिवनारायणपुर रहने चला गया था. एसपी ने बताया कि एक साल बाद महानंद रेलवे कॉलोनी आया था जिसे बहला-फुसलाकर सुजीत बंद पड़े क्वार्टर नंबर 104 में ले गया, जहां धारदार हथियार से उसका गला रेतकर हत्या कर दी और शव को झाड़ियों में फेंक दिया था. एसपी ने बताया कि हत्यारोपी ने अपना अपराध कबूल लिया है और उसके निशानदेही पर हत्या में प्रत्युक्त धारदार चाकू भी पुलिस ने बरामद कर लिया है. गुरुवार को हत्यारोपी को पुलिस अभिरक्षा में जेल भेजा जा रहा है.

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मिलती है अनुदान राशि

छह नक्सलियों को मिलेगी पहली किस्त

संवाददाता । रांची

आत्मसमर्पण करने वाले छह नक्सलियों को अनुदान राशि की पहली किस्त मिलेगी. इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने आदेश जारी किया है. जिन छह नक्सलियों को एक-एक लाख रुपये की अनुदान राशि मिलेगी, वो सभी लातेहार जिले के रहने वाले हैं.

इन नक्सलियों को मिलेगा अनुदान : रघुनाथ सिंह, दशरथ उरांव, सत्येंद्र उरांव, संजय प्रजापति, अनिल उरांव, मोहन परहिया.

सरकार ने नक्सलियों के आत्मसमर्पण व पुनर्वास के लिए बनायी है नयी नीति : झारखंड सरकार ने नक्सलियों के आत्मसमर्पण और पुनर्वास के लिए नयी नीति बनायी है. इस नयी नीति के तहत नक्सलियों को श्रेणी 'ए' व श्रेणी 'बी' में विभाजित किया गया है. श्रेणी 'ए' में जोनल कमांडर और उसके ऊपर के नक्सलियों को रखते हुए पुनर्वास अनुदान के रूप में छह लाख रुपये देने की नीति बनी है. जिसमें से दो लाख रुपये का भुगतान आत्मसमर्पण के तुरंत बाद किया जाएगा. वहीं बाकि बचे चार लाख दो किस्त में दिये जाएंगे. एक वर्ष बाद एक किस्त में दो लाख और दूसरी किस्त दो वर्ष बाद सरेंडर करने वाले नक्सली की गतिविधियों की छानबीन के बाद दी जाएगी. इसके अलावा श्रेणी 'बी' में जोनल कमांडर से नीचे स्तर के नक्सलियों को रखते हुए पुनर्वास अनुदान तीन लाख रखा गया है. इसमें से एक लाख रुपये का भुगतान तत्काल सरेंडर के बाद किया जाएगा. बाकि दो लाख रुपये दो बराबर किस्तों में दिये जाएंगे. एक किस्त के एक लाख रुपये एक वर्ष बाद और दूसरी किस्त (एक लाख) दो वर्ष बाद सरेंडर नक्सली के गतिविधियों की छानबीन के बाद दी जाएगी.

धुर्वा के मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में चोरी, प्राथमिकी दर्ज

रांची। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र स्थित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय धुर्वा में चोरी हुई है. दीपावली के दौरान जब स्कूल की छुट्टी थी, तब चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया. चोरों ने स्कूल में लगे ताले को तोड़कर मध्याह्न भोजन की सामग्री सहित भोजन बनाने का सारा सामान उड़ा ले गये.

इस संबंध में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक एस तिग्गा ने जगन्नाथपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है. दर्ज प्राथमिकी में बताया है कि स्कूल में 13 से 15 नवंबर तक दीपावली का अवकाश था. 16 नवंबर को जब स्कूल खुला तो जानकारी मिली कि स्कूल से मध्याह्न भोजन बनाने के लिए रखा गया दो सिलिंडेर, एक गैस चुल्हा, 50 किलो चावल, तीन पीस डेग, एक बड़ा गमला, दो छोटा डेंग व अन्य खाद्यान्न सामग्री गायब हैं. इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है. लेकिन फिलहाल चोरों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है.

अपहृत होने से बची युवती अपहर्ता फरार, चालक धराया

संवाददाता । घाटशिला

घाटशिला थाना क्षेत्र के लालडीह रेलवे फाटक के समीप बुधवार को युवती की सूझबूझ से अगवा होने से बच गई. घटना के संबंध में युवती ने पुलिस को बताया कि मंगलवार की शाम उसका पूर्व प्रेमी राजेश मुर्मू गुड़ाबांधा निवासी मारुति वैन से उसे अगवा करने के लिए कुछ अन्य लड़कों के साथ आया है. अगवा करने का प्रयास किया तो वह किसी तरह खुद को बचाकर भाड़े के मकान में पहुंच गई.

बुधवार को जापानी लॉज के समीप खड़ी मारुति वैन को देखकर अपने मकान मालिक को घटना की संबंध में जानकारी दी. मकान मालिक के साथ जब मारुति वैन के पास पहुंची तो पूर्व प्रेमी राजेश मुर्मू, गणेश मांझी तथा एक अन्य लड़का वहां से फरार हो गया, जबकि मारुति वैन के चालक शुभम सोरेन को लोगों ने पड़ककर पूछताछ की. युवती ने बताया कि वह कोवाली थाना क्षेत्र के तिरिंग की रहने वाली है. दहीगोड़ा में एक कमरा भाड़े में लेकर बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने का काम करती है. वैन के चालक शुभम सोरेन ने बताया कि राजेश मुर्मू ने कहा था कि दहीगोड़ा से फुआ को लेकर जाना है. उसे नहीं पता था कि लड़की को अगवा करने के लिए गाड़ी ली है. इस संबंध में थाना प्रभारी विमल किंडो से पूछे जाने पर बताया कि दोनों से पूछताछ के बाद राजेश मुर्मू तथा उनके दोस्त को थाना बुलाया गया है. कहीं ना कहीं मामला एकतरफा प्रेम-प्रसंग का हो सकता है. दोनों पक्षों से पूछताछ के बाद ही कुछ कहा जा सकता है.

सड़क पार कर रहे तीन लोगों को हाइवा ने मारी टक्कर, घायल

धनबाद । गोविंदपुर थाना के पास सड़क पार कर रहे तीन लोगों को हाइवा ने टक्कर मार दी. जिससे एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गये. घायलों में पिता मोहन गोप (55 वर्ष), मां उषा देवी (48 वर्ष) और पुत्र राजू गोप (35 वर्ष) शामिल हैं. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने हाइवा चालक को पकड़ा और उसे गोविंदपुर थाना को सौंप दिया. आनन-फानन में सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया. राजू गोप ने बताया कि सड़क पार करने के दौरान हाइवा ने पीछे से टक्कर मार दी. बताया कि हाइवा ने उनके पिता के दोनों पैर को कुचल दिया. वहीं, मां के हाथ और पैर में चोट लगी है. हालांकि उनको आंशिक चोट आयी है. उन्होंने बताया कि वे निरसा के रहने वाले हैं और पिता के पैर का इलाज कराने एसएनएमएमसीएच जा रहे थे. इसी दौरान यह हादसा हो गया. राजू ने बताया कि पुलिस एसएनएमएमसीएच पहुंचकर पूरी घटना की जानकारी ली है.

बर्मामाइंस में फायरिंग मामले में एसएसपी से मिले बस्तीवासी

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के बर्मामाइंस थाना अंतर्गत ईस्टप्लांट बस्ती में फायरिंग के मामले गुरुवार को बस्ती के लोग एसएसपी से मिलने पहुंचे. इस दौरान लोगों ने फरार आरोपी ऋषिराज सिंह की गिरफ्तारी की मांग की है. बस्ती के लोगों ने बताया कि फायरिंग करने वाला सत्यनारायण गौड़ टाटा स्टील का ठेकेदार है. टाटा स्टील उसके लाइसेंस को रद्द करे, वहीं घायल प्रवेश कुमार को भी इलाज के लिए आर्थिक सहयोग किया जाए.

मामले में फरार आरोपी ऋषिराज को गिरफ्तार किया जाए. इन सब मांगों को लेकर एसएसपी से मुलाकात की गई है. एसएसपी ने आश्वासन देते हुए कहा कि एक ज्ञापन और सौंपा जाए जिसमें लाइसेंस को रद्द करने करने की अनुशंसा की जाएगी. इधर, परिजनों ने बताया कि घायल प्रवेश कुमार की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है. डॉक्टरों की एक टीम जल्द ही उसका ऑपरेशन करेगी.

रैश ड्राइविंग में विवाद के बाद चली थी गोली : बता दें कि मुहल्ले में सत्यनारायण गौड़ के बेटे मोहित द्वारा रैश ड्राइविंग किया जाता था जिसका विरोध मुहल्ले वालों ने किया था. इसी को लेकर सत्यनारायण गौड़ ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से अंधाधुंध फायरिंग कर दी थी जिसमें प्रवेश कुमार घायल हो गया था. उसे इलाज के लिए टीएमएच में भर्ती कराया गया था जहां से बेहतर इलाज के लिए परिजन उसे कोलकाता ले गए. मामले में पुलिस ने सत्यनारायण गौड़ उसके बेटे मोहित और भतीजे को गिरफ्तार कर जेल भेजा था.

संदिग्ध अवस्था में युवक का शव बरामद

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ थाना क्षेत्र के आरा ग्राम के सियानी टोला में पुलिस ने संदिग्ध अवस्था में एक शव बरामद किया है. मृतक की पहचान बरतू गंझू के रूप में हुई है. परिजनों ने बताया कि बरतू बुधवार रात से ही घर में नहीं था. परिजनों द्वारा खोजबीन की जा रही थी. सुबह बरतू के बेटे को घर से कुछ दूरी पर हाड़ी जामुन के पास उसके पिता का नग्न अवस्था में अपने शव मिला. शव में जख्म के निशान थे. इसके बाद बेटे ने घर पहुंच परिजन एवं आसपास के लोगों को जानकारी दी. घटना की सूचना पाकर बालूमाथ थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार महतो एवं पिकेट प्रभारी कुबेर साव दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच की. बता दें कि बरतू गांव में चिकन का दुकान चलाता था. बरतू अपने पीछे पत्नी के अलावा दो बेटे एवं दो बेटी छोड़ गया है. इस घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. एसडीपीओ दिल्लू लोहरा भी घटना स्थल पर पहुंचे और मामले की जांच-पड़ताल में जुट गए हैं.

कोलेबिरा-मनोहरपुर सड़क पर हुई वारदात

निर्माण कार्य में लगी पोकलेन में अपराधियों ने लगाई आग

संवाददाता । कोलेबिरा

जिले के कोलेबिरा थाना क्षेत्र स्थित कोलेबिरा- मनोहरपुर सड़क निर्माण कार्य में लगी पोकलेन को अज्ञात अपराधियों ने बुधवार देर रात दो बजे आग के हवाले कर दिया. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. जानकारी के अनुसार, कोलेबिरा से मनोहरपुर तक सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है. सड़क निर्माण कार्य करने के बाद पोकलेन कोलेबिरा थाना से महज 4 किलोमीटर की दूरी पर बोंगराम पेट्रोल पंप के पास खड़ी थी. तभी अपराधियों ने आगजनी की घटना को अंजाम दिया.

बता दें कि सिमडेगा जिले में लगातार इस तरह की घटना हो रही है. पेट्रोल पंप के समीप पोकलेन को आग के हवाले करके अपराधी भय का माहौल पैदा करना चाहते हैं. घटना की जानकारी मिलते ही कोलेबिरा थाना प्रभारी अंशु कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी लिए. वहीं, वरीय पुलिस पदाधिकारी को मिलने के बाद सभी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए. बता दें कि कोलेबिरा में सीएम हेमंत सोरेन का भी आगमन होना सुनिश्चित हुआ है. ऐसे में आगजनी की घटना के बाद प्रशासन की चिंता बढ़ गयी है.

एसएसबी की टीम ने जंगल में चलाया एलआरपी अभियान

संवाददाता । बेंगाबाद (गिरिडीह)

बेंगाबाद थाना अंतर्गत झारखंड-बिहार के सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सली गतिविधि की खबर मिलते ही पुलिस टीम अलर्ट हो गई. गुरुवार को एसएसबी की टीम द्वारा सीमावर्ती इलाके के जंगल में एलआरपी अभियान चलाया गया. टीम में शामिल दर्जनाधिक लोग सीमावर्ती क्षेत्र के जंगल पहुंचे और बारीकी से जांच पड़ताल की गयी. एसएसबी टीम में शामिल पदाधिकारी व कर्मी जंगली इलाके में घंटों सर्च अभियान में जुटे रहे और मामले की सत्यता की जांच की गई. हालांकि इस दौरान टीम को कोई सुराग हाथ लगा या नहीं इस बात की जानकारी नहीं दी गयी है. बता दें कि मंगलवार की रात बेंगाबाद थाना अंतर्गत सीमावर्ती इलाके के बीहड़ जंगल में नक्सली संगठन के बैठक किये जाने की गुप्त सूचना मिली थी. इस खबर के बाद टीम हरकत में आई और गुरुवार को क्षेत्र में एलआरपी अभियान चलाया गया.

धमकी गैंगस्टर प्रिंस खान ने हीरापुर के एक जेवर दुकानदार को दी धमकी, दहशत में परिवार

30 लाख रुपये दो वर्ना खोपड़ी खोल कर रख देंगे

- संदेहियों की सीसीटीवी फुटेज निकाल कर जांच में जुटी है पुलिस
- दुबई में बैठकर रंगदारी कर रहा गैंगस्टर, सिर धुनने को मजबूर है पुलिस महकमा

संवाददाता । धनबाद

फाइल फोटो

गैंगस्टर प्रिंस खान की कमर तोड़ने का दावा करने वाली धनबाद पुलिस एक बार फिर अपना सिर धुनने को मजबूर हो गई. दुबई में बैठे गैंगस्टर ने इस बार हीरापुर के एक जेवर दुकानदार को धमकाया है. फोन कर कहा है कि जीना चाहते हो तो 30 लाख रुपये दे दो, नहीं तो खोपड़ी खोल देंगे. इस धमकी के बाद से कारोबारियों में दहशत का माहौल है. इधर, पुलिस सीसीटीवी फुटेज, चेहरा मिलान, मोबाइल सर्विलांस जैसे शब्दों में उलझी हुई है. गैंगस्टर लंबे अरसे से धनबाद पुलिस और यहां के कारोबारियों के लिए सिरदर्द बना हुआ है. यहां के व्यापारियों को रंगदारी के लिए धमकाना, वसूली करना, नहीं देने पर फायरिंग तक करवा देना उसकी आदत में शुमार है. हर वारदात के बाद पुलिस की सक्रियता बढ़ती है. गैंग के लोगों को पकड़ कर जेल भी भेजे जाते हैं. चंद दिनों की अस्थायी शांति के बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है.

दोपहर में ली दुकान के बोर्ड की तस्वीर, रात में आ गया फोन : हीरापुर के दुकानदार ने पुलिस को खबर दी है कि बुधवार को दोपहर दो युवकों ने उसकी दुकान के बोर्ड की तस्वीर ली थी. तस्वीर लेने के बाद दोनों वहां से खिसक गए.

बोर्ड में दुकानदार का मोबाइल नंबर अंकित था. तभी रात में दुकानदार को अज्ञात नंबर से फोन आया. फोन करने वाले ने खुद को प्रिंस खान बताते हुए 30 लाख रुपये एकमुश्त मांगे और कहा कि हर महीने तीस हजार देने होंगे, नहीं तो जान से हाथ धोना पड़ेगा. फोन आने के बाद व्यापारी ने इसकी जानकारी पुलिस को दी.

हीरापुर की सभी दुकानों के सीसीटीवी फुटेज निकाले : जेवर दुकानदार ने अपनी दुकान में लगे सीसीटीवी से दोनों युवकों द्वारा बोर्ड की तस्वीर लेने वाला फुटेज निकाल कर पुलिस को सौंप दिया. पुलिस दोनों युवकों की शिनाख्त के लिए इलाके की लगभग हर दुकान जहां सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, उनके फुटेज लेकर माथापच्ची कर रही है. तस्वीर लेने के बाद दोनों युवक कहां गए, वे कौन थे, क्या उनके साथ और कोई था, उन्होंने किस वाहन का प्रयोग किया, इन सारे सवालों का जवाब तलाशने में पुलिस जुटी है.

नाबालिग लड़की की शादी करा रहे सात लोग गिरफ्तार

संवाददाता । गिरिडीह

नाबालिग लड़की की जबरदस्ती शादी करा रहे सात लोगों को गिरिडीह पुलिस ने गिरफ्तार किया है. एसपी दीपक शर्मा को गुप्त सूचना मिली थी कि झरियागादी शिव मंदिर में नाबालिग लड़की के साथ उत्तर प्रदेश के लड़के की जबरदस्ती शादी करायी जा रही है और उसे ट्रैफिकिंग कर दूसरे जगह ले जाना है. जिसके बाद पुलिस और जिला प्रशासन की टीम ने त्वरित कार्रवाई की. इस दौरान नाबालिग लडकी, आरोपी दुल्हा योगेश कुमार, दलाल गणेश राम, लड़की के पिता सुनील ठाकुर, माता मीना देवी, चाची किरण देवी, लड़का का भाई मुकेश कुमार, सोरेन कुमार और अगुवा गणेश राम को पकड़ा. पूछताछ में पता चला कि इन सभी नियत लड़की को बाहर ले जाकर गलत काम कराने की थी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष लग्न में चन्द्र है. गलत कार्य और लोगों से बचें. धन के साथ साथ प्रतिष्ठा में वृद्धि होगा. किसी खास चीज अच्छा लाभ का योग है. सहकर्मियों से मनमुटाव हो सकती है, इसलिए असावधानी न बरतें. दुर्गामाता का पूजन करें.

वृषभ समय बहुत ही अनुकुल है. अन्य साथियों से आगे ले जायेगी. किसी करीबी दोस्त से धोखा मिल सकता है. आंखें बंद करके किसी पर विश्वास न करें. गो माता का सेवा करें.

मिथुन समय सामान्य शुभ है. नयी आय के लिए दिन उत्तम है. सात्विक आय ज्यादा लाभकारी होगा. आर्थिक स्थिति पूरी तरह से सामान्य रहेगी, धन की आवक सामान्य तौर पर बनी रहेगी वहीं खर्च भी बढ़ सकते हैं. अपना धन किसी को उधार ना दें.

कर्क योगकारक समय है. कोई बड़ा लाभ होगा. परिवार में सुख शांति भरपूर रहेगी. किसी शुभ कार्य के होने का भी संकेत भी सितारे दे रहे हैं. किसी विवाद में न पडें. धन आगमन से मन खुश होगा. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

सिंह धर्म से भाग्य उदय होगा. कर्म के लिए दिन अच्छा है. मनोरंजक होगी. ससुराल से अच्छा लाभ का मौका दिख रहा है. जीवनसाथी से संबंध थोड़े बेहतर होंगे. कहीं पैसा फंसने का भी योग बन रहा है और कोई भी जोखिम भरा कार्य न करें.

कन्या थोड़ा मानसिक तनाव होगा. पर भाग्य का साथ मिलेगा. आप कार्य में अपनी पसंदीदा चीजों की तरफ ध्यान देंगे. किसी करीबी से धोखा मिल सकता है, अतः आंखें बंद करके किसी पर विश्वास न करें. यात्रा का योग है.

तुला जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. कोई नया कार्य कर सकते हैं. शौक की तरफ रुझान रहेगा, जबकि स्पोर्ट्स, योग आपको तरोताजा होने में मदद करेंगे. कुछ गुप्त शत्रु नुकसान पहुंचा सकते हैं. कोई बड़ा बदलाव होगा.

वृश्चिक मानसिक उलझन वाला दिन होगा. एकाग्र होने में मदद मिलेगी और आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे. अपने रुझान में कूटनीतिक रहने की कोशिश करें और विवाद न करें. शिवलिंग पर दूध का अर्पण करें.

धनु कार्य में विलंब होने से मन खिन्न होगा. संतान के कार्य पर नज़र रखें. धर्म से सही मार्ग मिलेगा. मेहनत एवं अनुभव द्वारा कुछ नवीन स्थिति को पाएंगे. विषम परिस्थितियों में साहस न खोएं. काली वस्तु का दान करें.

मकर आपके प्रभाव से अच्छे लाभ का योग है. पर किसी से विवाद नहीं करें. माता और उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. बिना बात के किसी से भी उलझना पड़ सकता है. दुर्गा माता का ध्यान करें. जूता और अन्न का दान करें.

कुंभ भाई के सहयोग से बिगड़ा कार्य बनेगा. शिक्षा में बदलाव होगा. नयी जिम्मेदारी का भार भी आपके कंधों पर डाला जायेगा. नियमित जीवनचर्या एवं संयमित खानपान में कोताही न बरतें. स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें.

मीन धन का आगमन होगा. पैतृक संपत्ति का लाभ होगा. अपने कामकाज को बढ़ाने में सफल होंगे. कार्य से सम्बंधित यात्राओं का लाभ मिलेगा. किसी वाद-विवाद के कारण किसी प्रकार का नुकसान होने से बचें. अन्न दान करें.

देवोत्थान पर महिलाओं ने किया दीपदान

देवघर। कार्तिक मास शुक्ल पक्ष देवोत्थान एकादशी के अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने शिवगंगा में आकर दीपदान किया. मान्यता है कि देवोत्थान एकादशी की संध्या पर भगवान नारायण जल से निकलते हैं. इसको लेकर महिलाओं द्वारा दीप जलाकर भगवान नारायण का स्वागत किया जाता है. इस अवसर पर हजार महिलाओं ने शिवगंगा तालाब में दीप प्रज्वलित कर प्रवाहित किया. इसके बाद आंवला वृक्ष व तुलसी वृक्ष के नीचे दीप प्रज्वलित कर भगवान का स्वागत किया जाता है.

बाबा मंदिर में शालिग्राम की हुई पूजा

देवघर। कार्तिक शुक्ल पक्ष देवोथान एकादशी पर गुरुवार को बाबा मंदिर प्रशासनिक भवन स्थित राधा कृष्ण मंदिर के बाहर भगवान शालिग्राम की विशेष पूजा अर्चना की गयी. सरदार पंडा गुलाब नंद ओझा द्वारा भगवान शालिग्राम की विधिवत पूजा की शुरुआत शाम लगभग 6:30 बजे से की गयी. वही आचार्य दुर्गा प्रसाद एवं मंदिर उपचारक भक्ति नाथ फलहारी द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना करायी गयी. इस दौरान सबसे पहले गन्ने का घर बनाकर भगवान शालीग्राम को विशेष भोग आंवला, बेर, कटेल, शकरकंद की खीर आदि अर्पित किया गया.

श्री श्याम प्रभु का जन्मोत्सव आज

जमशेदपुर। बागबेड़ा स्थित रेलवे गुदड़ी मार्केट में शुक्रवार को श्री श्याम प्रभु खाटूवाले का जन्मोत्सव अत्यन्त धूमधाम के साथ आयोजित किया जाएगा. इसके लिए गुदड़ी मार्केट में तैयारी की जा रही है. आयोजन स्थल को अत्यन्त शानदार ढंग से सजाया जा रहा है. इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु का विशेष श्रृंगार किया जाएगा और उन्हें खीर चूरमा एवम विभिन्न प्रकार के मिष्ठान का भोग अर्पित किया जायेगा. इस कार्यक्रम में काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे. श्री श्याम भक्त मंडली द्वारा आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में सोनारी की सुमन एंड टीम द्वारा भजन की प्रस्तुति दी जाएगी. इस संबंध में श्री श्याम भक्त मंडली के सदस्यों ने बताया कि भजन संध्या शाम 7 बजे शुरू होगी,

श्रद्धा : गावां में निकाली गयी भव्य शोभा यात्रा, प्रतिमा स्थापित कर हुई पूजा अर्चना

धूमधाम से मनायी गयी महाराज जरासंध की जयंती

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

गावां में अखिल भारतीय चन्द्रवंशी क्षत्रिय शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को महाराज जरासंध की जयंती धूमधाम से मनायी गई. इस मौके पर एक भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी. गावां बस स्टैंड के समीप महाराज जरासंध की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की गयी. शोभा यात्रा प्रतिमा स्थल से निकल कर नदी तट पर पहुंची और जल भरने के बाद पूरे गावां बाजार का भ्रमण करते हुए दुर्गा मंडप पहुंची व पुनः स्थापित प्रतिमा के पास पहुंचकर कलश की स्थापना की.

मौके पर मुखिया कन्हाई राम ने कहा कि वीर पुरुष महाबली महादानी चक्रवर्ती सर्वोत्तम स्वास्थ्य एवं एकता का प्रतीक

जरासंध उपरिचर के पौत्र व सम्राट बृहद्रथ के पुत्र थे. ऐतिहासिक पन्नों से पता चलता है जरासंध महाराज की जीवनी गौरवमयी, शानदार एवं सराहनीय रही है. बुढ़ापे में भीम से मल युद्ध किए और पछाड़ दिए.

इस मौके पर जयप्रकाश राम ने कहा कि प्रत्येक चंद्रवंशी शेर है बस जागने की देर है. साथ ही भविष्य में आने वाली पीढ़ी को भी आगे आकर काम करने की बात कही गई. प्रत्येक वर्ष कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी को जरासंध की जयंती मनाई जाती है.

कार्यक्रम की सफलता में इनका रहा योगदान

कार्यक्रम को सफल बनाने में गावां मुखिया कन्हाय राम, पंसस आशा देवी, पूजा देवी, संगीता देवी, अंकित कुमार, रंजीत राम, भगवान राम, रोशन कुमार, विपिन कुमार, सिकेन्द्र कुमार, जितेंद्र राम, संदीप राम, सूरज राम, धीरज कुमार, सतीश कुमार, शुभम कुमार, जितेंद्र राम, संगम कुमार, बिनोद राम, अजय राम, संजय राम, टिंकू राम, बिक्कू राम, जयप्रकाश राम आदि का योगदान रहा.

वैदिक रीति-रिवाज के अनुसार मां जगधात्री को दी गई विदाई

संवाददाता। बहरागोड़ा

मानुषमुड़िया में गुरुवार को मां जगधात्री की पूजा आर्चना व होम के बाद विधि विधान के साथ कलश का विसर्जन किया गया. इस अवसर पर पंडालों में भक्तों की काफी भीड़ उमड़ पड़ी. जहां पर ढोल-मांदर तथा घंटी बजाकर माता के कलश का विसर्जन किया गया. विसर्जन के पूर्व माता की महाआरती की गई. इसके बाद अंत में सभी भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया.

जगाधत्री पूजा को लेकर मानुषमुड़िया में माता की प्रतिमा स्थापित की गई थी. विसर्जन के पूर्व महिलाओं ने माता का वैदिक रीति रिवाज के साथ सिंदूर लगा कर पूजा अर्चना की तथा मां को विदाई दी. वहीं विसर्जन के दौरान ढोल-मांदर तथा घंटा बजाकर शोभा यात्रा निकाली गई. इस दौरान महिलाएं, पुरुष तथा बच्चे गाने की धुन पर थिरक रहे थे. अंत में कलश गांव के बड़ा तालाब में विसर्जित किया गया. कलश विसर्जन के साथ ही मां जगधात्री की पूजा समाप्त हो गई. इस मौके पर अस्वनी साधु, गौरांग गिरि, निलीश दास, पतित दास समेत कई लोग उपस्थित थे.

पाबंदी : एसजीपीसी अमृतसर का बड़ा और कड़ा फैसला

नहीं लगा सकते होर्डिंग पर गुरुओं के साथ अपनी तस्वीर

संवाददाता। जमशेदपुर

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी), अमृतसर ने एक बड़ा और कड़ा फैसला लेते हुए होर्डिंग पर गुरुओं की तस्वीर के साथ किसी व्यक्ति की तस्वीर लगाने पर पाबंदी लगा दी है. शहर के युवा प्रचारक हरविंदर सिंह जमशेदपुरी की शिकायत पर फैसला लेते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने एक पत्र जमशेदपुरी को भेजा है. जिसमें लिखा है कि किसी भी तरह से गुरुओं और गुरबाणी के साथ किसी व्यक्ति की तस्वीर नहीं लगायी जा सकती है. ऐसा किये जाने पर दोषी व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कार्यवाई की जाएगी. सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (सीजीपीसी) के प्रधान भगवान सिंह ने कहा है कि उन्हें विभिन्न सूत्रों के माध्यम से पता चला है कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा आदेश पारित किया गया है. सीजीपीसी को जैसे ही आदेश की प्रति प्राप्त होगी उसे सबके सहयोग से अक्षरः लागू करवाया जायेगा.

पत्र लिखकर की थी कार्रवाई की मांग : इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रचारक हरविंदर सिंह जमशेदपुरी ने न्याय संगत फैसला लेने के लिए एसजीपीसी का धन्यवाद दिया और फैसले का स्वागत किया. कहा कि वह उम्मीद करते हैं कि जमशेदपुर के गुरुद्वारा प्रबंधक इस फैसले को गंभीरता से लेते हुए ठोस कदम उठाएंगे. उन्होंने बताया कि उन्हें इस आदेश की प्रति

सीजीपीसी के प्रधान भगवान सिंह और हरविंदर सिंह जमशेदपुरी, जिनके पत्र पर हुआ फैसला.

खास बातें

- प्रचारक हरविंदर सिंह जमशेदपुरी के पत्र पर हुआ ऐतिहासिक फैसला
- शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का पत्र मिलते ही फैसला होगा लागू

प्राप्त हुई है, जिसमें उनके द्वारा उठाये गए गंभीर सवालों पर सटीक मत पास किया गया है. विदित हो कि प्रचारक हरविंदर सिंह जमशेदपुरी ने सीजीपीसी के माध्यम से शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी में पत्र लिखकर मांग की थी कि नगरकीर्तन के दौरान अनुचित रूप से किसी को भी सिरोपा देने और होर्डिंग में गुरुओं की तस्वीर लगाने पर पूर्णता रोक लगाई जाए. इसी मांगपत्र पर संज्ञान लेते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने होर्डिंग पर गुरुओं के तस्वीर के साथ किसी व्यक्ति की तस्वीर लगाने पर रोक लगा दी है.

होर्डिंग से बेअदबी करने का था आरोप : हरविंदर जमशेदपुरी का इस पर तर्क था कि होर्डिंग में तस्वीर नगरकीर्तन वाले दिन तो ठीक लगती है, परन्तु अगले दिन होर्डिंग उतारे जाने के बाद गुरुओं की तस्वीरों वाला होर्डिंग पर लोगों के पैर पड़ते हैं और भी कई अन्य तरह की बेअदबी गुरुओं की तस्वीर लगी होर्डिंग की होती है. जिस पर कार्रवाई करना अत्यंत आवश्यक था.

मोंगर और तुबेद गांवों में स्वास्थ्य जांच शिविर आज

लातेहार। जनजातीय गौरव दिवस व संविधान दिवस के अवसर पर डीवीसी के तुबेद कोयला खान परियोजना के द्वारा 24 नवंबर को परियोजना क्षेत्र के मोंगर व तुबेद ग्राम के स्कूल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा. इस आशय की जानकारी डीवीसी के उप प्रबंधक मानव संसाधन रवि प्रकाश तिवारी ने दी. उन्होने इस शिविर का लाभ उठाने की अपील की है.

श्याम बाबा की जन्म उत्सव पर लगा भंडारा

बेरमो। फुसरो के राजेंद्र स्मृति के भवन के श्री श्याम रसोई सेवा परिसर में खाटू श्याम जन्मोत्सव कार्यक्रम का धूमधाम से आयोजन किया. यहां खाटू श्याम बाबा के जन्मदिन पर केक काटा गया. इसके बाद भण्डारे का आयोजन किया गया. खाटूश्याम बाबा के जन्मदिन पर सभी भक्तगण झूमते नजर आए. कार्यक्रम में बेरमो बीडीओ मधु कुमारी, द्वारिका प्रसाद बंसल, राम गोपाल अग्रवाल, ढोरी जीएम की पत्नी अर्चना अग्रवाल, प्रेम राज गोयल, छितरमल अग्रवाल,आनंद गोयल, कांग्रेसी नेता छेदी नोनिया व परवेज अख्तर, भाजपा नेता दिनेश सिंह, सुमित सिंह ,व शंकर सिंहा सहित हिमांशी अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, अनीता गोयल, सुरेश बंसल, मीनू अग्रवाल, तरूण गुप्ता, दीपक अग्रवाल, रवि सिंह उर्फ पिंटू सिंह, प्रवीण अग्रवाल, दिलीप मित्तल,पंकज मित्तल, सुरेंद्र गोयल, कल्याण अग्रवाल, छितरमल अग्रवाल, सुशांत राईका, पवन अग्रवाल, श्याम लाल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, राजू अग्रवाल आदि मुख्य रूप से शामिल हुए.

खाटू श्याम की निकली निशान यात्रा

संवाददाता। साहिबगंज

गुरुवार को चौक बाजार डाकिया नाथ शिव मंदिर के प्रांगण से खाटू वाले श्याम का निशान यात्रा निकाला गया जो शहर भ्रमण करते हुए खाटू वाले श्याम मंदिर पहुंचकर कार्तिक मास के एकादशी पर या कार्यक्रम को किया गया.वहीं संध्या का समय गर्ल हाई स्कूल के पीछे पुरुषोत्तम गली में खाटू वाले श्याम मंदिर के प्रांगण में संस्कृति भजन कीर्तन एवं आरती का आयोजन किया गया है. खाटू वाले श्याम के जन्म उत्सव के मौके पर मारवाड़ी समुदाय के महिला एवं पुरुष द्वारा शहर के चौक बाजार से डाकीनाथ महादेव मंदिर से विधि विधान कर गुरुवार को शोभा यात्रा निकाली गई.वहीं शोभा यात्रा में भक्ति गीत भजन में सभी लोग आनंदित थे.इस मौके पर खाटू श्याम मंदिर समिति के अध्यक्ष सूरज शर्मा ,सचिव अंकित केजरीवाल, कोषाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, सदस्य हिमांशु अग्रवाल, शंकर खंडेलवाल ,विकास कौशिक, ज्योति अग्रवाल, सोनी चौधरी, पिंकी गोयल, ज्योति भारद्वाज ,नेहा कुमारी एवं मारवाड़ी समुदाय के अन्य पुरुष महिलाएं मौजूद थे.

नौ दिवसीय रामलीला प्रारंभ

संवाददाता। लातेहार

सदर प्रखंड के हेठपोचरा ग्राम में शिव मंदिर के पास रामायण प्रचारक मंडल, प्रयागराज द्वारा नौ दिवसीय रामलीला महोत्सव का शुभारंभ किया गया. इसका उद्घाटन जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सुशील कुमार अग्रवाल, मोती सोनी, मुखिया रामजी सिंह, पंचायत समिति सदस्य रामविलास सिंह, पूर्व मुखिया रामेश्वर सिंह, नागमणि व ग्राम प्रधान रणजीत सिंह आदि ने फीता काट कर किया. इसके बाद रामलीला का शुभारंभ किया गया. पहले दिन मंडली के कलाकारों ने दशरथ के पुत्रेष्टि यज्ञ एवं राम जन्म, तड़का, मरीचि व सुबाहु वध का सजीव मंचन किया. प्रचारक मंडल के संचालक देवनारायण चौरसिया और अमित कुमार ने बताया कि 24 नवंबर को परशुराम-लक्ष्मण संवाद व राम-सीता विवाह का मंचन किया जायेगा. उन्होंने कहा कि आज के इस आधुनिक युग में जब हर घर व हर हाथ में मोबाइल, टीवी व कंप्यूटर का कब्जा है, ऐसे समय में भी गांवों में रामलीला देखने का क्रेज लोगों में अभी भी बना हुआ है. कार्यक्रम का संचालन अनुपम कुमार मिश्रा ने किया. मौके पर सुनील गुप्ता, आशीष गुप्ता, शंभू प्रसाद , अनूप कुमार, लाल अभिषेक नाथ शाहदेव, उपेंद्र प्रसाद, सत्येंद्र प्रसाद, रिंकू प्रसाद, आदि ग्रामीण मौजूद थे.

धनबाद क्लब का दिवाली मिलन समारोह कल

धनबाद। धनबाद क्लब का दिवाली मिलन समारोह 25 नवंबर को आयोजित किया जाएगा. इस बार आयोजन को व्यापक व आकर्षक बनाने के लिए तंबोला गेम का दो राउंड आयोजित किया जाएगा, जिसमें विजेता बनने वालों के बीच दो लाख रुपए पुरस्कार के रूप में बांटे जाएंगे. यह जानकारी क्लब के सचिव संजीव बियोत्रा ने 23 नवंबर को क्लब सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी. उन्होंने बताया कि कार्यक्रम रात आठ बजे शुरू होगा. इसके बाद रात के दस बजे ग्रीन पटाखों के साथ 45 मिनट की विशेष आतिशबाजी की जाएगी. कार्यक्रम में क्लब के सदस्य अपने परिजनों के साथ भाग ले सकते हैं. वहीं उन्होंने बताया कि इस वर्ष 31 दिसंबर को नववर्ष के स्वागत का कार्यक्रम भी बड़ा होने वाला है. कार्यक्रम के लिए क्लब प्रसिद्ध वॉलीवुड गायक सुखविंदर से संपर्क कर रहा है.

पेज 1 का शेष...

बुरे दिनन कोउ बात न पूछत...

इस समारोह में अमिताभ बच्चन ने तो सपरिवार ठुमके भी लगाये. साथ ही कई फिल्मी सितारों ने भी अपनी चमक बिखेरी. इस ग्रैंड शो में हर तरह के लोग थे. अगर कोई नहीं था, तो गांधी परिवार. उसका कोई सदस्य इस शादी में शरीक नहीं हुआ. पता नहीं उन्हें निमंत्रण नहीं दिया गया था या उन्होंने इरादतन आने से इनकार कर दिया था. उस समय सुब्रत राय की सपा से यारी तथा अमिताभ बच्चन से दोस्ती के कारण शायद गांधी परिवार नाखुश था.

निहायत गैरजरूरी बयान दे कांग्रेस की नजरों में चढ़ गये

यह तनातनी चल ही रही थी कि 2004 के लोकसभा चुनाव के बाद जब प्रधानमंत्री पद को लेकर बहस चल रही थी, उसी समय सहारा श्री ने यह बयान दे दिया कि प्रधानमंत्री किसी भारतीय को ही होना चाहिए. यह निहायत गैरजरूरी बयान था, वह भी एक उद्यमी के लिए. उसी दिन से वह सोनिया गांधी की नजरों में चढ़ गये थे. फिर 2008 में जब परमाणु संधि वाले सवाल पर सियासी तनातनी बढ़ी, तब अमर सिंह ने मुलायम सिंह यादव को मनाया, सुब्रत राय को पटाया और मनमोहन सिंह की सरकार में शामिल वाम मोर्चा के विरोध के बावजूद सरकार को बचा लिया. तब सांसदों की खरीद-फरोख्त को लेकर संसद में हंगामा भी हुआ था. तब लगा कि कांग्रेस सुब्रत राय के प्रति नरम पड़ गयी है. लेकिन मनमोहन सरकार की दूसरी पारी में 2010 आते-आते न जाने क्या हुआ कि फिर बदले की कार्रवाई की सुगबुगाहट सुनाई देने लगी. तब के वित मंत्री पी चिदंबरम क्या चाहते थे, इस बाबत अलग-अलग विचार हैं, लेकिन उन्हें यह ज्ञात हो गया था कि सहारा का खाता-बही दुरुस्त नहीं है. फिर क्या था, इंदौर के एक ना-पता, लापता रोशनलाल ने खुद को सीए बताते हुए नेशनल हाउसिंग बैंक को एक शिकायती पत्र लिख दिया, जिसमें कहा गया था कि सहारा की जो दो कंपनियां जमाकर्ताओं को फ्लैट, भूखंड, मकान देने के वायदे के साथ बनायी गयी हैं, उनके जारी बांड में फर्जीवाड़ा किया गया है. हाउसिंग बैंक के पास इस मामले की जांच का अधिकार नहीं था, इसलिए उसने सेबी को मामला रेफर कर दिया. जांच हुई तो गड़बड़ी पकडी गयी.

और सुब्रत राय जेल भेज दिये गये

गड़बड़ी यह थी कि जमाकर्ताओं के नाम-पते गलत थे. मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और सुब्रत राय जेल भेज दिये गये. सेबी ने सहारा के खातों से धन निकासी पर रोक लगा दी. सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सहारा श्री को 25 हजार करोड़ रुपये अपनी संपत्ति बेचकर जमा करने पड़े, ताकि जमाकर्ताओं को उनके पैसे का ब्याज के साथ भुगतान किया जा सके. करीब ढाई साल जेल में रहने के बाद अपनी मां की खराब सेहत के कारण उन्हें पैरोल मिली. तब से वह बाहर ही थे और इसी बीच कालकवलित हो गये. सेबी और सुप्रीम कोर्ट के हिसाब से सहारा पर देनदारी साढ़े 24 हजार करोड़ थी. लेकिन सेबी का कहना है कि अभी तक केवल 138 करोड़ ही भुगतान किया जा सका है और दावेदार आ ही नहीं रहे हैं. आएंगे कहां से ? जो फर्जी रसीदें कटी थीं, उन पर जमा पैसा काला धन था. यह पैसा किस-किस का था, यह भेद खुल जाए तो बहुत सारे नकाबपोश बेनकाब हो जाएंगे. लेकिन सुब्रत राय शायद यह राज अपने साथ लेकर चले गये.

सुब्रत भागे नहीं, यहीं रहे, डटे, लड़े और सरकारी खाते में पैसे जमा कर मरे

लेकिन अफसोस की बात यह है कि सुब्रत राय ने जिस-जिस पर प्यार लुटाया था, उनमें बहुतेरे ऐसे निकले, जो समय के साथ मन-मिजाज बदलने में माहिर थे. महानायक अमिताभ बच्चन, जो कभी सहारा के दरबार-ए-नूर हुआ करते थे, उनकी अंत्येष्टि में नहीं गये. यहां तक कि मुंबई में इलाजरत होने के बावजूद उन्हें देखने तक नहीं गये, जबकि सहारा श्री ने उन्हें दिवालिया होने से बचाया था. जब अमिताभ बच्चन ट्रोल हो गये, तब तीन दिन बाद वह सपरिवार श्रद्धांजलि देने मुंबई के सहारा होटल पहुंचे. क्रिकेट-हॉकी के महारथियों ने तो इस रस्मअदायगी की भी जहमत नहीं उठायी. सोनू निगम को छोड़कर फिल्मी जगत की कोई नामचीन हस्ती सहारा को श्रद्धांजलि देने नहीं पहुंची. बड़े पत्रकारों में कौन गया, नहीं गया, पता नहीं, लेकिन जब उन्हें कंधा देने दोनों बेटे ही नहीं आये, तब खुदगर्जों से शिकायत ही बेमतलब है. सच यही है कि कोई किसी का नहीं रे बंदे नाते हैं नातों का क्या. खैर हमारे समाज की यह फितरत है कि जब हम किसी पर ढलते हैं तो विवेक खो देते हैं और जब बिगड़ते हैं, तो उसकी ऐसी-तैसी कर डालते हैं. सुब्रत राय अपनी गलतियों, यारी और खुदमुख्तारी के शिकार हो गये. अन्यथा वह विजय माल्या, नीरव मोदी की तरह घोटाले करके भागे नहीं. यहीं रहे, डटे, लड़े और सरकारी खाते में पैसा जमा कर मरे. एक भक्ति गीत की पंक्तियां हैं- भले दिनन के साथी सब हैं, बंधु सखा सुत नाती, बुरे दिनन कोउ बात न पूछत बनत प्रान के घाती... सुब्रत राय के निधन के साथ ही ये पंक्तियां बरबस याद आ रही हैं.

भारी मात्रा में कोयला जब्त...

उन्होंने कहा कि रात में छापेमारी हुई थी. पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करने के बाद छोड़ दिया. उसने बताया कि मामले को मैनेज करने के लिए रमेश मंडल को लगाया गया है.

मैथन पुलिस ने छापेमारी कर 100 टन कोयला जब्त किया :

जब्त कोयले को पुलिस ने भट्ठे से उठवा कर मैथन थाना लाया है. छापेमारी का नेतृत्व कर रहे मैथन ओपी प्रभारी विकास कुमार यादव ने बताया कि कालीमाटी स्थित पवनधाम सॉफ्ट कोक भट्ठा से 40 टन अवैध कोयला जब्त किया गया है. भट्ठा संचालक संजय अग्रवाल और उसके सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है. पुलिस की इस कारवाई पर लोग सवाल उठाने लगे हैं. सूत्रों ने बताया कि इस भट्ठे की मार्फत कोयले के मुख्य अवैध कारोबारी रमेश गोप का नाम एफआईआर में नहीं आना और जब्त कोयले को कम दिखाना पुलिस की कार्रवाई पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है. वहीं इस छापेमारी को लेकर तरह-तरह की चर्चा का बाजार गर्म है. पुलिस सूत्रों को मानें तो भट्ठा संचालक संजय अग्रवाल और उसका पार्टनर रमेश गोप ने पुलिस अधिकारियों को सप्ताहिक चढ़ावा नहीं चढ़ाया और खबर भेजवा दिया कि काम बंद कर दिया गया है. लेकिन गुपचुप तरीके से कोयले का अवैध कारोबार चला रहा था, जिसकी भनक लगते ही उच्चाधिकारियों के निर्देश पर अचानक छापेमारी की गई, जिसमें भारी मात्रा में अवैध कोयला जब्त किया गया है,हालांकि कोयला चोर भागने में सफल रहे.

कौन हैं पीयूष सहाय ?

धनबाद से आई टीम ने छापेमारी कर पूरे मामले को उजागर कर दिया. अब देखना है कि आगे फिर से यह भट्ठा चालू होगा या ब्लैकलिस्टेड कर दिया जाएगा, क्योंकि इससे पहले भी कई बार इस फैक्ट्री में छापेमारी हो चुकी है और भारी मात्रा में पुलिस को कोयला जब्त करने में भी सफलता मिली है.

और यह बताते हुए कि सहाय जी गार्जियन हैं और साहब ने भेजा है, डेढ़ गुना से दोगुना माल टपकाने के लिए इतना परिचय काफी होता है. माल टान कर सहाय जी खुशी-खुशी निकल लेते हैं. सवाल उठता है कि पीयूष सहाय जी के सहाय जी कौन हैं, जो गार्जियन का रुतबा रखते हैं, तो सहाय जी भी यही पूछ रहे हैं लोगबाग से यह पीयूष सहाय कौन है. सहाय जी भले चिंतित हों, लेकिन साहब निश्चिंत हैं, क्योंकि पीयूष सहाय आखिरकार उनका बंदा ठहरा. इनके लिए तो वह काम की चीज है. बिजनेस कम्युनिटी में सहाय जी जाना पहचाना नाम है, लेकिन इनकी पहचान गुप्त है. यह उन्हीं से संबंध रखते हैं, जहां से माल का संबंध है. साहब के भरोसेमंद हैं, लेकिन अमानत में खयानत इनकी आदत है, ''सहाय'' जी की वजह से सहाय जी समेत कुछ लोगों की छवि खराब हो रही है, तो कुछ की जेबें भर रही हैं. अब देखना है क्या होता है, कब होता है या सहाय जी ऐसे ही फुदकते रहेंगे.

भागवत महायज्ञ राधे राधे के जयकारे से गूंजता रहा बैरिया की हाउसिंग कॉलोनी का यज्ञ पंडाल

भागवत कथा सुनने से अभीष्ट कामना की होती है पूर्ति : देवकीनंदन

संवाददाता। मेदिनीनगर (पलामू)

श्रीमद् भागवत पुराण कथा सुनने से अभीष्ट कामना की पूर्ति होती है. मनुष्य को सद्गति मिलती है. संसार के बंधन से मुक्ति मिलती है. उक्त बातें ख्याति प्राप्त श्रीमद् भागवत कथा वाचक देवकी नंदन ठाकुर ने कही. वे गुरुवार को स्थानीय हाउसिंग कॉलोनी में परशुराम युवा वाहिनी के तत्वावधान में आयोजित कथा कार्यक्रम में बोल रहे थे. इसके पूर्व उषा पांडेय व गुरु पांडेय ने श्रीमद्भागवत पुराण की आरती कर कथा की शुरुआत कराई.

गलत फ्रेंड के चक्कर में बर्बाद हो रहे बच्चे : देवकीनंदन ने एक प्रसंग की चर्चा करते हुए कहा कि बच्चे माता-पिता की बात नहीं मानते.

गलत फ्रेंड के चक्कर में बर्बाद हो जाते हैं. ऐसे फ्रेंड उन्हें मझधार में छोड़ देते हैं. कहा कि बच्चे माता-पिता के विरुद्ध कभी नहीं जाएं. बच्चों के सबसे बड़े हितैषी मां-बाप होते हैं. श्रीमद् भागवत महापुराण के एक प्रसंग की चर्चा करते हुए देवकीनंदन ने कहा कि सुख व दुख कर्मों के आधार पर तय होते हैं. अच्छे कर्म करेंगे तो कोई दुखी नहीं कर सकता. बुरे कर्म करके सुखी दिखने वाले वास्तव में सुखी नहीं होते हैं. अंदर से वैसे व्यक्ति बड़े ही दुखी होते हैं. कहा कि मन से बड़ा शत्रु व दोस्त कोई नहीं होता.

दुनिया नुकसान पहुंचाए तो भरपाई संभव है लेकिन मन रूपी शत्रु नुकसान करें तो भरपाई असंभव है. कहा कि मन को हमेशा सत्कर्मों की ओर ले जाना चाहिए. देवकीनंदन ठाकुर ने भगवान शिव द्वारा माता पार्वती को भागवत कथा सुनाए जाने के प्रसंग को विस्तार से श्रवण कराया. उन्होंने उपस्थित भक्तों को श्रीमद् भागवत कथा ध्यान से सुनने का आह्वान किया.

मनुष्यों में भगवान के पास पहुंचने की शक्ति

देवकीनंदन ने भागवत कथा का श्रवण कराते हुए एक प्रसंग की रोचक चर्चा की. कहा कि राधा रानी ने भगवान श्री कृष्ण से पूछा कि आप उदास क्यों रहते हैं. श्री कृष्ण ने कहा कि कलियुग में मनुष्य की गति व कर्म देखकर उदास हैं. राधा रानी के पुनः पूछने पर श्री कृष्ण ने कहा कि मनुष्य में वह शक्ति है कि भागवत महापुराण की कथा सुन ले तो वह उनके पास पहुंच सकता है. उन्होंने कहा कि कलयुग में लोग माया-मोह के चक्कर में पड़ जाते हैं. यही दुख का असली कारण है. पूछा कि कोई रिश्तेदार जन्म व मरण के समय की श्वासों का मोल दे सकता है क्या. कहा कि जन्म व मरण के समय श्वास देने वाले ईश्वर का भक्त बनें. कहा कि मानव वही है, जो ईश्वर, माता-पिता व गुरुजनों के प्रति अपना समर्पण रखे. शास्त्रों के अनुसार जीए.

किसी भी राज्य के लिए चिकित्सा व्यवस्था या स्वास्थ्य सेवा काफी महत्वपूर्ण होती है. यह राज्य की समृद्धि का भी द्योतक है. जिस राज्य की स्वास्थ्य सेवा बेहतर होती है. वह विकसित राज्यों की श्रेणी में आता है. पर इस माप दंड पर झारखंड खरा नहीं उतरता है. एक तरह से हमारी चिकित्सा व्यवस्था बदहाल कही जा सकती है. राज्य के सरकारी अस्पतालों में डाक्टरों की कमी है. साथ ही सदर अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टर गिने चुने हैं. जिससे मरीजों का सही इलाज नहीं हो पाता है. ग्रामीण इलाकों के ज्यादातर मरीज सदर अस्पतालों में भी इलाज कराते हैं. जबकि गंभीर बीमारियों के लिए वे निजी अस्पतालों में भी जाते हैं. मौजूदा समय में रांची सदर अस्पताल को छोड़ राज्य के सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों या अस्पतालों की स्थिति अच्छी नहीं है. कई जिलों में सरकार की ओर से अच्छे भवन के साथ सुविधाएं मुहैया कराई भी गई है तो रख रखाव के अभाव में वे अव्यवस्थित हो गए हैं. इनमें डॉक्टरों की कमी सबसे बड़ी समस्या है. सरकार को चाहिए कि स्वास्थ्य सेवा को दुरुस्त करे. इसके लिए जरुरी है कि अस्पतालों में रिक्त पड़े डॉक्टरों के पदों को भरना जरुरी है. शुभम संदेश की टीम ने राज्य के सदर अस्पतालों की पड़ताल की है. पेश है रिपोर्ट.

■ अस्पतालों में चिकित्सकों की घोर कमी, सृजित पद से कम हैं डॉक्टर

■ सरकारी स्तर पर प्रयास की जरुरत, ताकि स्वास्थ्य सेवा में सुधार हो सके

आम आदमी का कैसे होगा इलाज

	स्वीकृत	नियुक्त
एसीएमओ	1	1
डिप्टी सुपरीटेंडेंट	1	1
मेडिकल ऑफिसर	11	10
सीनियर डेंटिस्ट	1	0
आप्थाल्मालॉजिस्ट	1	1
गाइनेकोलॉजिस्ट	10	7
एनेस्थेटिस्ट	3	3
पीडियाट्रिशियन	4	4
ब्लड बैंक (मेडिकल ऑफिसर)	1	1
डीपीएच लैब यूनिट (पैथोलॉजिस्ट)	1	1
ब्लाइंड यूनिट	1	1

लातेहार

23 चिकित्सकों के पद खाली

सवाल-डॉक्टर के कितने स्वीकृत पद हैं ?
जवाब- सदर अस्पताल में कुल 32 पद चिकित्सकों के लिए सृजित हैं.
सवाल- डॉक्टर के कितने पद खाली हैं ?
जवाब- कुल 23 चिकित्सकों के पद रिक्त हैं.
सवाल- विशेषज्ञ डॉक्टर के कितने पद खाली हैं ?
जवाब- विशेषज्ञ चिकित्सकों के 18 पद स्वीकृत हैं.
सवाल- सर्जन के कितने पद स्वीकृत हैं ?
जवाब- सर्जन के दो पद स्वीकृत हैं.
सवाल- सर्जन के कितने पद खाली हैं ?
जवाब- सर्जन के दोनों पद रिक्त हैं.
सवाल- आईसीयू है या नहीं, है तो कितने बेड हैं और किस स्थिति में हैं ?
जवाब- आइसीयू है. आइसीयू मे कुल 12 बेड हैं और सभी सही स्थिति में हैं.
सवाल- ऑपरेशन के लिए क्या व्यवस्था है ?
जवाब- आपरेशन की व्यवस्था है.
सवाल- जेनरेटर है या नहीं. नहीं है. तो कैसे काम चलता है ?
जवाब- जेनेरेटर है. इसके अलावा सोलर सिस्टम से भी विद्युत आपूर्ति होती है.
सवाल- मरीजों के लिए सरकार की तरफ से उपलब्ध कराये जाने वाले दवाई की उपलब्धता है, नहीं है या कम है ?
जवाब- दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक है.

मेदिनीनगर

एमएमसीएच अस्पताल में 35 पद स्वीकृत, पर 24 खाली हैं

सवाल - एमएमसीएच अस्पताल में कितने स्वीकृत पद हैं.
जवाब - इस अस्पताल में डॉक्टरों के 35 स्वीकृत पद हैं.
सवाल - इस समय खाली पद कितने हैं.
जवाब - अभी 24 पद खाली हैं.
सवाल - विशेषज्ञ डॉक्टरों की क्या संख्या है.
जवाब - विशेषज्ञ डॉक्टरों के 12 पद स्वीकृत हैं.
सवाल - इसमें कितने पद खाली हैं.
जवाब - विशेषज्ञ डॉक्टरों के 5 पद खाली हैं.
सवाल - सर्जन के कितने पद हैं.
जवाब - सर्जन के 15 पद स्वीकृत हैं.
सवाल - स्वीकृत पदों के हिसाब से सर्जन हैं.
जवाब - सर्जन के चार पद खाली हैं.
सवाल - एमएमसीएच में आईसीयू हैं .
जवाब - आईसीयू है. पांच से अधिक बेड हैं और अच्छी स्थिति में हैं.
सवाल - आपरेशन की क्या व्यवस्था है.
जवाब - यहां आपरेशन की सारी व्यवस्था है.
सवाल - बिजली की कैसी व्यवस्था है.
जवाब - बिजली की व्यवस्था है. अगर बिजली चली जाए तो जनरेटर की व्यवस्था है.
- मरीजों के लिए सरकार की तरफ से उपलब्ध कराये जाने वाले दवाई की सारी उपलब्ध है.

रांची

अपनी जिम्मेदारी निभा रहा राजधानी का सदर अस्पताल

रांची के सदर अस्पताल में 27 बेड का आईसीयू है. जबकि 14 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट है. जो पूरी तरह से फंक्शनल है और मरीजों का बेहतर तरीके से उपचार किया जा रहा है.
सवाल - ऑपरेशन के लिए क्या व्यवस्था है.
जवाब - सात मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर हैं. विभिन्न विभागों के इन ऑपरेशन थिएटर में मरीजों की सर्जरी की जाती है.
सवाल - जेनरेटर है या नहीं. नहीं है तो कैसे काम चलता है.
जवाब - पर्याप्त संख्या में साइलेंट जनरेटर है. बिजली जाने पर जनरेटर के माध्यम से निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति अस्पताल में की जाती है.
सवाल - मरीजों के लिए सरकार की तरफ से उपलब्ध कराई जाने वाली दवाइयां की उपलब्धता है, नहीं है या कम है.
जवाब - चिकित्सक द्वारा लिखी जाने वाली सभी दवाइयां सदर अस्पताल में उपलब्ध हैं. दवाई की उपलब्धता नहीं होने पर विशेष परिस्थितियों में आयुष्मान भारत योजना के तहत दवा की खरीदारी कर मरीजों को उपलब्ध कराई जाती है.

- खस्ताहाल हैं राज्य के ज्यादातर सदर अस्पताल
- कहीं भवन ठीक नहीं तो कहीं रखरखाव के अभाव में एपरेटस व्यवस्थित नहीं

चाईबासा

सदर अस्पताल में 219 पद स्वीकृत, 19 अब भी रिक्त

पश्चिम सिंहभूम राज्य का सबसे बढ़ा जिला होने के साथ-साथ कोल्हाल प्रमंडल का मुख्यालय भी है. यहां एक मात्र सदर अस्पताल है. जहां कुल 200 बेड हैं. लेकिन रोज 200 से अधिक मरीजों का इलाज होता है. कई जगह अतिरिक्त बेड भी लगाये गये हैं. सदर अस्पताल में कुल 219 पद डॉक्टर का सृजित हैं. लेकिन अब भी 19 पद रिक्त पड़े हुए हैं. सदर अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. साहिर पॉल ने कहा कि मरीजों के लिये सुविधा दी गई है. दवाई रांची से उपलब्ध होती है. सरकारी खर्च से ही दवाइयां मिलती हैं. साथ ही आईसीयू का लिये अलग से कक्ष बनाया गया है. जहां कुल 10 बेड है. पूछने पर बताया गया.
सवाल - डॉक्टरों के कितने स्वीकृत पद हैं.
जवाब - अभी डॉक्टरों के 219 पद स्वीकृत हैं.
सवाल - इनमें कितने पद खाली हैं.
जवाब - इनमें अभी 19 पद खाली हैं.
सवाल - यहां विशेषज्ञ डॉक्टर के कितने पद स्वीकृत हैं.
जवाब - यहां विशेषज्ञ डॉक्टरों के 20 पद स्वीकृत हैं.
सवाल - क्या सभी पद भरे हुए हैं.
जवाब - नहीं इनमें 8 पद खाली हैं.
सवाल - सर्जन के कितने पद स्वीकृत हैं.
जवाब - सर्जन के दो पद स्वीकृत हैं.
सवाल - इन पदों पर चिकित्सक हैं.
जवाब - हां इनमें चिकित्सक हैं.
सवाल - अस्पताल में आईसीयू है या नहीं. है तो कितने बेड हैं और किस स्थिति में हैं .
जवाब - आईसीयू है, कुल 10 बेड हैं.
सवाल - ऑपरेशन के लिए क्या व्यवस्था है.
जवाब - आपरेशन थियेटर है. सिजेरियन के लिए अलग व्यवस्था है.
सवाल - बिजली की क्या स्थिति है.
जवाब - बिजली है. जनरेटर की भी व्यवस्था है.यह सरकारी खर्च से चलता है.
सवाल - मरीजों के लिए सरकार की तरफ से उपलब्ध कराई जाने वाली दवाइयों की क्या उपलब्धता है.
जवाब - मरीजों के लिए दवाइयां उपलब्ध कराई जाती है. अधिकतर दवाई सरकारी मिलती है.

गिरिडीह

संसाधन बढ़े, घटते गए चिकित्सक

कोरोना की दूसरी लहर की भयावता से चौकस स्वास्थ्य विभाग व्यवस्था सुधार की कवायद 2021 से ही कर रही है, पर सबसे दुखद स्थिति चिकित्सकों की है. जिले में चिकित्सकों की भारी कमी है. हालत यह है कि क्षमता की एक चौथाई से कम चिकित्सक सदर अस्पताल में कार्यरत हैं. सदर अस्पताल की इकाई चैताडीह शिशु एवं मातृत्व कल्याण केंद्र में मिलाकर चिकित्सकों की संख्या एक चौथाई के करीब है. मालूम हो कि शिशु और गर्भवती महिलाओं का इलाज चैताडीह में किया जाता है. बाकी सदर अस्पताल में. पर चिकित्सकों की कमी के कारण दोनों स्थानों पर अव्यवस्था का आलम रहता है. चिकित्सकों की कमी के कारण मरीजों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है.
सवाल - सदर अस्पताल में डाक्टरों की संख्या कितनी है.
जवाब - डॉक्टरों के स्वीकृत पद - 33 हैं.
सवाल - इस समय खाली पद कितने हैं.
जवाब - इस समय 22 पद खाली पड़े हुए हैं.
सवाल - विशेषज्ञ डाक्टरों के पद कितने हैं.
जवाब - विशेषज्ञ डॉक्टर के 24 पद हैं.
सवाल - इसमें खाली पद कितने हैं
जवाब - अभी 17 पद खाली हैं.
सवाल - अस्पताल में सर्जन स्वीकृत पद कितने हैं.
जवाब - अस्पताल में स्वीकृत पद - 2 हैं.
सवाल - खाली पद कितने हैं
जवाब - खाली पद - 1 हैं.
- **आईसीयू** - कुल मिलाकर आठ बेड हैं, सभी बेहतर स्थिति में है.

ऑपरेशन की व्यवस्था बेहतर है. पर चिकित्सक की कमी, तीन-तीन जनरेटर हैं. इसके अलावा सौर ऊर्जा की व्यवस्था की गई है.

बोकारो

कमी के बावजूद मिल रही स्वास्थ्य सेवा

बोकारो स्थित सदर अस्पताल में डॉक्टरों की कमी है, जिसके कारण न सिर्फ मरीज, बल्कि अस्पताल प्रबंधन भी इलाज की समुचित व्यवस्था के लिए परेशान रहते हैं. सदर अस्पताल की स्थिति पर उपाधीक्षक डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि ऐसे तो सदर अस्पताल में डॉक्टर्स की स्वीकृत पद 32 है, जिनमें 18 पद खाली हैं. विशेषज्ञ डॉक्टर्स के स्वीकृत पद 12 है, जिनमें 3 पद खाली है. इनमें से नेत्र, गायनो, हड्डी, एनेस्थीसिया, स्किन, आर्थो के 2, मनोरोग, डेंटल, पीडिया के 9 विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद हैं. सर्जन के 2 पद स्वीकृत हैं, जिनमें 1 पद खाली हैं. आईसीयू बेड की संख्या 10 है, जिनमें सभी चालू हालत में है. ऑपरेशन थियेटर है, जिसमें सभी प्रकार के संसाधन मौजूद है. बिजली के विकल्प में जेनरेटर की व्यवस्था 24 घंटे उपलब्ध है. इसके अलावा बैकअप के लिए सोलर सिस्टम भी लगाए गए हैं. उपाधीक्षक डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि अस्पताल में डॉक्टर के अलावा अन्य विभागों में कर्मियों की तीन कैटेगरी है. इनमें से राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग, एनआरएचएम व डीएमएफटी से कर्मियों की बहाली हुई है. राज्य सरकार की ओर से भेजी जानेवाली सभी प्रकार की दवाइयों में से 80 से 90 प्रतिशत दवाइयां उपलब्ध है. फिलहाल खांसी के सिरप की कमी है, जिसकी उपलब्धता के लिए विभाग को लिखकर डिमांड की गई है.

जमशेदपुर

रोजाना सैकड़ों लोग आते हैं, एमजीएम का लोड कम हुआ है

खासमहल स्थित सदर अस्पताल में दूर-दराज के सैकड़ों लोग रोजाना अपना इलाज कराने आते हैं. इनमें ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की संख्या ज्यादा रहती है. यह अस्पताल राज्य के श्रेष्ठ सदर अस्पतालों की श्रेणी में शामिल है. जनवरी 2013 में जब यह अस्पताल खुला, तो न केवल एमजीएम अस्पताल का लोड कम हुआ, बल्कि परसुडीह, बागबेड़ा, सुंदरनगर, कीताडीह, गोलपहाड़ी, स्टेशन व आसपास के लोगों को राहत मिली. दस साल पहले जहां सदर अस्पताल में प्रतिदिन 50 से 100 मरीज आते थे, अब यह संख्या बढ़कर प्रतिदिन 600 से 800 पर पहुंच गयी है. अस्पताल में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है. अस्पताल में डॉक्टरों की भी कमी है. इस कारण परेशानियों का सामना मरीजों को करना पड़ता है. हालांकि अस्पताल में व्यवस्था व डॉक्टरों की कमी को लेकर सिविल सर्जन डॉ. जुझार माझी ने विभाग को पत्राचार किया है. इधर, अस्पताल भवन में एक मंजिल बढ़ाने की योजना बनी है, ताकि बेड बढ़ाने के साथ चिकित्सा यंत्र इंस्टॉल करने में जगह की कमी न हो. देखा जाए तो सफाई से लेकर रख रखाव के मामले में सदर अस्पताल की स्थिति एमजीएम से काफी बेहतर है.

सवाल - अस्पताल में डॉक्टरों के कितने स्वीकृत पर हैं.
जवाब - अस्पताल में डॉक्टरो के 11 स्वीकृत पद हैं.
सवाल - इनमें कितने पद खाली हैं
जवाब - इनमें तीन पद खाली हैं.
सवाल - विशेषज्ञ डॉक्टर के कितने पद स्वीकृत हैं.
जवाब - विशेषज्ञ डॉक्टर के 17 पद स्वीकृत हैं.
सवाल - इनमें कितने पद खाली हैं.
जवाब - विशेषज्ञ डॉक्टरों के 4 पद खाली हैं.
सवाल - सर्जन के कितने पद स्वीकृत हैं.
जवाब - सर्जन के 02 पद स्वीकृत हैं.
सवाल - इन पदों पर डॉक्टर हैं.
जवाब - दोनों पद खाली हैं.
सवाल - आईसीयू की क्या स्थिति है.
जवाब - सदर अस्पताल में छह बेड वाला आईसीयू है, जो बेहतर स्थिति में है.
सवाल - ऑपरेशन की क्या स्थिति है.
जवाब - ऑपरेशन के लिए - एलएससीएस, लिगेशन, टीटी, एलटीटी आदि की व्यवस्था है.
सवाल - अस्पताल में बिजली की स्थिति कैसी है.
जवाब - बिजली के साथ एक जेनरेटर है. साथ-साथ बैट्री बैकअप की भी सुविधा है.
सवाल - दवाइयों की क्या स्थिति है.
जवाब - सरकार की तरफ से उपलब्ध कराये जाने वाले दवाओं की कोई कमी नहीं है. समय-समय पर स्टॉक आता रहता है.

साहिबगंज

चिकित्सकों की कमी से इलाज प्रभावित

साहिबगंज जिला सदर अस्पताल में कुल बेड 100 है. अभी बेड की स्थिति ठीक ठाक है. इस जिला अस्पताल में केवल चिकित्सकों की घोर कमी है.जिसमें इस जिला अस्पताल में कुल स्वीकृति पद 40 हैं. अभी वर्तमान में 7 चिकित्सक मौजूद है.और अभी 33 पद खाली हैं. विशेषज्ञ चिकित्सक के पद 28 हैं एवं अभी वर्तमान में इनमें 4 पदस्थापित हैं. विशेषज्ञ चिकित्सकों के 24 पद पद खाली हैं.वहीं सर्जन की बात करे तो कुल 1 पद हैं. सर्जन का एक पद है.वहीं गंभीर बीमारी के लिए यहां पर एक भी सर्जन नहीं है.आईसीयू की व्यवस्था नहीं है, साहिबगंज जिला अस्पताल में मॉडलर ओटी थियेटर ऑपरेशन रूम बनकर तैयार है, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह ऑपरेशन रूम पूरे झारखंड के पहला मॉडलर ओटी थियेटर ऑपरेशन रूम बनाया गया है.यह ओटी जिला प्रशासन के आकांक्षी जिला योजना के तहत बनाया गया है.इसका उद्घाटन ऑनलाइन के माध्यम से झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने हाथों से शुक्रवार को करेंगे.250 केवी,और 20 केवी के जेनरेटर की सुविधा यहां पर मौजूद है. इस जिले में पारा मेडिकल चिकित्सक के सहारे सदर अस्पताल चलाया जा रहा है. जिले में चिकित्सकों के कुल स्वीकृत पद 40 हैं. जिसमें 7 में चिकित्सक पदस्थापित हैं.

हजारीबाग

चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा सदर अस्पताल

हजारीबाग सदर अस्पताल जो शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के नाम से जाना जाता है. चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा है. इस मेडिकल कॉलेज पर आसपास के तीन से चार जिलों का भार है. इस वजह से मरीजों की अच्छी खासी संख्या इस अस्पताल में रहती है. लगभग हर विभाग के चिकित्सक की कमी से अस्पताल जूझ रहा है. हालांकि हाल के दिनों में डीएमएफटी से अनुबंध के सहारे डॉक्टर और अन्य मेडिकल स्टाफ बहाल किए गए हैं. लेकिन उसके बाद भी जो पूर्व के सृजित पद हैं. उस हिसाब से डॉक्टरों की कमी है . सरकारी दवाई की बात करें तो जो बहुत ही जरुरी दवाइयां है वह तो मिल जाती हैं. लेकिन जिन दवाओं को अस्पताल के डॉक्टर लिखते हैं, वह यहां अनुपलब्ध रहती है.

- डॉक्टर के कितने स्वीकृत पद हैं - 40
- डॉक्टर के कितने पद खाली हैं - 28
- विशेषज्ञ डॉक्टर के कितने पद स्वीकृत हैं -28
- विशेषज्ञ डॉक्टर के कितने पद खाली हैं -10
- सर्जन के कितने पद स्वीकृत हैं - 2
- सर्जन के कितने पद खाली हैं -1
- आईसीयू है या नहीं. है तो कितने बेड हैं12 और किस स्थिति में हैं - बढ़िया स्थिति में है
- ऑपरेशन के लिए क्या व्यवस्था है - जरूर का सभी चीज उपलब्ध

गढ़वा

- गढ़वा सदर अस्पताल में डॉक्टर के कुल 11 स्वीकृत पद हैं. जिसमें 5 डॉक्टर के पद खाली हैं.
- वहीं विशेषज्ञ डॉक्टर के 20 पद स्वीकृत हैं, जिसमें 15 विशेषज्ञ चिकित्सक के पद ख़ाली हैं.
- सर्जन के 2 पद स्वीकृत हैं जिसमें 1 सर्जन का पद ख़ाली है.
- डॉ. अवधेश सिंह सिविल सर्जन गढ़वा ने बताया कि आईसीयू है, जो 5 बेड का है और अच्छी स्थिति में है.
- ऑपरेशन के लिए सर्जन हैं. दो जनरेटर हैं जो चालू स्थिति में है. मरीजों के लिए सरकार की तरफ से उपलब्ध कराये जाने वाली दवाई की उपलब्धता पर्याप्त नहीं है. वहीं सदर अस्पताल की कुल बजट 25 लाख रुपए की है. यहां 600 से लेकर एक हजार की संख्या में मरीजों का आना होता है.

रामगढ़

सदर अस्पताल की स्थिति संतोषजनक नहीं

रामगढ़ के सदर अस्पताल में स्वीकृत पदों के अनुसार डॉक्टरों की कमी है .कुछ पद डॉक्टरों की खाली पड़े हैं . विशेषज्ञ डॉक्टोर के पद यहां 20 हैं जबकि 12 डॉक्टर ही विशेषज्ञ के रूप में यहां कार्यरत है . अस्पताल में आईसीयू नहीं है . हालांकि अस्पताल में एक बड़ा जनरेटर और सोलर प्लांट लगा हुआ है डॉक्टर के द्वारा लिखी गई दवाइयां मरीज को यहां से उपलब्ध हो रही है .रामगढ़ की सिविल सर्जन डॉ. महालक्ष्मी कहती है कि डॉक्टरों की कमी को लेकर विभाग को पत्र लिखा जाता है. मौजूदा समय में अस्पताल में डॉक्टरों की कुछ कमी है . डॉक्टरों की अभाव में आईसीयू भी नहीं है. इसे चलाने के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर की जरूरत है. जिसकी कमी है .अस्पताल में फिजिशयन भी रेगुलर अपॉइंटमेंट नहीं है. तीन साल रूलर सर्विस देने वाले पीजी कर के रिम्स से आये है. वह भी तीन साल के बाद चले जायेंगे . अस्पताल में स्पेस्लिस्ट डॉक्टर का होना जरूरी है . अस्पताल में मशीनें ज्यादा हैं. पर उनको चलाने वाले नहीं हैं.. जानकारी लेने पर अस्पताल के बारे में ये बातें बताई गई.
सवाल - अस्पताल में डॉक्टरों के स्वीकृत पदों की संख्या कितनी है.
जवाब - इस समयडॉक्टरों के स्वीकृत पद 27 हैं.
सवाल - इनमें कितने पद खाली हैं.
जवाब - इनमें आठ पद खाली हैं.
सवाल - विशेषज्ञ डॉक्टर के कितने स्वीकृत पद हैं.
जवाब - विशेषज्ञ डॉक्टर के 20 पद हैं. इनमें 8 पद खाली हैं.
सवाल - सर्जन के कितने पद स्वीकृत हैं .
जवाब - सर्जन स्वीकृत पद 2 हैं.
सवाल - इमनें कितने मौजूद हैं.
जवाब - मौजूदा समय में एक रेगुलर और एक अनुबंध पर सर्जन कार्यरत हैं.
सवाल - क्या यहां आईसीयू है.
जवाब - यहां आईसीयू नहीं है.
सवाल - अस्पताल में कितने बेड हैं.
जवाब - इस समय अस्पताल में करीब 100 बेड हैं.
सवाल - ऑपरेशन की क्या व्यवस्था है.
जवाब - ऑपरेशन के लिए व्यवस्था है. माइनर और मेजर ओटी है.
सवाल - बिजली की क्या स्थिति है.
जवाब - बिजली की व्यवस्था है. जनरेटर भी है. इसके अलावे सोलर प्लांट भी है.
सवाल - मरीजों को दवाई उपलब्ध कराई जाती है.
जवाब - हां, दवाई उपलब्ध कराई जाती है.

धनबाद

अस्थाई चिकित्सकों के भरोसे हो रहा इलाज

9 अक्तूबर 2018 को आस्तित्व में आए धनबाद के सदर अस्पताल में आज भी अव्यवस्था कायम है. 100 बेड के इस अस्पताल में चिकित्सकों का घोर अभाव है. ज्यादातर चिकित्सक अस्थाई हैं, जो सप्ताह में दो या एक दिन ही यहां अपनी सेवा देते हैं. स्थाई चिकित्सकों की संख्या काफी कम है. सर्जरी की बात करे तो गायनी वार्ड में ही रेगुलर सिजेरियन का काम होता है. गंभीर बीमारी के लिए सर्जरी की व्यस्था नहीं है. आईसीयू की व्यवस्था है, आपरेशन थियेटर भी है, जेनरेटर की सुविधा भी मौजूद है. लेकिन दवाइयों की स्थिति ठीक नहीं है. डॉक्टर की पर्ची पर लिखी गई 5 दवाइयों में से एक या दो दवाइयां ही काउंटर पर मिलती हैं. अभी तक अस्पताल को व्यवस्थित करने के सिर्फ दावे ही हुए हैं. अस्पताल में मरीजों की देखरेख की स्थिति ठीक नहीं है.

अस्पताल की वर्तमान व्यवस्था इस तरह है

- डॉक्टर का स्वीकृत पद -28
- डॉक्टर का खाली पद - 10
- विशेषज्ञ डॉक्टर डाक्टर के स्वीकृत पद- 18
- विशेषज्ञ डॉक्टर डाक्टर के खाली पद - 10
- सर्जन के स्वीकृत पद - 6
- सर्जन के खाली पद - 3
- आईसीयू की व्यवस्था है, स्थिति ठीक है.
- आईसीयू में कुल 10 बेड हैं
- ऑपरेशन की व्यवस्था है (गायनी और आर्थो का सिर्फ ऑपरेशन होता है)
- जेनरेटर : 1 (बड़ा जनरेटर)
- दवाइयां : कम है.

गोड्डा

बिना महिला चिकित्सक के ही चल रहा है सदर अस्पताल

स्वास्थ्य सेवा के मामले में गोड्डा बहुत ही पिछड़ा है. जिला मुख्यालय स्थित एकमात्र सदर अस्पताल पर ही पूरे गोड्डा के लोगों की निर्भरता है. कहने को तो प्रखंड मुख्यालय में भी स्वास्थ्य केंद्र है. मगर अधिकांश स्वास्थ्य केंद्र हाथी दांत के समान है. सभी केंद्र में सिर्फ रेफर करने का काम होता है. जिला मुख्यालय के सदर अस्पताल में चिकित्सकों की जबरदस्त कमी है. सबसे आश्चर्य की बात यह है कि जिला मुख्यालय के इस अस्पताल में एक भी महिला चिकित्सक नहीं है. जबकि प्रसव कराने के लिए आने वाली महिलाओं की संख्या सर्वाधिक होती है. आउटडोर में प्रतिदिन औसतन पांच सौ रोगियों की जांच की जाती है. जिसमें सैकड़ों गर्भवती महिलाएं होती है. बिना महिला चिकित्सक के प्रसव कराने में क्या परेशानी होती होगी यह समझा जा सकता है. नर्स के भरोसे ही सब होता है. इसके साथ ही अस्पताल में एक भी सर्जन नहीं है जबकि गाइनेकोलॉजिस्ट और सर्जन दो ऐसे प्रमुख विभाग हैं जिसके बिना किसी अस्पताल के होने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है. ये दोनों विभाग किसी भी अस्पताल की रीढ होते हैं. इतनी कमियों के बावजूद बिना किसी हो हंगामा के अस्पताल का संचालन सिविल सर्जन डॉक्टर अनंत झा के द्वारा कुशलता से किया जा रहा है. कार्य के प्रति उनकी लगन की वजह से ही अन्य सभी चिकित्सक के साथ-साथ कर्मचारीगण भी ड्यूटी पर मुस्तैद रहते हैं. सीमित आधारभूत संरचना के बावजूद रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके इसके लिए सरकार द्वारा चिकित्सकों की कमी को पूरा करना होगा.

अस्पताल में मरीजों के लिए सभी तरह की दवाएं उपलब्ध नहीं हैं

- चिकित्सक के स्वीकृत पद 32 हैं. जिसमें 15 कार्यरत है.
- चिकित्सक के 17 पद खाली हैं.
- विशेषज्ञ डॉक्टर के 12 पद स्वीकृत हैं जिसमे 03 कार्यरत है.
- विशेषज्ञ डॉक्टर के 09 पद खाली हैं.
- सर्जन के दो पद स्वीकृत हैं और दोनो पद खाली है.
- आईसीयू काम चलाऊ स्थिति में है. बहुत बेहतर नही कहा जा सकता है. कुल नौ बेड है.
- ऑपरेशन के लिए सामान्य व्यवस्था है.
- जेनरेटर की स्थिति सामान्य है.
- मरीजों के लिए सभी तरह की दवाएं उपलब्ध नहीं है.

कोडरमा

मरीजों को होती है दिक्कत

कोडरमा जिले के सदर अस्पताल में कुल 28 डॉक्टरों के स्वीकृत पद हैं. जिसमें 19 पद खाली हैं. जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. वहीं विशेषज्ञ डॉक्टर के 19 स्वीकृत पद है, जिसमें केवल 1 ही पदस्थापित हैं. ऐसे में इलाज का क्या हाल है यह आप समझ ही सकते हैं. चिकित्सकों की कमी की वजह से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता है.
सदर अस्पताल की स्थिति.
सवाल- डॉक्टर के कितने स्वीकृत पद हैं .
जवाब - 28 पद हैं.
सवाल - डॉक्टर के कितने पद खाली हैं.
जवाब - 19 पद खाली हैं.
सवाल - विशेषज्ञ डॉक्टर के कितने पद स्वीकृत हैं .
जवाब - 19 पद हैं.
सवाल - इनमें कितने पद खाली हैं.
जवाब - 18 पद खाली हैं.
सवाल - सर्जन के कितने पद स्वीकृत हैं .
जवाब - दो पद स्वीकृत हैं.
सवाल - सर्जन के कितने पद खाली हैं ?
जवाब - दो पद खाली हैं.
सवाल - आईसीयू है या नहीं. है तो कितने बेड हैं और किस स्थिति में हैं.
जवाब - है, बेहतर स्थिति में है.

ब्रीफ खबरें

हाईटेंशन विद्युत तार गिरने से जली दुधारू गाय, मौत

महुदा। महुदा थाना क्षेत्र के कुलटांड स्थित फुटबाल ग्राउंड में गुरुवार को 11 हजार हाईटेंशन तार टूट कर एक दुधारू गाय पर गिर गई. तार गिरते ही गाय बूरी तरह जल गई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई. साथ ही जमीन पर गिरे तार के वजह से ग्राउंड में करंट दौड़ाने लगी आनन-फानन में ग्रामीणों ने किसी तरह बिजली विभाग को सूचना देकर लाइन कटवाया. ग्रामीणों ने बताया कि जिस स्थान पर तार गिरी है उस मैदान में गांव के दर्जनों बच्चे खेलने जाते हैं गनीमत रही कि आज घटना के वक्त मैदान में कोई नहीं था, नहीं तो कोई बड़ी घटना घट सकती थी. वहीं, घटना के बाद लोगों की भीड़ जुट गई. गाय की मौत से मवेशी मालिक को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है.

आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम गुवा में आज

नोवामुंडी। आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम गुवा में आगामी 24 नवंबर को आयोजन किया जाएगा. इसकी जानकारी देते हुए नोवामुंडी प्रखंड विकास पदाधिकारी अनुज बांदो ने कहा कि गुवा बाजार स्थित भारतीय स्टेट बैंक के पीछे आगामी 24 नवंबर को आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन होगा. इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न शिविर का आयोजन कर योजनाओं का लाभ लाभुकों तक पहुंचाने का लक्ष्य है. इसमें शिविर के माध्यम से सहायता केंद्र एवं निबंधन कार्य, सर्वजन पेंशन योजना संबंधित कार्य, मनरेगा, आवास एवं अबुवा आवास, 15 वे वित्त आयोग एवं डीएमएफटी फंड से संबंधित कार्य इत्यादि योजनाओं का शिविर लगाया जाएगा.

नाबालिग प्रेमी जोड़े को विवाह करने से रोका

मनोहरपुर। एस्पायर संस्था ने गुरुवार को मनोहरपुर थाना अंतगत् मनोहरपुर पूर्वी पंचायत के ग्राम मेदासाई चंपीया टोला में नाबालिग प्रेमी जोड़े को बाल विवाह करने से रोक दिया है.वहीं ग्रामीणों की सूचना पर बाल विवाह का यह मामला एस्पायर संस्था को दिया गया था.इसके बाद उक्त संस्था के ग्राम पंचायत मॉबलाईजर एवं कल्सटर फेसीलेटर दीपक कुमार एवं मानसी संस्था के ब्लॉक कॉर्डिनेटर सालोम तिर्की ने इसपर एक्शन लिया. पंचायत के मुखिया पूजा कुजूर,उपमुखिया सबीना बरजो व ग्राम प्रधान की मौजूदगी में दोनों नाबालिग किशोर 15 वर्षीय गोनो चंपीया एवं 18 वर्षीय किशोरी गुरुवारी कण्डुलना को इस विवाह को गैरक़ानूनी व असंवैधानिक बताया.

कैंडल मार्च कर दुकानदारों ने दी हाथियों को श्रद्धांजलि

मुसाबनी। मुसाबनी बाजार समिति के सदस्यों ने गुरुवार देर शाम को कैंडल मार्च निकालकर मृत पांच हाथियों को श्रद्धांजलि दी. बाजार समिति के अध्यक्ष सरदार राजु के नेतृत्व में मुसाबनी बाजार में कैंडल मार्च निकाला गया. बाजार समिति के अध्यक्ष सरदार राजु ने बताया कि बिजली विभाग और वन विभाग के लापरवाही से 5 बेजुबान जीव मौत के काल में समा गये. मुसाबनी वन क्षेत्र में हाथियों की मौत से बाजार समिति के सभी सदस्य आहत हैं. कैंडल मार्च में समिति के अध्यक्ष सरदार राजु सिंह, पप्पू अली, जलधर प्रधान, मानस नामाता, मोहम्मद इम्तियाज, विवेक गुप्ता, सरफराज अंसारी, फोटीक भकत, रंजीत वर्धन, अनिल गुप्ता, किशोर वर्धन के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे.

जब-जब मंदिर का जिक्र होगा, दोनों भाइयों का नाम जरूर लिया जाएगा : बैद्यनाथ राम

दो मुस्लिम भाइयों ने मंदिर के लिए दान दी अपनी जमीन

आशीष टैगोर। लातेहार

दो मुस्लिम भाइयों ने सांप्रदायिक सौहार्द्र की मिसाल पेश की है. उन्होंने शहर के रेलवे स्टेशन के डुरूआ क्षेत्र में मंदिर निर्माण के लिए अपनी बेशकीमती जमीन दान में दे दी. दरअसल डुरूआ गांव में नर्मदेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है. इसके लिए दो मुस्लिम भाई मो. महताब आलम और मो. रब्बानी हुसैन ने अपनी बेशकीमती जमीन दान कर दी. गुरुवार को स्थानीय विधायक बैद्यनाथ राम ने मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया और निर्माण कार्य की आधारशिला रखी. उन्होंने पहली ईंट रखकर मंदिर निर्माण कार्य प्रारंभ कराया. मौके पर मंत्रोच्चारण पंडित संतोष मिश्रा ने किया. दो मुस्लिम भाइयों ने भी मंदिर निर्माण में ईंट रखी. मो. महताब आलम ने 'शुभम संदेश' से बात करते हुए बताया कि हर धर्म हमें परोपकार करने का संदेश देता है. किसी भी धर्म में हिंसा का कोई स्थान नहीं है. वे सभी धर्मों का सम्मान करते हैं. जब मंदिर निर्माण समिति के लोगों ने भूमि दान करने का आग्रह किया तो वे सहर्ष तैयार हो गये.

हमेशा याद किए जाएंगे दोनों मुस्लिम भाई : बैद्यनाथ

विधायक बैद्यनाथ राम ने मो महताब और मो रब्बानी हुसैन को मंदिर निर्माण के लिए भूमि दान देने पर बधाई दी. उन्होंने कहा कि दोनों भाइयों ने सराहनीय व प्रेरणादायक कार्य किया है. वे हमेशा याद किये जायेंगे. जब भी इस मंदिर का जिक्र होगा, दोनों भाइयों का नाम जरूर आयेगा. विधायक ने कहा कि दोनों भाइयों ने सांप्रदायिक सौहार्द्र की मिसाल पेश कर समाज को एक अच्छा संदेश दिया है. आधारशिला कार्यक्रम में समाजसेवी सरयू प्रसाद सिंह, पंकज तिवारी, आफताब आलम, मनिका विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर यादव, लातेहार विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, अंकित पांडेय, वीरेंद्र पाठक, मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नवीन कुमार पांडेय, जीतेंद्र यादव, संजीत कुमार गुप्ता, केशव यादव, कर्मदेव साव, चंदन कुमार, अरविंद पाठक, किशोरी प्रसाद गुप्ता, विनोद कुमार व दीपक कुमार उपस्थित थे.

रोकथाम के लिए विभाग हुआ सक्रिय, दवाइयों का हो रहा वितरण

सुंदरपहाड़ी में मलेरिया का प्रकोप

संवाददाता। गोड्डा

गोड्डा जिला के सुंदरपहाड़ी प्रखंड के बड़ा सिंदरी पंचायत अंतर्गत कुछ गांवों में मलेरिया के बढ़ते प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय हो गई है. एक दिन पूर्व कमिश्नर लालचंद्र दाडेल ने भी प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर मलेरिया की स्थिति को जाना और जिला प्रशासन को निर्देश दिया था. इस निर्देश के बाद शुक्रवार को उपायुक्त के निर्देशन में पूरा स्वास्थ्य महकमा समेत अन्य पदाधिकारी की टीम सीएम के विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पड़ने वाले सुंदरपहाड़ी प्रखंड के विभिन्न गांवों का दौरा कर मलेरिया की रोकथाम के लिए प्रयास कर रही है. इस इस क्षेत्र के कई बच्चों को मलेरिया से ग्रसित होने की बात सामने आने के बाद मलेरिया प्रभावित गांवों में रोग के रोकथाम एवं बचाव की दिशा में युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है.

गांवों का मास सर्वे : डीसी जीशान कमर के पहल के बाद पंद्रह मेडिकल टीमों का गठन कर बड़ा सिदरी पंचायत के सभी सोलह गांवों का मास सर्वे कराया जा रहा है. उपायुक्त ने भी स्वयं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुंदरपहाड़ी जाकर वस्तुस्थिति का जायजा लिया. प्रभावित क्षेत्रों में मलेरिया रोग के प्रसार को रोकने और पीड़ित व्यक्तियों के उपचार के लिए आवश्यक सभी दवाएं रैपिड जांच किट उपलब्ध कराते हुए मलेरिया प्रभावित गांवों में वितरण कराया जा रहा है. लेकिन, आधे दर्जन से अधिक गांवों में मलेरिया का प्रकोप होने की बात सामने आ रही है.

खास बातें

- कमिश्नर के दौरे के बाद उपायुक्त भी पहुंचे
- लापरवाही से जा रही पहाड़िया बच्चों की जान
- सभी 16 गांवों का बड़े स्तर पर सर्वे कराया जा रहा है

विभाग की लापरवाही से फैल रही है बीमारी

विभाग की लापरवाही से पहाड़िया क्षेत्र में बीमारी फैलती है. सुदूरवर्ती पहाड़ों पर रहने वाले इन पहाड़िया आदिम जनजातियों को सरकार की योजना का बहुत ही कम लाभ मिल पाता है. कागजों पर सौ प्रतिशत कार्य दिखया जाता है मगर सरजमीं पर चौथाई भी नही होता है. अब जब मलेरिया का प्रकोप हुआ है तो एक बार फिर विभाग सक्रिय हुआ है और औने पौने खानापूर्ति करने में लगा हुआ है. इसकी जिम्मेदारी तय कर कार्यवाही होनी चाहिए. इलाज हेतु रोग की तीव्रता को देखते हुए आयु वर्ग के अनुसार क्लोरोक्यूनेन, प्राइमाक्यूनेन और मलेरिया केसों के मामले में दी जाने वाली चिकित्सकीय सलाह के अनुरूप दवाओं, एसीटी किट, मेडिकेटेड मच्छरदानी एवं सामान्य मच्छरदानी आदि के वितरण का कार्य किया जा रहा है. मलेरिया से जान माल का कितना नुकसान हुआ है इस संबंध में प्रशासन द्वारा कोई सटीक जानकारी नहीं दी गई है.

आदिवासी संगठन जगा तो जागा प्रशासन

सुंदरपहाड़ी प्रखंड के पहाड़िया बहुल गांवों में मलेरिया से जब स्थिति भयावह हो गई तब इसकी आवाज विश्व आदिवासी अखिल एवन संगठन ने उठाई और मामला उपायुक्त तक पहुंचा. इसके बाद स्वास्थ्य महकमा सक्रिय हुआ और आनन फानन में उपयुक्त ने 16 से अधिक मेडिकल टीम बनाकर इस क्षेत्र में आधे दर्जन से अधिक प्रभावित गांवों में जगह-जगह कैंप लगवाया. जोलो पंचायत अंतर्गत कई गांव में कैंप लगाकर इलाज किया जा रहा है. अब तक ढाई सौ से अधिक ग्रामीणों का जांच किया जा चुका है. जिसमें 110 ग्रामीणों के लक्षण पॉजिटिव पाए जाने के बाद उनका अलग से विशेष निगरानी में इलाज किया जा रहा है. इनमें से अधिकांश रोगियों को ब्रेन मलेरिया और पीवी मलेरिया के मिले है. जिसमें एक दर्जन से अधिक बच्चे भी शामिल है. जान माल के नुकसान की कोई विस्तृत जानकारी ग्रामीण द्वारा नहीं मिल पाई है. इस संबंध में प्रशासनिक अधिकारी के पास भी पास भी कोई पुख्ता सूचना नहीं है. संगठन के अध्यक्ष संजय किस्कू ने बताया कि जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई तब इसकी सूचना हमलोगों ने जिला स्तर पर एवं राज्य स्तर पर अधिकारियों के पास भिजवाया और टीम पहुंची है और इलाज किया जा रहा है. स्थिति में अब सुधार हो रहा है.

जावेद खान बने भाजपा सारंडा मंडल अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष

किरीबुरु। भाजपा के सारंडा मंडल अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जावेद खान बनाये गये. मेघाहातुबुरु स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में यह घोषणा जगन्नाथपुर विधान सभा क्षेत्र के विस्तारक लक्ष्मी नारायण भगत ने की. उल्लेखनीय है कि भाजपा कार्यालय में पंचायत स्तरीय बूथ सत्यापन हेतु विशेष बैठक आयोजित की गई थी. इस बैठक में भगत ने तमाम बूथ अध्यक्षों के कार्यों का जायजा लिया तथा बूथ कमिटियों को और मजबूत करने, भाजपा के जन विकास से जुड़ी तमाम कार्यों को जन जन तक पहुंचाने का निर्देश दिया. इस दौरान सारंडा मंडल महामंत्री रवीन्द्र पाल सिंह उर्फ बंटी, मंत्री अमर दास, उपाध्यक्ष कोमल लोचन दास, वीरु करुवा के अलावा कई लोग मौजूद थे.

संजीव सिंह की अंतरिम जमानत याचिका खारिज

धनबाद। अपने चचेरे भाई के हत्या के षड्यंत्र में छह वर्षों से जेल में बंद झरिया के पूर्व भाजपा विधायक संजीव सिंह को एक बार फिर अदालत से झटका लगा. गुरुवार को धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत ने संजीव की जमानत अर्जी खारिज कर दी. इसके पूर्व संजीव की जमानत अर्जी तीन बार निचली अदालत से व दो बार उच्च न्यायालय से खारिज हो चुकी है. जमानत अर्जी पर दलील देते हुए अधिवक्ता मो जावेद ने कहा कि संजीव सिंह सात विभिन्न प्रकार के बीमारियों मानसिक अस्वस्थता, ह्रदय रोग व शरीर के बाएं हिस्से में दर्द, जिसे एक प्रकार का लकवा का लक्षण कहा जाता है, के अलावा भूल जाने, डिमेंशिया व अन्य प्रकार के रोग से ग्रसित हैं.

झारखंड मजदूर संघर्ष संघ ने की श्रमिकों के साथ बैठक

संवाददाता। नोवामुंडी

झारखंड मजदूर संघर्ष संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार देर शाम को सेलकर्मी एवं ठेका श्रमिकों के साथ रेलवे मार्केट स्थित अपने कार्यालय में बैठक की. बैठक की अध्यक्षता राजेश यादव ने की.

झारखंड मजदूर संघर्ष संघ के केंद्रीय अध्यक्ष रामा पांडे ने कहा कि गुवा में एएलसीएलईओ मैं शिकायत दर्ज कराई गई है कि रिटायर कर्मी को रिटायर होने से पूर्व उसके एक आश्रित को गुवा सेल में नौकरी दी जाए.रिटायर्ड कर्मियों को सेल प्रबंधन द्वारा आवास खाली करने का नोटिस दिया गया है इसे बंद किया जाए. सेवानिवृत सेल कर्मियों को 2.5 लाख रुपए लेकर आवास आवंटन की जाए, जैसा की सेल के अन्य सेक्टर में यह स्कीम लागू है. ठेका श्रमिकों से हाई स्किल्ड का कार्य कराया जाता है तो उसे हाई स्किल्ड का वेतन भुगतान की जाए. गुवा सेल अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की बहाली की जाए.आए दिन गुवा सेल अस्पताल में दवा नो स्टॉक रहता है इसको देखते हुए अस्पताल में दवाइयां की उपलब्धता कराई जाए. गुवा बाजार का सौंदर्यीकरण की जाए.सेल के क्वार्टरों में आरो पानी की सप्लाई की जाए. गुवा से नोवामुंडी कॉलेज आने जाने के लिए छात्र-छात्राओं के लिए बस की सुविधा दी जाए. गुवा डीएवी स्कूल में शिक्षा स्तर में सुधार की जाए इत्यादि मांगे हैं. अगर सेल प्रबंधन इन मांगों पर कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं करती है तो बहुत ही जल्द आंदोलन की रूपरेखा तैयार करते हुए आंदोलन की जाएगी.

गरीबों की सुननेवाला कोई नहीं

संवाददाता। धनबाद

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम शुक्रवार से शुरू होगा, निर्धन लोगों से राशन कार्ड के लिए आवेदन भी लिए जायेंगे. इसे लेकर जिला प्रशासन ने तैयारी भी पूरी कर ली है, लेकिन जो लोग पहले से राशन कार्ड बना चुके है, उन्हें ही हर माह राशन नहीं मिल पा रहा है. ताजा मामला वार्ड 20 के जय प्रकाश नगर का है. अजय कुमार नामक लाभुक ने बताया कि मेरे पास लाल कार्ड है, फूला देवी नामक एक पीडीएस डीलर के पास से राशन उठता था. लेकिन, इन्होंने जुलाई, अगस्त, सितंबर माह का राशन नहीं दिया. फूला देवी के स्टॉफ ने हर माह अगले माह बकाया राशन देने की बात कह टालमटोल करता रहा. इसके बाद पूर्व डीएसओ योगेंद्र प्रसाद से शिकायत की, उन्होंने बकाया राशन दिलाने का आश्वासन भी दिया था, लेकिन आज तक बकाया राशन नहीं मिला. अब अचानक हमारा कार्ड दूसरे डीलर के पास ट्रांसफर कर दिया गया है. वहां भी सिर्फ नवंबर का राशन मिला है. यह समस्या मेरे जैसे करीब 200 कार्ड धारियों के साथ है. लेकिन हम गरीबों का सुनने वाला कोई नहीं है. वहीं जय प्रकाश नगर निवासी हरी प्रसाद ने बताया कि छह माह पूर्व ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन किया था, आज तक मेरा ग्रीनकार्ड नहीं बना है. जब जब आपूर्ति शाखा जाता हूं, वहा सिर्फ आश्वासन ही मिलता है. मेरे जैसे कई अन्य लोग भी है, जिनका राशन कार्ड अभी तक बनकर नहीं आया है. हमलोग पूर्व पार्षद अशोक पाल से भी फरियाद कर चुके है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है. इस संबंध में वर्तमान डीएसओ पीके शुक्ला से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन वे कार्यालय में अनुपस्थित मिले.

विडंबना नियमानुसार अधिकारी चतुर्थवर्गीय कर्मियों से नहीं करा सकते हैं कोई भी निजी काम

कर्मियों से घर और बगीचा में काम करवाते हैं अधिकारी

संवाददाता। धनबाद

धनबाद रेल मंडल के दर्जनों अधिकारियों के बंगले में 100 से अधिक रेलकर्मी काम करते हैं. 2010 में रेलवे बोर्ड ने जारी निर्देश में कहा था कि अधिकारी बंगले में चतुर्थवर्गीय कर्मी से काम नहीं करा सकते हैं. रेलवे सूत्रों के अनुसार, 13 साल पहले जारी निर्देश को ताक पर रख आज भी दो शिफ्ट में बारह-बारह घंटे कर्मियों से घर व बगीचा में सारा काम कराते हैं. धनबाद रेल मंडल के मुख्यालय मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय धनबाद में पदस्थापित एक क्लास वन ऑफिसर के बंगला में काम करने वाला चतुर्थवर्गीय रेलकर्मी ने नाम नहीं छापने के शर्त पर कहा कि साहब के निर्देश पर वह पिछले दस वर्षों से काम कर रहा है. दस वर्षों में तीन साहब तबादले के बाद धनबाद आए और गए, लेकिन वह उसी बंगले में नौकरों की तरह काम करता है. उसे रेलवे में परिचालन विभाग में नौकरी मिली है लेकिन, वह अधिकारी के बंगले में काम करने को विवश है. साहब या मेम साहब की ओर से कहा गया काम में एक से दो मिनट भी विलंब होती है तो डांट-फटकार के साथ-साथ पिटाई भी होती है. अगर साहब के बंगले में काम छोड़ दिए तो नौकरी भी हमेशा के लिए चली जाएगी. साहब बार-बार धमकी देते हैं कि समय पर पूरा काम करो वरना नौकरी से बर्खास्त कर देंगे.

सिस्टम कुंद

- बंगले में नौकरों की तरह काम करते हैं रेलकर्मी
- दो शिफ्टों में रेलकर्मियों से कराते हैं सारा काम

काम से इंकार किया कर्मी तो चोरी के केस में फंसाया

सूत्रों के अनुसार 2019 में दो रेलकर्मियों ने एक रेल अधिकारी के बंगले में काम करने से इंकार किया तो उसे थाना में चोरी का केस कर फंसाया गया. पुलिस अधिकारी से पैरवी करा कर दोनों रेलकर्मियों को धनबाद स्टेशन से गिरफ्तार कराया गया. मामले ने तूल पकड़ा तो दर्जनों रेलकर्मियों ने यूनियन के पदाधिकारियों के साथ डीआरएम कार्यालय व थाना के घेराव किया. वरीय पुलिस अधिकारी से मिले और मामले की सही जानकारी दी. उसके बाद केस को वापस लिया गया, लेकिन बाद में दोनों रेलकर्मियों को सीआईसी सेक्शन में धनबाद से सैकड़ों किमी दूर सिंगरौली तबादला कर दिया गया था. यही वजह है कि रेलकर्मी अधिकारी का विरोध नहीं करते हैं और परिवार का भरण पोषण के लिए काम करते हैं.

16 नगर निकायों में बन रहा विद्युत शवदाह गृह

सत्य शरण मिश्रा। रांची

झारखंड के 16 नगर निकायों में 15वें वित्त आयोग की राशि से अत्याधुनिक विद्युत शवदाह गृह का निर्माण हो रहा है. 47.13 करोड़ रुपए की राशि से ये गैस फायर्ड विद्युत शवदाह गृह बन रहे हैं. इनमें से 9 का निर्माण पूरा हो चुका है. आदित्यपुर, चक्रधरपुर, जुगसलाई, सरायकेला, सिमडेगा, लोहरदगा, गिरिडीह, लातेहार और चाईबासा में विद्युत शवदाह गृह बन कर तैयार है. कुछ जगहों पर इसे चालू भी कर दिया गया है. कोडरमा, गोड्डा और धनबाद में बन रहा विद्युत शहदाह गृह फरवरी 2024 तक कंप्लीट होगा, वहीं दुमका और गोड्डा के शवदाह गृह मार्च तक बनकर तैयार हो जाएंगे. खूंटी, गुमला, गोड्डा और गिरिडीह में विद्युत शवदाह गृह का काम चालू है.

इन निकायों में बन रहे विद्युत शवदाह गृह : धनबाद, कोडरमा, गिरिडीह, चास, सरायकेला, चाईबासा, खूंटी, लातेहार, चतरा, गुमला, सिमडेगा, गोड्डा, दुमका, जुगसलाई, आदित्यपुर, चाईबासा.

हजारीबाग : हजारीबाग के खिरगांव में भी 6-7 साल पहले विद्युत शवदाह गृह बना था. लेकिन वहां आज तक एक भी बॉडी नहीं जली. 1991 में धनबाद के मोहलबानी में बने विद्युत शवदाह गृह का चार बार उद्घाटन हो चुका है, लेकिन अभी भी वहां यह शुरू नहीं हो पाया है.

जमशेदपुर : जमशेदपुर में ही विद्युत शवदाह गृह सफल रहा है. यहां बिष्टुपुर के पार्वती घाट और स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पर बने शवदाह गृह काम कर रहे हैं. अब सालगाझुड़ी में भी नया विद्युत शवदाह गृह बन रहा है.

धनबाद : धनबाद के मेहुलबानी में 1990 में बना विद्युत शवदाह गृह भी कई बार खुलते-बंद होते रहा. चौथी बार अप्रैल 2023 में यह शुरु हुआ है.

15वें वित्त आयोग की राशि से बन रहे शवदाह गृह

राजधानी रांची और हजारीबाग में विद्युत शवदाह गृह की योजना फेल होने के बाद सरकार ने नगर निकायों में गैस आधारित विद्युत शवदाह गृह बनाने की योजना बनाई थी. 15वें वित्त आयोग से 16 निकायों के लिए 47 करोड़ रुपये आवंटित किये गये. हर निकाय को 3-3 करोड़ की राशि दी गई है. सभी निकायों में बनने वाले शवदाह गृह एक ही डिजाइन के हैं. जुडको ने इसका मॉडल बनाया है. जुडको से ही इस योजना की मॉनिटरिंग की जा रही है. जिन निकायों में शवदाह गृह के निर्माण की प्रगति धीमी है, उन्हें जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है.

फील्ड अपडेट

ईडी ने झारखंड हाईकोर्ट को सौंपी रिपोर्ट

रांची। रांची के बिरसा मुंडा जेल में बंद मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपियों द्वारा अफसरों को फंसाने की साजिश और गवाहों को धमकाने के मामले में ईडी ने गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट को सीलबंद रिपोर्ट सौंप दी. चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की बेंच ने रिपोर्ट देखने के बाद ईडी से पूछा कि क्या वह इसे राज्य सरकार के साथ शेयर कर सकती है? कोर्ट ने इस संबंध में ईडी को अगली सुनवाई की तारीख को प्रति-शपथ पत्र दाखिल करने को कहा है. इस मामले में अगली सुनवाई 15 दिसंबर को होगी. इससे पहले हाईकोर्ट ने 7 नवंबर को एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान ईडी से इस प्रकरण में सीलबंद रिपोर्ट मांगी थी. ईडी ने पीएमएलए कोर्ट में दिए गए आवेदन में कहा था कि मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जेल में बंद कुछ अभियुक्त ईडी के अफसरों को झूठे मुकदमे में फंसाने और उन्हें नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रहे हैं.

पीडीएस दुकान की जांच में मिली कई खामियां

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर दादर टोला पोखराही में सुरेंद्र जन वितरण प्रणाली दुकान की जांच की. जांच के दौरान जन वितरण प्रणाली की दुकान बंद पाई गई. प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने जांच के बाद अनुमंडल पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण को रिपोर्ट दे दी है. रिपोर्ट में बताया गया है कि जन वितरण प्रणाली के दुकानदार द्वारा कार्ड धारी को समय पर राशन नहीं दिया जाता है. पर्ची निकालकर राशन एवं पर्ची कार्ड धारी को नहीं दिया जाता. जून 2023 और नवंबर 2023 का अभी तक राशन का वितरण कार्डधारियों के बीच नहीं किया गया है. कार्डधारी के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है. कहा जाता है कि जहां जाना है वहां जाओ, मेरा कुछ भी नहीं बिगड़ेगा. चावल के लिए अलग और गेहूं के लिए अलग अंगूठा लगाया जाता है. जांच के दौरान जन वितरण प्रणाली की दुकान बंद पाया गया.

अंचल कार्यालय में म्यूटेशन के कई मामले पेंडिंग

धनबाद। धनबाद अंचल में म्यूटेशन के पेंडिंग मामलों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. राज्य सरकार एवं जिला उपायुक्त के आदेश का पालन भी नहीं किया जा रहा है. राज्य सरकार का सख्त आदेश है कि आवेदन के 30 दिनों के भीतर मामले का निपटारा कर देना है. म्यूटेशन के पेंडिंग मामलों को न तो स्वीकृति दी जा रही है, न ही रिजेक्ट किया जा रहा है. धनबाद उपायुक्त वरुण रंजन ने जिले के सभी अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया था कि म्यूटेशन के मामलों में पेंडेंसी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. इसके साथ ही हर महीने म्यूटेशन के पेंडिंग मामलों की समीक्षा करने का भी आदेश दिया था. इसके बावजूद धनबाद अंचल में म्यूटेशन के कुल 2189 मामलें पेंडिंग हैं, जिनमें 30 दिनों से ज्यादा के 493 और 90 दिनों से ज्यादा के 591 मामले शामिल हैं. इसी तरह ई-समाधान पोर्टल पर भी पेंडिंग पड़े मामलों में होल्ड पर 18, ओवर ड्यू 33, अंडर प्रोसेस 7 और रिजेक्ट हुए 8 मामले हैं.

अवैध माईन्स के मुहानों की डोजरिंग कर हुई भराई

झरिया। बीसीसीएल क्षेत्र संख्या 10 अंतर्गत बरारी कोलियरी में गुरुवार को कई जगह चल रहे कोयला के अवैध माईन्स के मुहानों को परियोजना पदाधिकारी ए के पांडेय के नेतृत्व में डोजरिंग कर भराई की गई. इस दौरान सीआईएसएफ तथा क्षेत्र के बीसीसीएल के कई पदाधिकारी मुस्तैद दिखी. रियोजना पदाधिकारी ए के पांडेय ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बरारी कोलियरी क्षेत्र के भूलन बरारी बाजार धौड़ा, पंखा घर में अवैध कोयले की माईन्स के द्वारा कोयले की उत्खनन की जा रही थी, जिसकी सूचना पाकर बीसीसीएल के परियोजना पदाधिकारी ने डोजरिंग कर अवैध कोयला तस्करों पर नकेल कसने की एक मुहिम चलाया है. उन्होंने कहा की क्षेत्र में अवैध कोयला के जरिये राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है, हर हाल पर इसमें अंकुश लगाया जाएगा. अवैध कोयला तस्कर बीसीसीएल के बंद माईन्स को बाहर मजदूर के जरिये कोयले की निकासी करती है.

एनएच 32 पर अचानक पहुंचा गजराज, उमड़ी भीड़

चांडिल। दलमा वन्य प्राणी आश्रयणी से उतरकर एक हाथी नीमडीह प्रखंड के रघुनाथपुर पहुंच गया. हाथी रघुनाथपुर के सामने चांडिल धनबाद राष्ट्रीय राजमार्ग 32 पर घुमने लगा. सड़क पर जंगली हाथी को घुमता देख लोग उसे देखने के लिए पहुंचने लगे. लोगों ने सामूहिक रूप से हाथी को भगाने का प्रयास भी किया. ग्रामीणों ने जंगली हाथी को खदेड़ते हुए होदागोड़ा जंगल में खदेड़ दिया. जंगली हाथी के आबादी वाले क्षेत्र में घुमने पर स्थानीय लोग काफी भयभीत हैं. बताया गया कि चांडिल वन क्षेत्र के नीमडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत तिल्ला पंचायत के कुशपुतुल जंगल के रास्ते विशाल टस्कर हाथी रघुनाथपुर पहुंचा था. भटककर गांव की ओर से पहुंचा जंगली हाथी गुरुवार की शाम रामनगर के पास था. ग्रामीणों ने बताया कि हाथी जख्मी हालत में है. उसके दहिना आंख के पास और दो पैरों में चोट के निशान है. अकेला हाथी कहीं भी फसल आदि को अधिक नहीं खा रहा है.

मांदर वादक प्रयाग महतो का बना आयुष्मान कार्ड

बोकारो। आखिरकार शुभम संदेश का प्रयास रंग लाया. बोकारो जिले के सुदूरवर्ती सिंहपुर के रहने वाले 70 वर्षीय मांदर वादक प्रयाग महतो का नाम राशन कार्ड में दर्ज हो गया गया. गुरुवार को उनका आयुष्मान कार्ड भी बन गया. आयुष्मान कार्ड बनते ही उन्होंने शुभम संदेश का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि अब उन्हें तीन महीने से प्रोस्टेट के दर्द से छुटकारा मिल जाएगा. 26 नवंबर को वह अपने बेटे सुखदेव महतो के साथ रांची जाएंगे, जहां एक बड़े अस्पताल में उनके प्रोस्टेट का निःशुल्क ऑपरेशन होगा. ज्ञात हो कि प्रयाग महतो का नाम राशन कार्ड में नहीं रहने के कारण उनका आयुष्मान कार्ड नहीं बना था, जिसके कारण वे प्रोस्टेट का ऑपरेशन नहीं करा पा रहे थे. शुभम संदेश के संवाददाता को उन्होंने अपनी आपबीती सुनाई. अगले दिन एक नवंबर के अंक में शुभम संदेश अखबार में प्रयाग महतो शीर्षक से खबर प्रमुखता से प्रकाशित की गई थी.

पंजाबी एल्बम 'लिफ्ट अप' धूम मचाने को तैयार

जमशेदपुर। यूं तो लौहनगरी ने बॉलीवुड को कई कलाकार दिए है, फिर चाहे वो अदाकार हो या गायक. इसी विरासत को और आगे ले जाने के लिए शहर के सिख गायक गुरदीत सिंह चोहला अपने एल्बम 'लिफ्ट अप' के जरिये संगीत की दुनिया में छा जाने को तैयार हैं. टेल्को के खरंगाझार निवासी गुरदीत सिंह चोहला के एल्बम 'लिफ्ट अप' का गीत तेरे वरगे नु घर तों चक लाइदा" यूट्यूब पर 24 नवंबर को लॉन्च होगा. एल्बम ''''लिफ्ट अप'''' का पोस्टर गुरुवार को सीजीपीसी कार्यालय में लॉन्च हुआ. इस अवसर पर प्रधान भगवान सिंह सहित सरदार शैलेन्द्र सिंह, गुरचरण सिंह बिल्ला, सुखदेव सिंह बिट्टू, अमरीक सिंह त्रिलोचन सिंह तोची, गायक गुरदीत सिंह चोहला और एल्बम के कलाकार सुरेंदर सिंह छिन्दे व कुलदीप सिंह शेरगिल मौजूद थे. गीत और एल्बम के बारे में बात करते हुए चोहला ने बताया कि यह पंजाबी गीत है, जिसका वीडियो शूट जमशेदपुर के बाराबांकी की खूबसूरत वादियों में किया गया है. इसमें शहर के युवकों ने अदाकारी की है.

ब्रीफ खबरें

पटना में 13 लाख के आभूषण की लूट

पटना । बेखौफ अपराधियों ने राजधानी पटना में भीषण डकैती की घटना को अंजाम दिया है. अपराधी पहले घर का दरवाजा तोड़ घर में दाखिल हुए. इसके बाद एक-एक कर 15 अपराधी घर में घुस गए. इस दौरान उन्होंने घरवालों को हथियार का भय दिखाते हुए भीषण लूट की घटना को अंजाम दिया. जानकारी के अनुसार, अपराधियों ने घरवालों को बंधक बनाकर एक लाख नकद और 13 लाख के आभूषण की लूट लिए. घटना खुसरूपुर थानाक्षेत्र के बैकटपुर राजपूत टोला की है. घटना मध्य रात्रि की बतायी जा रही है.

नवादा के दो मजदूरों की बेंगलुरु में मौत

नवादा । बेंगलुरु में बिहार के दो मजदूरों की मौत हो गई है. दरअसल बेंगलुरु के अनेकल तालुक स्थित तिरुपलाया में श्री निवास रेड्डी के सनशाइन होल्डिंग कंपनी द्वारा संप हाउस की सफाई करवाई जा रही थी. इसी दौरान नालंदा जिले के रहने वाले मजदूर चंदन राजवंशी और पिंटू राजवंशी की दम घुटने से मौत हो गई. मृतक मजदूरों की पहचान नालंदा जिला के सिंगार खास स्थित पुरानी हरदिया गांव निवासी लालो राजवंशी के पुत्र 29 वर्षीय चंदन राजवंशी और 21 वर्षीय पिंटू राजवंशी के रूप में हुई है.

प्रेम-प्रसंग के मामले में युवक की हत्या

सीतामढ़ी । सीतामढ़ी में प्रेम-प्रसंग में युवक की हत्या का मामला सामने आया है. घटना जिले के पुनौरा थाना क्षेत्र के पुनौरा मंदिर के पीछे स्थित खाली मैदान की है, जहां युवक को अधमरे हालत में इलाज के निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया. लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के कोट बाजार वार्ड 9 निवासी मदन मोहन प्रसाद के 23 वर्षीय पुत्र जीतू कुमार के रूप में की गई है. बताया गया कि मृतक के सर पर लोहे के रॉड से हमला किया जाना प्रतीत होता है.

25 लाख स्कूली बच्चों के लिए मिशन दक्ष शुरू करेगी सरकार

संवाददाता । पटना

बिहार सरकार ने पढ़ने-लिखने में कमजोर 25 लाख स्कूली बच्चों के शिक्षण स्तर में सुधार के लिए एक दिसंबर से 'मिशन दक्ष' शुरू करने का निर्णय लिया है. शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि मिशन दक्ष के तहत राज्य शिक्षा विभाग ने शिक्षकों को कहा है कि वह अधिकतम पांच छात्रों का समूह बनाएंगे और उनका मार्गदर्शन करेंगे. शिक्षकों को चेतावनी भी दी गई है कि लापरवाही बरतने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है.

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने 21 नवंबर को सभी जिलाधिकारियों को पत्र लिखा और उन्हें एक दिसंबर से दैनिक आधार पर अपने क्षेत्रों में कार्यक्रम की प्रगति की निगरानी करने का अनुरोध किया है. पत्र में कहा गया कि 'मिशन दक्ष' के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में जिलावार निगरानी समितियां बनायी जाएंगी. पत्र के अनुसार जिलाधिकारियों ने जुलाई में नियमित निरीक्षण और निगरानी शुरू की और यह पाया कि लगभग सभी सरकारी स्कूलों में पढ़ने-लिखने में कमजोर छात्रों की संख्या काफी अधिक है. इसे ध्यान में रखते हुए विभाग ने राज्य भर के सभी सरकारी स्कूलों में एक दिसंबर से 'मिशन दक्ष' शुरू करने का फैसला किया है ताकि ऐसे छात्रों के शिक्षण स्तर में सुधार हो सके. पत्र में कहा गया, पढ़ने-लिखने में कमजोर छात्र स्कूलों में अपने अन्य साथियों से बहुत पीछे हैं. उनमें से कुछ उच्च प्राथमिक कक्षाओं में पहुंचने के बावजूद हिंदी के सरल शब्दों को ठीक से पढ़ने में असमर्थ हैं.

पाठक ने निर्देश दिया कि ऐसे छात्रों की पहचान प्राथमिकता के आधार पर की जाए. उन्होंने पत्र में कहा, इसके बाद प्रधानाध्यापक शिक्षकों को अतिरिक्त कक्षाएं लेने के लिए कहेंगे (मध्याह्न भोजन के बाद). एक वक्त में पांच से ज्यादा छात्र नहीं होने चाहिए. ऐसे छात्रों को कठिन अवधारणाओं को समझने और सीखने की खाई को पाटने के लिए व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने की आवश्यकता होती है. उन्होंने कहा, सभी 25 लाख (लगभग) ऐसे कमजोर छात्र अप्रैल 2024 में अंतिम परीक्षाओं में शामिल होंगे. यदि ये छात्र परीक्षाओं में फेल होते हैं तो शिक्षा विभाग उनके संबंधित हेडमास्टर, शिक्षक और प्रधानाचार्यों के खिलाफ कार्रवाई करेगा. बिहार की नीतीश कुमार सरकार राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए पिछले एक वर्ष से कड़े कदम उठा रही है. सितंबर में पाठक ने जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) को उन छात्रों के माता -पिता के साथ बातचीत करने का निर्देश दिया था जिनकी उपस्थिति 50 प्रतिशत से कम है, और इसमें सुधार के लिए उपाय करने को कहा था.

आओ जानें

बिहार : सामान्य ज्ञान

ग्राम पंचायतों की संख्या	8387
पंचायत समिति की संख्या	534
जिला परिषद की संख्या	38
जिला परिषद सदस्यों की संख्या	1161
पंचायत समिति सदस्यों की संख्या	11497
ग्राम पंचायत सदस्यों की संख्या	114691
मुखिया की कुल संख्या	8387
ग्राम कचहरियों की कुल संख्या	8387
सरपंचों की संख्या	8387
ग्राम कचहरी के पंचों की कुल संख्या	114691
ग्राम पंचायत सचिव की कुल कार्यरत संख्या	3635
ग्राम कचहरी न्याय मित्र की संख्या	6947
ग्राम कचहरी सचिव की संख्या	7474
जिला पंचायत राज पदाधिकारी की संख्या	38
प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी की संख्या	528

उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बनाया केंद्र पर दबाव, बोले-

लागू 75 प्रतिशत आरक्षण को 9वीं अनुसूची में शामिल किया जाए

संवाददाता । पटना

बिहार में लागू 75 प्रतिशत आरक्षण को 9वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए अब राज्य सरकार ने अलग-अलग तरीके से केंद्र पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है. उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने गुरुवार को प्रेस-कॉन्फ्रेंस की. उन्होंने केंद्र से अपील की है कि सरकार बिहार में लागू 75 प्रतिशत आरक्षण को 9वीं अनुसूची में शामिल किया जाए. उन्होंने जातीय गणना के जब आंकड़े सामने आ गए हैं और सभी जातियों में गरीबी है तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निर्णय लिया कि आरक्षण की सीमा बढ़ाई जाए. तो सभी जातियों का आरक्षण बढ़ाया गया. सबने समर्थन भी किया. आगे कोई पेंच नहीं फंसे इसके लिए हमलोगों ने भारत सरकार से अपील की है कि इसे 9वीं सूची में शामिल करें.

तेजस्वी ने केंद्र पर दबाव बनाते हुए कहा कि जब आपकी (भाजपा) पार्टी ने भी समर्थन किया है तो फिर कोई सोचने की बात नहीं है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अविलंब बिहार के नए आरक्षण कानून को 9वीं सूची में डाल देना चाहिए. यह भी कहा कि तमिलनाडु में 69 प्रतिशत आरक्षण पहले से है. वहां केंद्र सरकार ने 9वीं सूची में शामिल किया है. ऐसे में जब केंद्र सरकार समर्थन कर रही है तो फिर कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए.

वित्त मंत्री विजय चौधरी बोले- यह नई मांग नहीं : तेजस्वी यादव की पीसी में वित्त मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद रहे. उन्होंने कहा कि 13-14 वर्षों से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग हो रही है. यह नई मांग नहीं है. देश में जातीय गणना कहीं नहीं हुई थी वो बिहार में हुई है. इससे विभिन्न जातियों का आंकड़ा निकलकर आया है. विभिन्न लोगों का आर्थिक आंकड़ा आया है. सभी गरीबों को न्याय दिलाने के लिए भारत सरकार से अपील की गई है कि बिहार के नई आरक्षण नीति को नौवीं सूची में डाला जाए. उन्होंने कहा कि बीजेपी हमेशा कहती है कि हम आरक्षण बढ़ाने का समर्थन करते हैं तो फिर समर्थन करिए.

गिरिराज बोले- बिहार में शरिया कानून लागू होने से बचाएं सीएम

बेगूसराय । केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार में शरिया कानून लागू होने की आशंका जताई है. उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर अपील की है कि वह बिहार में इस इस्लामिक कानून के लागू होने से बचाएं. उन्होंने कहा कि वोट बैंक की राजनीति करने वाले टुकड़े-टुकड़े गैंग ने इस देश के इस्लामीकरण के लिए ऐसे प्रावधान किए हैं, जो दुबई छोड़ ज्यादातर मुस्लिम देशों में प्रभावी हैं. उन देशों में हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट ही स्वीकार किया जाता है. उसी तरह का प्रोडक्ट बिहार में भी बना रहा है या खपाया जा रहा है. चाय और पनीर तक हलाल सर्टिफिकेशन के साथ आ रहे हैं और इससे भारत सरकार के एफएसएसएआई के समानांतर प्रावधान लाकर अवैध वसूली भी की जा रही है. मांस में हलाल समझ में आता है, लेकिन सामान्य रसोई के उत्पादों में हलाल सर्टिफिकेशन के जरिए इस्लामीकरण का कुत्सित प्रयास मुख्यमंत्री को रोकना चाहिए.

नक्सलियों के छिपे होने की सूचना पर कार्रवाई

राजू के घर पर एनआईए ने की छापेमारी

संवाददाता । गया

गया जिले के कोच थाना क्षेत्र से कुछ महीने पहले ही प्रतिबंधित संगठन भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता प्रमोद मिश्रा गिरफ्तार किया गया था. उसके बाद से ही गया जिले में विभिन्न ठिकानों पर देश के अलग-अलग सुरक्षा एजेंसी की टीम लगातार छापेमारी कर रही है. इसी क्रम में गुरुवार को जिले के कोंच थाना क्षेत्र के कठौतिया गांव और शहर के डेल्हा थाना क्षेत्र के गौतम बुद्ध नगर मोहल्ला स्थित पूर्व जिला पार्षद सह राजद नेता राजू यादव के घर पर एनआईए के टीम ने छापेमारी की. छापेमारी के दौरान कई कागजात टीम अपने साथ लेकर गई है. हालांकि, टीम के सदस्यों ने छापेमारी के संबंध में कुछ भी बताने से इनकार किया. छापेमारी के वक्त स्थानीय डेल्हा थाना की पुलिस भी मौके पर मौजूद थी. इस संबंध में राजू यादव के बड़े भाई रंजीत यादव ने बताया कि गुरुवार सुबह लगभग 8 की संख्या में रहे एनआईए के अधिकारी आए. आते ही उन्होंने कहा कि घर की महिलाएं और पुरुष अलग-अलग हो जाइए. इसके बाद वे लोग घर के सभी कमरों की तलाशी लेने लगे, लेकिन तलाशी के दौरान उन्हें कुछ भी नहीं मिला.

कैमूर में भी एनआईए ने की छापेमारी : उधर, कैमूर जिले में भी एनआईए की टीम ने रेड की है. अलग-अलग जगहों पर छापेमारी हुई है. जो जानकारी सामने आ रही है उसके अनुसार बुधवार (22 नवंबर) रात से ही छापेमारी हो रही है. एनआईए के अधिकारी कई टीम बनाकर भभुआ में दो प्रिंटर्स की दुकान के साथ ही कई ठिकानों पर छापेमारी की है. एनआईए के अधिकारी और स्थानीय प्रशासन के लोग कुछ भी बताने से परहेज कर रहे हैं. खबर लिखे जाने तक लक्की प्रिंटर्स और अग्रवाल प्रिंटर्स में छापेमारी चल रही थी.

पटना में युवक-युवती को मारी गोली, मौत

पटना । पटना में गुरुवार सुबह युवक और युवती की लाश मिली है. दोनों को गोली मारकर पालीगंज अनुमंडल स्थित खीरी मोर मंदारी गांव में खेत के पास फेंक दिया गया. डबल मर्डर की खबर से इलाके में सनसनी मच गई. आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई. लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. पालीगंज अनुमंडल के डीएसपी प्रीतम कुमार ने बताया कि प्रेम-प्रसंग में हत्या की बात सामने आ रही है. घटनास्थल से दो खोखा बरामद हुआ है.

पराली जलाने पर किसानों पर मुकदमा ठीक नहीं : सुधाकर

संवाददाता । पटना

पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने एक बार फिर किसानों की समस्या को लेकर अपनी सरकार को घेरा है. उन्होंने कहा है कि जिस तरह से बिहार में पराली जलाने पर किसानों पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है, किसान क्रेडिट कार्ड रद्द किया जा रहा है. वह कहीं से भी उचित नहीं है. उन्होंने कहा कि किसानों को पराली प्रबंधन के लिए आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए. उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी इसके लिए कहा है तो फिर बिहार सरकार और केंद्र सरकार मिलकर किसानों को पराली प्रबंधन के लिए आर्थिक सहायता क्यों नहीं कर रही है. उन्होंने कहा कि किसानों की हालत बिहार में बद से बदतर होती चली जा रही है. दूसरी ओर जिन राज्यों में चुनाव हो रहा है, केंद्र में बैठी हुई सरकार वहां किसानों के अनाज की कीमत भी बढ़ा रही है, लेकिन बिहार के साथ भेदभाव किया जा रहा है.

कारोबार

होनासा कंज्यूमर के शेयर में 20% उछाल

नयी दिल्ली । रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी होनासा कंज्यूमर लिमिटेड के शेयरों में बृहस्पतिवार को करीब 20 प्रतिशत का उछाल आया. होनासा कंज्यूमर लिमिटेड के पास मामाअर्थ और द डर्मा का स्वामित्व है. बीएसई पर शेयर 19.99 प्रतिशत उछलकर 422.50 रुपये पर पहुंच गया. एनएसई पर यह 19.99 प्रतिशत बढ़कर 423.75 रुपये पर रहा. कंपनी गत सात नवंबर को ही बाजार में सूचीबद्ध हुई है. होनासा कंज्यूमर लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 29.43 करोड़ रहा था.

सीएनजी की कीमतों में हुआ इजाफा

नयी दिल्ली । दिल्ली, एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई शहरों में सीएनजी की सप्लाई करने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने एक बार फिर अपने उपभोक्ताओं को करारा झटका दिया है. कंपनी ने सीएनजी की कीमत में गुरुवार से बढ़ोतरी कर दी है. इस बढ़ोतरी की वजह से दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में इसकी कीमत में एक रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हो गई है. इस बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में सीएनजी की कीमत 75.59 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है.

कच्चा तेल 81 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नयी दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव जारी है. पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का भाव लुढ़क कर 81 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब है. हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक गुरुवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल का भाव 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका हुआ है. वहीं, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है.

भारत का प्लान खाड़ी देशों को लेकर बदलता हुआ दिखाई दे रहा है

खाड़ी देशों से कच्चे तेल का आयात बढ़ा

भाषा । नयी दिल्ली

दुनिया के कई देश भले ही युद्ध में लगे हैं, लेकिन भारत का व्यापार अपनी गति से चल रहा है. चाहे तेल हो या अन्य उत्पाद भारत का एक तरफ रूस से तो दूसरी तरफ अरब देशों से तेल का आयात जारी है. इस बीच भारत का तेल आयात और बढ़ा ही है. कुछ महीने पहले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूएई और सऊदी अरब के प्रमुखों से मिले थे. उसके बाद से भारत का प्लान खाड़ी देशों को लेकर बदलता हुआ दिखाई दे रहा है. कच्चे तेल के आंकड़ें जो दिखाई दिए हैं, उससे साफ जाहिर हो रहा है. आंकड़ों के अनुसार भारत का खाड़ी देशों से कच्चे तेल का इंपोर्ट 10 महीने के हाई पर है. जिसे भारत की ओर से फेस्टिव डिमांड में इजाफे के तौर पर देखा जा रहा है. पिछले महीने से तुलना करें तो यह क्रमशः 63 प्रतिशत और 53 प्रतिशत ज्यादा है.

रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी तेल के लिए छूट कम होने के बाद रिफाइनर्स ने सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से अधिक कच्चा तेल खरीदा है. अक्टूबर में भारतीय बाजार में रूस की हिस्सेदारी नौ महीने में सबसे कम हो गई है. भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है. यह आमतौर पर अपनी अधिकांश तेल जरूरतों के लिए मध्य पूर्व में उत्पादकों पर निर्भर करता है. बता दें कि यूक्रेन पर आक्रमण के बाद पश्चिमी देशों द्वारा मास्को से तेल खरीदना बंद करने के बाद दक्षिण एशियाई देश छूट पर बेचे जाने वाले रूसी समुद्री तेल के शीर्ष खरीदार के रूप में उभरा है. जानकारों के मुताबिक, भारत को रूस से तेल खरीदने में कोई खास फायदा नहीं हो रहा है. वहीं दूसरी ओर भारत खाड़ी देशों के साथ नजदीकी बढ़ाना चाहता है. इसकी वजह कॉरिडोर को बनाने में जी20 की बैठक में सहमति बनी हुई है.

आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने अक्टूबर में लगभग 4.7 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) कच्चे तेल का आयात किया है. यह पिछले महीने से 8.4% अधिक है. इसकी वजह त्योहारी सीजन के दौरान बढ़ी हुई स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए रिफाइनर्स ने खरीदारी बढ़ा दी है. आंकड़ों के मुताबिक, पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन में उत्पादकों की हिस्सेदारी को अक्टूबर में 54% तक बढ़ाने में मदद मिली, जो सितंबर में 50% थी. आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने अक्टूबर में औसतन 1.56 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रूसी तेल का आयात किया, जो पिछले महीने से 1.2% अधिक है. इस इजाफे के बावजूद, भारत के अक्टूबर के आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी सितंबर में 35% से घटकर 33% हो गई.

रूस भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता था : बता दें कि अप्रैल से अक्टूबर, इस वित्तीय वर्ष के पहले सात महीनों से लेकर मार्च तक रूस भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता था, उसके बाद इराक और सऊदी अरब थे. आंकड़ों से पता चलता है कि रूसी तेल के अधिक खरीद से भारत के तेल आयात में स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रमंडल (सीआईएस) की हिस्सेदारी अप्रैल-अक्टूबर के दौरान सबसे अधिक हो गई. बता दें कि देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में एक साल से भी अधिक समय से कोई बदलाव नहीं हुआ है.

बढ़ा आयात

- दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है
- अक्टूबर में रूस की हिस्सेदारी काफी कम हो गई

महोत्सव

गोवा में बुधवार को 54वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में वेब सीरीज द रेलवे मेन की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान निर्देशक शिव रवैल, अभिनेता केके मेनन, दिव्येंदु, बाबिल खान व अन्य.

सर्राफा बाजार में सुस्ती, सोने में स्थिरता

- देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में छाई सुस्ती

भाषा । नयी दिल्ली

वैश्विक बाजार की सुस्ती का असर घरेलू सर्राफा बाजार पर भी नजर आने लगा है. गुरुवार को लगातार दूसरे दिन घरेलू सर्राफा बाजार सपाट स्तर पर कारोबार करते रहे. देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 62,600 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 62,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना 57,400 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 56,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है. सोने की तरह ही चांदी भी मामूली बढ़त के साथ सपाट स्तर कारोबार कर रहा है.

दिल्ली में चांदी गुरुवार को 76,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. देश की राजधानी दिल्ली में गुरुवार को 24 कैरेट सोना बिना किसी बदलाव के 62,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता रहा, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 57,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 62,070 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 56,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 62,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 57,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. इन प्रमुख शहरों के अलावा मुंबई में 24 कैरेट सोना 62,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 56,850 रुपये प्रति 10 ग्राम बिस्तर पर बिक रहा है.

योगदान सेंटर फॉर डिजिटल इकोनॉमी पॉलिसी रिसर्च के अध्यक्ष जयजीत भट्टाचार्य ने बताया

विदेशी एप को दूरसंचार नेटवर्क के लिए भुगतान करें

भाषा । नयी दिल्ली

शोध संस्थान सी-डीईपी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बड़ी मात्रा में 'डेटा जेनरेट' करने वाले विदेशी ऐप को दूरसंचार नेटवर्क के निर्माण में योगदान देना चाहिए जिससे बाजार में सही संरचना तैयार की जा सकेगी. प्रौद्योगिकी उद्योग के दिग्गज एवं 'सेंटर फॉर डिजिटल इकोनॉमी पॉलिसी रिसर्च' के अध्यक्ष जयजीत भट्टाचार्य ने बताया कि वह नेट तटस्थता सिद्धांतों के पक्षधर हैं और वर्तमान में स्थिति यह है कि इंटरनेट तक पहुंच को इस तरह से लोकतांत्रिक बनाया जाए कि जो लोग इसका कम इस्तेमाल करते हैं उन पर अन्य लोगों के द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सेवा का भार न पड़े. उन्होंने कहा, अधिक 'डेटा जेनरेट' करने वाले प्रमुख एप विदेशी हैं. ये या तो अमेरिकी हैं या चीनी. मुझे लगता है नीतिगत दृष्टिकोण से यह सुनिश्चित करना बहुत मायने रखता है कि वे उस नेटवर्क में योगदान करें जिसका वे इस्तेमाल कर रहे हैं. वे खुद तो अरबों डॉलर का राजस्व उत्पन्न करते हैं, जबकि नेटवर्क को ऐसी स्थिति में धकेलते हैं जहां पूंजी निवेश के कुछ और दौर के बाद भी वे वित्तीय रूप से व्यवहार्य नहीं रह पाएंगे.

राजस्व बंटवारे के मुद्दे पर दूरसंचार ऑपरेटर और इंटरनेट-आधारित एप के बीच विवाद चल रहा है. दूरसंचार ऑपरेटर मांग कर रहे हैं कि ओवर-द-टॉप (ओटीटी) मंच जो बड़ी मात्रा में 'डेटा जनरेट' करते हैं, उन्हें नेटवर्क तैयार करने के लिए शुल्क का भुगतान करना चाहिए ताकि सेवाएं सुचारू व सुगम हो पाएं. हालांकि, उद्योग निकाय ने प्रस्ताव का विरोध किया है और इसे नेट तटस्थता सिद्धांतों का उल्लंघन बताया है. इस निकाय में गूगल, फेसबुक, नेटफ्लिक्स जैसे एप शामिल हैं.

भट्टाचार्य ने कहा कि दूरसंचार कंपनियां नेटवर्क तैयार करने के लिए पूंजी की व्यवस्था करने में संघर्ष करती रहती हैं लेकिन पूंजी पर उनका रिटर्न एकल अंक में होता है जो निवेशकों को खुश करने के लिए पर्याप्त नहीं है. उन्होंने कहा, दूरसंचार खिलाड़ियों को निजी क्षेत्र की संस्थाओं के रूप में नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय संसाधन के रूप में मानें. यदि हम अपनी दूरसंचार कंपनियों पर नियंत्रण खो देते हैं और वे भारतीय नहीं हैं तो इसका बहुत गहरा प्रभाव पड़ेगा. दूरसंचार और डिजिटल देश की धड़कन हैं. यदि हमारे पास दूरसंचार तथा डिजिटल बुनियादी ढांचा नहीं है, जो हमारे नियंत्रण में है तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी ठीक नहीं है. भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत में मासिक वायरलेस डेटा उपयोग दिसंबर 2014 में 9.24 करोड़ जीबी से करीब 156 गुना बढ़कर दिसंबर 2022 में 14400 अरब जीबी हो गया. हालांकि, इसी अवधि में डेटा से औसत राजस्व देश में प्रति माह प्रति वायरलेस ग्राहक उपयोग करीब 5.6 गुना ही बढ़ा.

अक्टूबर में निफ्टी में शामिल शेयरों ने जमकर की कमाई

- निफ्टी के 54 प्रतिशत शेयर साल के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे, 16 ने बनाया मजबूती का रिकॉर्ड

भाषा । नयी दिल्ली

अक्टूबर का महीना निफ्टी 50 में शामिल शेयरों के लिए काफी सकारात्मक परिणामों वाला रहा है. इस महीने के दौरान निफ्टी में शामिल आधे से ज्यादा शेयरों ने पिछले 52 सप्ताह के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचने में सफलता हासिल की. 42 प्रतिशत शेयर 52 सप्ताह के सर्वोच्च स्तर के काफी करीब पहुंच गए. सबसे बड़ी बात तो ये है कि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से किसी भी शेयर ने अपने 52 सप्ताह के निचले स्तर को टच नहीं किया. हालांकि एचडीएफसी बैंक और यूपीएल लिमिटेड के शेयरों में बड़ी गिरावट जरूर आई है लेकिन वे साल के सबसे निचले स्तर तक नहीं लुढ़के. निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर पिछले 52 सप्ताह के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए. इनमें भी 16 शेयरों ने अक्टूबर के महीने में ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड भी कायम किया. एक्सचेंज की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी में बताया गया है कि लार्सन एंड टुब्रो, टाइटन कंपनी, एचसीएल टेक्नोलॉजी, बजाज ऑटो, सन फार्मास्यूटिकल जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयर अक्टूबर महीने के दौरान 52 सप्ताह के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए. इसी तरह सार्वजनिक उपक्रमों में भारत पेट्रोलियम, कोल इंडिया, एनटीपीसी, ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन के शेयरों ने भी कामयाबी हासिल की.

चार दिनों का युद्ध विराम

नौ हजार मासूम बच्चों समेत 14 हजार से ज्यादा लोगों की मौत के बाद चार दिनों के लिए एक सीमित युद्धविराम का एलान इजराइल और हमास ने किया है. पिछले 47 दिनों से जारी युद्ध की विभीषिका की आग में पश्चिम एशिया समेत पूरे विश्व के लोगों ने थोड़ी राहत महसूस की है. बंधक 50 इजराइलियों और 150 फिलिस्तीनियों की रिहाई के लिए युद्ध को 'मानवीय आधार पर रोकने' का हुआ अस्थायी समझौता भी परोक्ष रूप से अमेरिकी कूटनीति से ही संभव हो पाया है. इस बीच विश्व जनमत के एक बड़े हिस्से के विचारों की अभिव्यक्ति के लिहाज से ब्रिक्स के मौजूदा अध्यक्ष दक्षिण अफ्रीका की पहल पर ब्रिक्स-11 देशों की हुई बैठक एक महत्त्वपूर्ण घटना रही है. ब्रिक्स-11 ने अपने साझा बयान में युद्ध रोकने के लिए दीर्घकालिक समझौते की मांग की है और यह दोहराया है कि फिलिस्तीनियों के स्वतंत्र देश की स्थापना ही इस मसले का स्थायी हल है. 7 अक्टूबर को हमास ने इजराइल पर हमला किया था, जिसमें 12 सौ लोग मारे गए. यह पचास वर्षों में किए गए सबसे भयावह हमलों में से एक था. फिलिस्तीन पर किसी भी तरह कब्जा जमाने की फिराक में लगे इजराइल के लिए यह हमला मौका लेकर आया. इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बिना समय गंवाए युद्ध का ऐलान कर दिया. 12 सौ इजराइलियों के बदले 14 हजार फिलिस्तिनियों को मारा जा चुका है. नेतन्याहू शायद इस सदी का सबसे भयावह नरसंहार अपने नाम करवाने में सफल हो गए होंगे. नरसंहार की दौड़ में फिलहाल नेतन्याहू सबसे आगे हैं. हिटलर के बाद शायद अब नेतन्याहू की ही मिसालें दी जाएंगी कि किस तरह मासूम लोगों को नफरत का शिकार बनाया गया. फिलहाल अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच इजराइल की कैबिनेट ने 50 बंधकों की रिहाई को सुरक्षित करने के लिए हमास के साथ युद्ध विराम के समझौते को मंजूरी दे दी है. इसके तहत लड़ाई में चार दिन के विराम के दौरान बंधक रिहा किए जाएंगे. यह भी कहा गया है कि अतिरिक्त दस बंधकों की रिहाई पर युद्ध विराम को एक और दिन के लिए बढ़ाया जाएगा. हालांकि खबर यह भी है कि कैबिनेट की बैठक से पहले इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि बंधकों की रिहाई के लिए समझौता होने के बावजूद हमास के साथ युद्ध जारी रहेगा. अगर युद्ध रुका रहा तो यह बहुत बड़ी राहत होगी. इस समझौते के बाद हमास ने बताया है कि इजराइली बंधकों के बदले इजराइल की जेलों से 150 फ़िलिस्तीनियों को रिहा किया जाएगा. क्या इजराइल वाकई ऐसा करेगा, ये देखना होगा. इस समझौते के तहत राहत सामग्री और दवाइयां लेकर आने वाले सैकड़ों ट्रकों को ग़ाज़ा में दाख़िल होने की अनुमति दी जाएगी. गौरतलब है कि ईंधन, भोजन, पानी और दवाओं के अभाव में गाज़ा एक बड़े कब्रिस्तान में बदलता जा रहा है.

> 12 सौ इजराइलियों के बदले 14 हजार फिलिस्तिनियों को मारा जा चुका है. नेतन्याहू शायद इस सदी का सबसे भयावह नरसंहार अपने नाम करवाने में सफल हो गए होंगे. नरसंहार की दौड़ में फिलहाल नेतन्याहू सबसे आगे हैं.

सुभाषित

असूयैकपदं मृत्युः अतिवादः श्रियो वधः।
अशुश्रुषा त्वरा श्लाघा विद्याः शत्रुवस्त्रयः॥

विद्यार्थी के संबंध में द्वेष मृत्यु के समान है. अनावश्यक बातें करने से धन का नाश होता है. सेवा करने की मनोवृत्ति का अभाव, जल्दबाजी तथा स्वयं की प्रशंसा स्वयं करना यह तीन बातें विद्या ग्रहण करने के शत्रु हैं. इसलिए इन बातों से विद्यार्थी को अवश्य ही बचना चाहिए.

निजी क्षेत्र में भी आरक्षण हो तो बात बने

राजनीतिक दल कोई भी हो, आज के बाजार का विरोध कदापि नहीं कर सकता और कोई भी आरक्षण की भी मुखालफत की हिम्मत नहीं कर सकता, लेकिन यह भी सच है कि कोई भी नेता इस सामाजिक न्याय की राजनीति की सीमाओं को भी स्वीकार नहीं कर सकता. ऐसे में निजी क्षेत्र में आरक्षण के बगैर आखिर नौकरियां आएंगी कहां से, पहले इस यक्ष प्रश्न से पार पाना होगा.

• देश-काल

बृजेंद्र दूबे

बिहार में हाल में ही संपन्न जाति सर्वेक्षण ने सामाजिक न्याय की राजनीति में नई जान फूंक दी है. कांग्रेस- भाजपा समेत सभी राजनीतिक पार्टियां सबसे पिछड़े और हाशिए पर खड़े सामाजिक समुदायों में बहुत रुचि दिखा रहे हैं. हाल के पांच राज्यों के चुनाव प्रचार, खासतौर पर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान हुए कैंपेन ने साफ किया है कि सामाजिक न्याय को लेकर बहुमुखी विचार भविष्य की राजनीतिक दिशा को तय करेंगे. हालांकि, इस नए सिरे से जीवंत हुई सामाजिक न्याय की राजनीति का दायरा अभी भी बहुत सीमित है. राजनीतिक लोग केवल चुनावी जुमलों में सामाजिक-आर्थिक असमानताओं और जातिगत भेदभाव की समस्या को उठा रहे हैं. इसका नतीजा ये है कि सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरियों और शिक्षा में बढ़े हुए आरक्षण को सामाजिक असमानता को दूर करने का एक अहम और कारगर कदम के तौर पर दिखाया जा रहा है. साथ ही साथ, समाज के तमाम पिछड़ों तबकों को आकर्षित करने के लिए कई तरह की कल्याणकारी योजनाओं की भी पेशकश की जा रही है. इन राजनीति से प्रेरित उपायों को सामाजिक न्याय के नाम पर वैधता दी जा रही है. देश में बढ़ती सामाजिक और आर्थिक असमानता पर सार्थक चर्चा के लिए सामाजिक न्याय के इस सीमित और चुनाव-केंद्रित अर्थ पर सवाल कोई नहीं उठा रहा है. विशेष रूप से सामाजिक न्याय के दो महत्वपूर्ण पहलुओं की तत्काल जांच करने की जरूरत है, जो बिहार के जाति सर्वे डेटा में सामने आए हैं- जाति-आधारित सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन का स्तर और समकालीन भारत में इकनॉमिक पावर स्ट्रक्चर की प्रकृति.

यहां यह बताना जरूरी है कि बिहार जाति सर्वेक्षण डेटा को किसी भी व्यापक सामान्यीकरण के लिए अतिरंजित नहीं किया जाना चाहिए. यह डेटा राज्य-केंद्रित है और इसे किसी प्रकार का प्रतिनिधि नमूना नहीं माना जाना चाहिए. हालांकि, बिहार सरकार की तरफ से यह आधिकारिक हस्तक्षेप एक व्यापक पैटर्न को समझने के लिए महत्वपूर्ण है. मौजूदा आंकड़ों से पता चलता है कि जाति और वर्ग के बीच एक दिलचस्प ओवरलैप है. हालांकि सभी सामाजिक समूहों में गरीब परिवार (जिनकी मासिक आय 6,000 रुपए से कम है) हैं, लेकिन समाज के हाशिए पर खड़े वर्गों (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग) में गरीबी अत्यधिक है. उदाहरण के लिए, सामान्य श्रेणी (कथित ऊंची जातियां पढ़ें) के लगभग 25% परिवार गरीब हैं. सभी मानकों के अनुसार, यह आंकड़ा चिंताजनक है. हालांकि, एससी वर्ग में गरीबी का स्तर कहीं अधिक परेशान करने वाला है. आंकड़ों से पता चलता है कि 42% से अधिक एससी परिवार हैं, जो एक महीने में 6,000 रुपए से कम कमाते हैं. यह तुलनात्मक तस्वीर स्पष्ट रूप से एक मूलभूत तथ्य को रेखांकित करता है कि जाति न केवल एक सामाजिक श्रेणी है. यह भारतीय संदर्भ में किसी व्यक्ति/परिवार की समग्र सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन को भी निर्धारित करती है.

सार्वजनिक क्षेत्र के रोजगार और राज्य-प्रशासित शैक्षणिक संस्थानों में जाति-आधारित आरक्षण का विस्तार, इस परिदृश्य में बिल्कुल सही समझ में आता है. हालांकि, यह सरल फॉर्मूलेशन समकालीन आर्थिक जीवन की सही तस्वीर पेश नहीं करता. यही वजह है कि स्थापित असमानताओं से निपटने के लिए एक संभावित रास्ते के रूप में विस्तारित आरक्षण का गंभीर रूप से मूल्यांकन करने की जरूरत है. बता दें कि1990 के दशक का आर्थिक उदारीकरण एक निर्णायक क्षण था, जिसका दूरगामी प्रभाव पड़ा. राज्य ने देश के लिए सबसे पसंदीदा आर्थिक व्यवस्था के रूप में खुले बाजारों को सुविधाजनक बनाने के लिए एक राजनीतिक मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका को फिर से परिभाषित किया.

सार्वजनिक जीवन की इस बाजार-उन्मुख कल्पना को धीरे-धीरे समूचे राजनीतिक वर्ग ने स्वीकार कर लिया, जिसमें वाम पार्टियां भी शामिल हैं. नतीजतन, सार्वजनिक क्षेत्र का रोजगार कम होने लगा, जबकि निजी क्षेत्र एक शक्तिशाली आर्थिक इकाई के रूप में उभरा. आर्थिक जीवन के इस आमूल-चूल पुनर्गठन ने एक गंभीर चुनौती पेश की. राज्य को मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था और भारतीय समाज के गरीब और हाशिए पर खड़े वर्गों की आकांक्षाओं के बीच संतुलन बनाना था, जो नहीं बन पाया. समाज के वंचित तबकों से जुड़े एफरमेटिव ऐक्शन यानी सकारात्मक कार्रवाई की नीतियों को राजनीतिक परोपकार के एक रूप के रूप में पेश किया गया था. उसी समय, राज्य ने क्रमिक और व्यापक निजीकरण के लिए एक आक्रामक नीति पर बढ़ना जारी रखा. इस कारण से भारत में समकालीन राज्य को एक चैरिटेबल स्टेट के रूप में कहा जा सकता है. एक प्रतिबद्ध प्रो-मार्केट राज्य, जो घटते सार्वजनिक क्षेत्र के दायरे में अल्पकालिक और रेडी-टू-यूज चुनावी तंत्र के रूप में सकारात्मक कार्रवाई को मान्यता देता है.

समान अवसर आयोग : क्या, क्यों और कैसे? (2008) यहां बहुत प्रासंगिक है. सामाजिक न्याय हासिल करने के लिए समान अवसर ढांचे के दायरे का विस्तार करने की जरूरत पर जोर देते हुए, रिपोर्ट में तर्क दिया गया है कि पिछले दो दशकों में देश की अर्थव्यवस्था में हुए बदलावों का मतलब है कि अधिकांश उभरते और आकर्षक अवसर निजी क्षेत्र में हैं, जो अब तक सकारात्मक कार्रवाई के दायरे से बाहर रहे हैं. समिति इस तरह सुझाव देती है कि ईओसी के क्षेत्र में ... सार्वजनिक उद्यम ... और निजी उद्यम शामिल होने चाहिए.

• बोधि-वृक्ष | अज्ञात

भगवान से मिलन

एक 6 साल का छोटा सा बच्चा अक्सर भगवान से मिलने की जिद किया करता था. उसे भगवान् के बारे में कुछ भी पता नही था, पर मिलने की तमन्ना, भरपूर थी, उसकी चाहत थी कि एक समय की रोटी वह भगवान के साथ बैठकर खायें. एक दिन उसने एक थैले में 5, 6 रोटिया रखीं और भगवान् को को ढूंढने के लिये निकल पड़ा. चलते-चलते वह बहुत दूर निकल आया, संध्या का समय हो गया. उसने देखा एक नदी के तट पर एक बुजुर्ग माता बैठी हुई हैं, जिनकी आंखों में बहुत ही गजब की चमक थी, प्यार था, किसी की तलाश थी और ऐसा लग रहा था जैसे उसी के इन्तजार में वहां बैठी उसका रास्ता देख रही हों. वह मासूम बालक बुजुर्ग माता के पास जा कर बैठ गया, अपने थैले में से रोटी निकाली और खाने लग गया. फिर उसे कुछ याद आया तो उसने अपना रोटी वाला हाथ बूढी माता की ओर बढ़ाया और मुस्कुरा कर देखने लगा, बूढी माता ने रोटी ले ली, माता के झुर्रियों वाले चेहरे पर अजीब सी खुशी आ गई, आंखों में खुशी के आंसू भी थे. बच्चा माता को देखे जा रहा था, जब माता ने रोटी खा ली तो बच्चे ने एक और रोटी माता को दे दी. माता अब बहुत खुश थी. बच्चा भी बहुत खुश था. दोनों ने आपस में बहुत प्यार और स्नेह के पल बिताये. जब रात घिरने लगी तो बच्चा इजाजत लेकर घर की ओर चलने लगा और जब भी वह बार- बार पीछे मुडकर देखता! तो पाता बुजुर्ग माता उसी की ओर देख रही होती हैं. बच्चा घर पहुंचा तो मां ने अपने बेटे को आया देखकर जोर से गले से लगा लिया और चूमने लगी, बच्चा बहुत खुश था. मां ने अपने बच्चे को इतना खुश पहली बार देखा तो खुशी का कारण पूछा, तो बच्चे ने बताया, "मां ! आज मैंने भगवान के साथ बैठकर रोटी खाई, आपको पता है मां उन्होंने भी मेरी रोटी खाई, पर मां भगवान् बहुत बूढ़े हो गये हैं, मैं आज बहुत खुश हूं मां." उधर बुजुर्ग माता भी जब अपने घर पहुंचीं तो गांव वालों ने देखा माता जी बहुत खुश हैं, तो किसी ने उनके इतने खुश होने का कारण पूछा? माता जी बोलीं, "मैं दो दिन से नदी के तट पर अकेली भूखी बैठी थी, मुझे विश्वास था भगवान आएंगे और मुझे खाना खिलाएंगे.

फिलिस्तीन युद्ध के बाद बदतर होते हालात

• देशांतर

राम पुनियानी

सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के बर्बर हमले के बाद से यहूदीवादी इजराइल ने फिलिस्तीनी अस्पतालों, शरणार्थी शिविरों और अन्य नागरिक ठिकानों पर क्रूर हवाई आक्रमण किए. इन हमलों को 'मानवता के विरुद्ध अपराध' बताया जा रहा है. इन हमलों में अब तक 10,000 से ज्यादा नागरिक मारे जा चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हैं. हमारे भारत ने इजराइल के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करने में ज़रा सी भी देरी नहीं की. अमेरिका, इंग्लैंड और अन्य कई पश्चिमी देशों के शीर्ष नेता तेल अवीव पहुंचे और उन्होंने इन हमलों को सही ठहराया. भारत में सोशल मीडिया हमास पर बरस रहा है और इजराइल को पीड़ित के रूप में प्रस्तुत कर रहा है. सात अक्टूबर को हमास के हमले के बाद से सोशल मीडिया पर इस्लामोफोबिक टिप्पणियों की बहार है. भाजपा के आईटी सेल का इसमें महत्वपूर्ण योगदान है. फिलिस्तीन के पक्ष को इस्लामवादी कहा जा रहा है और हमें यह बताया जा रहा है कि हमें इजराइल का समर्थन करना चाहिए. देश में पहले से ही इस्लामोफोबिया का बोलबाला था और गाजा के लोगों पर इजराइल के हमले को उचित ठहरा कर इसे और बढ़ावा दिया जा रहा है. ऐसा लगता है कि युद्ध की शुरुआत के बाद से ही इस्लामोफोबिक पोस्टों के मामले में भारत दुनिया में सबसे आगे रहा आया है. हमास और फिलिस्तीन को एक बतलाने और हमास को एक आतंकी, जिहादी संगठन के रूप में प्रस्तुत करने का आख्यान, आईआईटी, मुंबई जैसी प्रतिष्ठित संस्था में भी जारी है. नोएम चोमोस्की लिखते हैं, "गाजा में एक बुजुर्ग प्लेकार्ड लिए खड़े थे, जिस पर लिखा, "तुम मेरा पानी ले लोगे, तुम मेरे जैतून के पेड़ जला दोगे, तुम मेरा घर तोड़ दोगे, मेरा काम छीन लोगे, मेरी ज़मीन चुरा लोगे, मेरे पिता को जेल में डाल दोगे, मेरी मां की जान ले लोगे, मेरे देश पर बम बरसाओगे, हम सबको भूखा मारोगे, हम सबका अपमान करोगे, मगर अगर हम एक राकेट दाग दें तो हम दोषी हो जाते हैं." गाजा की नाकाबंदी 16 साल से जारी है. वेस्ट बैंक और गाजा पर कब्ज़ा 56 साल से जारी है और फिलिस्तीन के लोगों की उनकी घरों और ज़मीनों से बेदखली 1948 में नस्लीय श्रेष्ठतावादी इजराइल की स्थापना के समय से ही चल रही है.फिलिस्तीनियों का प्रतिरोध कई चरणों से गुज़र चुका है. लैला खालिद के नेतृत्व वाले एक संगठन ने 14 लाख फिलिस्तीनियों को शरणार्थी बना दिए जाने के बाद हुए 1972 के म्युनिख ओलंपिक खेलों में इजराइली खिलाड़ियों की हत्या कर दी थी. इस समस्या के सुलझाव के लिए पीएलओ के यासेर अराफात ने जो प्रयास किये, उनका असफल होना तय था, क्योंकि पश्चिमी देशों ने फिलिस्तीनियों पर कई अपमानजनक शर्तें लाद दी थीं. इजराइल ने गाजा को खुला जेल बना दिया है. ऐसे में इजराइल का प्रजातान्त्रिक प्रतिरोध भला कैसे संभव है? हां, निश्चित रूप से हमास इसका माध्यम नहीं हो सकता. इजराइल ने इस क्षेत्र में शांति और न्याय की स्थापना के लिए पारित किये गए संयुक्त राष्ट्रसंघ के लगभग सभी प्रस्तावों का उल्लंघन किया है. इजराइल आक्रामक ढंग से हमलावर रहा है और अब उसकी नज़र गाजा की पेट्रोलियम संपदा पर है. गाजा के तट से थोड़ी ही दूर स्थित इस खजाने का कुल मूल्य करीब 64 अरब डॉलर है. इजराइल ने अमेरिका और यूरोपीय कंपनियों के साथ इसके दोहन के लिए समझौते कर लिए हैं और अब वह पेट्रोलियम का निर्यातक बनना चाहता है. महमूद ममदानी ने अपनी पुस्तक 'गुड मुस्लिम, बैड मुस्लिम' (ओरिएंट लॉन्गमैन, 2003) में सीआईए के दस्तावेजों के हवाले से बताया है कि अमेरिका ने मुजाहीदीन-अलकायदा के लड़ाकों को प्रशिक्षित करने पर करीब 800 करोड़ डॉलर खर्च किये और उन्हें 7,000 टन हथियार उपलब्ध करवाए और यह भी कि इसका अंतिम नतीजा क्या हुआ. 9/11 के बाद, अमेरिकी मीडिया ने 'इस्लामिक आतंकवाद' शब्द गढ़ा. अमेरिका के प्रचार तंत्र ने इस्लामोफोबिया को जम कर हवा दी और पूरी दुनिया का मीडिया इसकी गिरफ्त में आ गया. भारत में पहले से ही मुसलमानों के प्रति बैरभाव था. इसका ही नतीजा है कि अगर किसी अकादमिक संस्था में आमंत्रित वक्ता इजराइल के निर्माण के इतिहास, उसके द्वारा फिलिस्तीन की भूमि पर कब्ज़े और उस क्षेत्र के कच्चे तेल के संसाधनों पर कब्ज़ा करने की इजराइल की लिप्सा की बात करता है तो उसे आतंकवाद को बढ़ावा देना बताया जाता है.

> नोएम चोमोस्की लिखते हैं, "गाजा में एक बुजुर्ग प्लेकार्ड लिए खड़े थे, जिस पर लिखा, "तुम मेरा पानी ले लोगे, तुम मेरे जैतून के पेड़ जला दोगे, तुम मेरा घर तोड़ दोगे, मेरा काम छीन लोगे, मेरी ज़मीन चुरा लोगे, मेरे पिता को जेल में डाल दोगे, मेरी मां की जान ले लोगे, मेरे देश पर बम बरसाओगे, हम सबको भूखा मारोगे, हम सबका अपमान करोगे.

मणिपुर पर म्यांमार के गृहयुद्ध का असर

• सामयिकी

दिनकर कुमार

फरवरी 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद से म्यांमार में गृह युद्ध से भागकर लगभग 40 हजार चिन लोग दो पूर्वोत्तर राज्यों- मिजोरम और मणिपुर में चले गए हैं. उनमें से 35 हजार से अधिक लोग मिजोरम में हैं. भारत-म्यांमार अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब चिन डिफेंस फोर्स और म्यांमार सेना के गुरिल्लाओं के बीच भीषण लड़ाई के बीच 12 नवंबर की रात से लगभग 2 हजार शरणार्थियों के मिजोरम के चम्फाई में घुसने का अनुमान है. लड़ाई के केंद्र म्यांमार के रिखावदार शहर से केवल कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित भारतीय सीमावर्ती शहर ज़ोखावथर सीमा पार घुसपैठ के केंद्र के रूप में उभरा है. दोनों शहर केवल तियाउ नदी द्वारा अलग किए गए हैं. मणिपुर के डीजीपी अनिल शुक्ला ने पुष्टि की है कि एक शरणार्थी की मौत हो गई, जबकि लगभग 20 म्यांमार नागरिकों को मिजोरम के अस्पताल में भर्ती कराया गया. उन्होंने कहा, "ये वे लोग हैं, जो म्यांमार में घायल हो गए हैं और यहां इलाज कराने के लिए सीमा पार कर आए हैं." 13 नवंबर की शाम तक 20 घायलों को चम्फाई जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया और अन्य आठ को आइजोल के अस्पतालों में रेफर किया गया. स्थानीय शरणार्थी राहत समिति के अध्यक्ष रॉबर्ट ज़ोरेमटलुआगा ने बताया कि इस क्षेत्र में करीब 2 हजार शरणार्थी आए हैं. उन्होंने कहा कि "दो गांवों रिखवदार और ख्वामामी से हर कोई भारतीय सीमा में आया है. इसलिए लोगों की आवाजाही फिलहाल रुक गई है. भारतीय क्षेत्र में जो तीन लोग घायल हुए हैं, वे वो लोग हैं जो पहले ज़ोखावथर पार कर गए थे. इनमें से एक की मौत हो चुकी है. वह पिछले साल से भारतीय सीमा में रह रहे थे." मृतक की पहचान ख्वामावी के 51 वर्षीय कंगसियानमाविया के रूप में की गई है. यंग मिज़ो एसोसिएशन के चम्फाई अध्यक्ष मामुआना फनाई ने कहा, "2021 के बाद से म्यांमार में स्थिति खराब होने पर लोगों का आश्रय के लिए यहां आना आम हो गया है. स्थिति बेहतर होने पर वे आमतौर पर वापस चले जाते हैं. जो लोग सीमा के करीब रहते हैं वे रात यहीं रुकते हैं और दिन के समय वे अपने स्थान पर लौट जाते हैं." भारत ने 17 नवंबर को भारत-म्यांमार सीमा के पास म्यांमार की सेना और जुंटा विरोधी समूहों के बीच लड़ाई बंद करने का आह्वान किया, जिसकी वजह से मिजोरम में म्यांमार के शरणार्थियों की आमद बढ़ गई है. पिछले कुछ हफ्तों में भारत के साथ सीमा के पास कई प्रमुख शहरों और क्षेत्रों में म्यांमार के जुंटा विरोधी समूहों और सरकारी बलों के बीच शत्रुता बढ़ रही है, जिससे संभावित प्रभाव के बारे में भारतीय सैन्य प्रतिष्ठान में चिंताएं बढ़ गई हैं. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने भारत-म्यांमार सीमा के करीब हिंसा की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की. उन्होंने कहा, "लड़ाई के परिणामस्वरूप भारत-म्यांमार सीमा पर मिजोरम में ज़ोखथार के सामने चिन राज्य के रिहखावदार क्षेत्र में म्यांमार के नागरिकों की भारतीय सीमा में आवाजाही हुई है." उन्होंने कहा, "हम अपनी सीमा के नजदीक ऐसी घटनाओं से बेहद चिंतित हैं. म्यांमार में मौजूदा स्थिति पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है- हम हिंसा की समाप्ति और रचनात्मक बातचीत के माध्यम से स्थिति का समाधान चाहते हैं." उन्होंने कहा कि भारत म्यांमार में शांति और स्थिरता की वापसी के पक्ष में है. बागची ने कहा, "हम म्यांमार में शांति, स्थिरता और लोकतंत्र की वापसी के लिए अपना आह्वान दोहराते हैं. 2021 में म्यांमार में मौजूदा संघर्ष शुरू होने के बाद से बड़ी संख्या में म्यांमार के नागरिक भारत में शरण ले रहे हैं." उन्होंने कहा कि "संबंधित पड़ोसी राज्यों में स्थानीय अधिकारी मानवीय आधार पर स्थिति को उचित रूप से संभाल रहे हैं. हम उन लोगों की वापसी की भी सुविधा दे रहे हैं, जो म्यांमार वापस जाना चाहते हैं." फरवरी 2021 में सेना द्वारा तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा करने के बाद से म्यांमार में लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं.राज्य के छह जिले- चम्फाई, सियाहा, लांग्टलाई, सेरछिप, हनाथियाल और सैतुअल- म्यांमार के चिन राज्य के साथ 510 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं. पड़ोसी देश से पहली आमद फरवरी 2021 में हुई, जब जुंटा ने सत्ता पर कब्ज़ा कर लिया. तब से म्यांमार के हजारों लोगों ने पूर्वोत्तर राज्य में शरण ली है.राज्य के गृह विभाग के अनुसार, वर्तमान में 31,364 म्यांमार नागरिक राज्य के विभिन्न हिस्सों में रह रहे हैं.

> यंग मिज़ो एसोसिएशन के चम्फाई अध्यक्ष मामुआना फनाई ने कहा, "2021 के बाद से म्यांमार में स्थिति खराब होने पर लोगों का आश्रय के लिए यहां आना आम हो गया है. स्थिति बेहतर होने पर वे आमतौर पर वापस चले जाते हैं. जो लोग सीमा के करीब रहते हैं वे रात यहीं रुकते हैं और दिन के समय वे अपने स्थान पर लौट जाते हैं."

मीडिया में अन्यत्र

असमान आर्थिक वृद्धि के खतरे

संपदा का एक स्थान पर केंद्रीकृत होना तथा असमानता में बढ़ोतरी होना आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकते हैं. यहां तक कि देश की मजबूत आर्थिक वृद्धि के प्रदर्शन के दौर में भी यह जारी रह सकता है. आंकड़े बताते हैं कि महामारी के बाद की सुधार प्रक्रिया में असमानता बढ़ी है. आय के निचले स्तर पर मांग में कमजोर सुधार, मेहनताने में कमी और रोजगार के कुल हालात को देखते हुए लग रहा है कि आर्थिक सुधार असंतुलित है. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, भारतीय रिजर्व बैंक तथा अन्य स्रोतों से आने वाले आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण भारत अभी भी मुश्किल दौर से जूझ रहा है, जबकि कॉर्पोरेट और शहरी भारत के एक हिस्से की स्थिति बेहतर है. उदाहरण के लिए सांख्यिकी कार्यालय का आंकड़ा दिखाता है कि जनवरी 2022 से अक्टूबर 2023 के बीच ग्रामीण खुदरा मुद्रास्फीति दर 22 में से 18 महीनों तक शहरों की तुलना में अधिक रही. निरंतर उच्च मुद्रास्फीति मोटे तौर पर खाद्य कीमतों, मॉनसून और कम उत्पादन से प्रभावित रही और यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डाल सकती है तथा समग्र मांग को प्रभावित कर सकती है. औसतन कमजोर मेहनताना और राज्यों के बीच में असमानता ग्रामीण भारत की चिंताओं में इजाफा कर रहा है. रिजर्व बैंक की हैंडबुक ऑफ स्टैटिस्टिक्स ऑन इंडियन स्टेट्स 2023 के अनुसार देश के कृषि श्रमिकों की औसत दैनिक आय 2022-23 में 345.7 रुपये थी. यह सालाना आधार पर सात फीसदी अधिक है. यह समग्र मुद्रास्फीति दर से थोड़ा अधिक है. मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में ग्रामीण इलाके में मेहनताना देश में सबसे कम गति से बढ़ा. ऐसा कृषि और गैर कृषि दोनों क्षेत्रों में हुआ.ग्रामीण अर्थव्यवस्था रोजगार के पर्याप्त अवसर तैयार करने में नाकाम रही है. जैसा कि इस समाचार पत्र ने हाल ही में प्रकाशित भी किया था, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत रोजगार की मांग अक्टूबर के अंत तक पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10 फीसदी बढ़ी. एक अनुमान के मुताबिक योजना के तहत सक्रिय परिवारों को केवल 50 दिनों का रोजगार मुहैया कराने में 1.5 लाख करोड़ रुपये की राशि लगेगी, जबकि बजट आवंटन केवल 60,000 करोड़ रुपये का है. रोजगार की स्थिति को स्वरोजगार में इजाफे में भी महसूस किया जा सकता है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उन्नति/प्रगति

अगर नकल के लिए अकल हो भी जाये तो यह याद रखना चाहिए कि नकल के बल पर असली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उन्नति नहीं हो सकती. सभी नागरिकों की ईमानदारी और मेहनत की बदौलत ही कोई राष्ट्र प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हो सकता है. इन नीति वाक्यों में हमारे सामने दो शब्द आते हैं-उन्नति और प्रगति. आशय के दृष्टिकोण से दोनों शब्द एक ही लगते हैं, लेकिन जब वाक्यों में इनका प्रयोग होता है तो इनके बीच का सूक्ष्म अंतर झलकने लगता है. दोनों के बीच क्या अंतर है? इस सवाल के जवाब के लिए हमें इनके तह तक जाना होगा. दोनों शब्द संस्कृत मूल के तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग हैं. उन्नति का अर्थ है उन्नत होने की अवस्था, उत्थान, विकास, प्रगति और पुराणों के अनुसार गरुड़ देव की पत्नी. यह शब्द उन्नत शब्द से बनता है, जिसका मतलब है उच्च, उठा हुआ, विद्या, कला में आगे बढ़ा हुआ, श्रेष्ठ, सभ्य, उठान, ऊंचाई. इसी प्रकार प्रगति का अर्थ है निरंतर विकसित अथवा उन्नत होने का भाव. दोनों शब्दों से तात्पर्य आगे की ओर बढ़ना, वृद्धि, समृद्धि, तरक्की, विकास, ऊंचाई, उत्थान, अभिवृद्धि, अभ्युदय, उन्नयन, उत्कर्ष, चढ़ाव, बढ़ोतरी, समुन्नति, अभ्युत्थान, उच्चता आदि से है. जहां तक अंतर की बात है तो दोनों के वर्णविन्यास अलग-अलग हैं और वाक्य प्रयोग द्वारा भाव को अलग महसूस किया जा सकता है. उन्नति से जहां ऊंचाइयों के शिखर का आभास होता है, वहीं प्रगति शब्द आगे बढ़ने का भाव बताता है. कोई उन्नति कर गया तो यही भाव प्रकट होता है कि वह उत्कर्ष तक पहुंच गया, लेकिन प्रगति का भाव इस रूप में सामने आता है कि वह उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होता जा रहा है. यानी प्रगति किसी के विकास पथ पर आगे बढ़ने का भाव महसूस कराता है, क्योंकि प्रगति शब्द 'गति' शब्द में 'प्र' उपसर्ग लगने से बना है और गति का अर्थ है चलना, चलते जाना.

झोली, बोली और गोली के कमाल

• तीर-तुक्का

एसके पाण्डेय

झोली, बोली और गोली की वजह से देश व समाज तबाह है. बहुत सी समस्याएं इन्हीं के कारण उत्पन्न होती हैं. इन पर नियंत्रण हो जाए तो अधिकांश समस्याएं अपने आप नौ दो ग्यारह हो जाएं. लेकिन इन पर नियंत्रण हो पाना बहुत ही मुश्किल है. खैर जितना अपने वश की बात हो उतना ही करना चाहिए. नहीं तो लेने के देने भी पड़ सकते हैं. वैसे लेना-देना तो लगा ही रहता है. कम से कम लेना तो चलता ही रहता है. रही बात देने की तो लोग इसकी आदत कम डालते हैं. क्योंकि देने का अभ्यास न हो तो ज्यादा आसानी रहती हैं. कहते हैं कि लेने से अच्छा और देने से बुरा कुछ भी नहीं होता. सच है कि बूँद-बूँद से गागर भरता है. देने से झोली खाली होती है. और लेने से भरती है. अतः लोग ले-लेकर झोली भरते रहते हैं. यदि झोली भरना हो तो किसका, कैसे, कितना, ऐसे-वैसे आदि का विचार छोड़कर जैसे-तैसे और जितना हो सके उतना माल इकट्ठा करना ही पड़ेगा. हमारे पूर्वज कहते थे कि मीठा बोलो. जब भी मुंह खोलो मीठा-मीठा बोलो. लेकिन आजकल लोग मीठा खाते तो बहुत हैं. और बोलते भी बहुत हैं, मगर मीठा नहीं बोलते. जिह्वा पर मिठाई का असर ही नहीं होता और शरीर के अन्य अंग जैसे गुर्दे आदि इसका भरपूर फायदा उठाते हैं. बदले में लोग भारी हो जाते हैं. फूल जाते हैं. बाद में पता चलता है कि मधुमेह हो गया है. कुछ लोगों को तो ताज्जुब होता है कि मधु को तो हमने हाथ भी नहीं लगाया, तब ऐसा कैसे हो गया? हाथ आये तब तो लगाएं. देखने को भी नहीं मिलता और शरीर में मधुमेह हो जाता है. खैर ऐसी बोली बोलते हैं कि लोग अपना आपा खो बैठते हैं. न अपने को शीतलता मिलती है और न ही दूसरों को. मार-पीट की भी स्थिति उत्पन्न हो जाती है. बोली से भी गोली चलने की नौबत आ जाती है. कोई किसी को बोली बोलता है तो कोई किसी को बोली मारता है. सास की बोली बहू को और बहू की बोली सास को गोली की तरह लगती है. और गोली लगने पर क्या होता है, यह तो जग जाहिर है. इसी तरह बाप-बेटे, पड़ोसी, नाते-रिश्तेदार व अन्य सगे सम्बन्धी भी एक दूसरे की बोली से ऐसा परेशान होते रहते हैं कि होली पर भी नहीं मिलते. बस एक दूसरे को देख कर जलते हैं. कहते हैं कि जलना हो तो दिए की तरह जलो अन्यथा न जलो. दिए की तरह लोग जलने लगें तो होली न ही सही कम से कम रोज दिवाली सा महसूस हो. परन्तु दिए की तरह जलने पर बुझने का खतरा ज्यादा रहता है. इसलिए ही लोग एक दूसरे को देख कर सुलगते रहते हैं.

धर्म अध्यात्म

हमारी प्राचीन मान्यता रही है कि अवश्यमेव भोक्तव्यं कर्म कृतं शुभाशुभम'' अर्थात व्यक्ति को अपने किए हुए शुभ और अशुभ सभी कर्मों का फल अवश्य ही भोगना पड़ा है. कर्म का प्रभाव जन्म-जन्मान्तर से सम्बद्ध है और कोई भी व्यक्ति कर्म-फल के प्रभाव से बच नहीं सकता.

कर्म प्रधान विश्व रचि राखा

हिमकर श्याम

भारतीय जीवन दर्शन में कर्म के सिद्धांत का व्यापक उल्लेख मिलता है. धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य को किए हुए शुभ या अशुभ कर्मों का फल अवश्य भोगना पड़ता है. रामचरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है–"कर्म प्रधान विश्व रचि राखा, जो जस करहि सो तस फल चाखा." अर्थात् इस संसार को कर्म प्रधान रूप में रचा गया है. यहां पर जो जैसा करेगा वैसा फल पाएगा. तुलसीदास यह भी लिखते हैं कि, 'करई जो करम पाव फल सोई.' यानी जो कर्म करता है, वही फल पाता है. कर्मानुसार ही मनुष्य को सुख-दुख, मृत्यु-मोक्ष आदि प्राप्त होते हैं.

धर्म ग्रंथों में चर्चा

कर्म के विचार का आरम्भ वेदों से होता है जिसे उपनिषदों में सिद्धान्त का रूप दिया गया और बाद में महाभारत, गीता तथा स्मृतियों में अनेक घटनाओं के उदाहरणों द्वारा इसकी पुष्टि की गयी. कर्म करना मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है. हम मनसा, वाचा, कर्मणा जो कुछ भी करते हैं, वह कर्म है. कर्म के सिद्धान्त की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या वेदों में की गई है. उपनिषद् वेदों के दार्शनिक विवेचन करने वाले ग्रंथ हैं. वेदों का अंतिम भाग होने के कारण वेदांत भी कहा जाता है. उपनिषदों में कर्म का अर्थ क्रिया है. इनमें कर्म की गति का सविस्तार वर्णन है. ईशावास्योपनिषद में कहा गया है कि "कर्माणि जिजीविषेत् शतं समाः" यानी शास्त्रनियत कर्म करते हुए सौ वर्ष तक जीने की इच्छा करनी चाहिए. यही कर्म की प्रधानता और कर्म का महत्व है. त्याग भाव से किया गया कर्म बंधन का कारण नहीं होता. बृहदारण्यक उपनिषद में कहा गया है कि मृत्यु के पश्चात् आत्मा शरीर को त्याग देता है लेकिन व्यक्ति द्वारा किये कर्मों का संचित फल आत्मा को प्रभावित किए रहता है. गीता में कहा गया है – "नहि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत। कार्यते ह्यवशः कर्म सर्वः प्रकृतिजैर्गुणैः ।।" अर्थात कोई भी मनुष्य किसी भी काल में क्षणमात्र भी बिना कर्म किए नहीं रह सकता, क्योंकि सभी मानव प्रकृति जनित गुणों के कारण कर्म करने के लिए बाध्य होते हैं. गीता में यह भी कहा गया है– " कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" यानी 'हे मानव तू कर्म कर, पर फल की इच्छा ना कर. गीता के अन्तर्गत कर्म के सिद्धान्त को सबसे अधिक विशद और वैज्ञानिक आधार पर प्रस्तुत किया गया है. गीता में भगवान कृष्ण निरन्तर कर्म करने की शिक्षा देते हैं. निष्क्रिय किंकर्तव्यविमूढ़ अर्जुन के अंदर कर्म का उत्साह भरने के लिए ही गीता की रचना की गई थी.

कर्मयोग और गीता

कर्मयोग गीता का प्रधान विषय है. कर्मयोग अर्थात् कर्म के माध्यम से योग. कर्म शब्द कृ धातु से निकलता है. कृ धातु का अर्थ है करना. अतः कर्मयोग में कर्म शब्द का अभिप्राय कर्म ही है. कर्म दो प्रकार के होते हैं – सकाम और निष्काम. सकाम कर्म बंधन के जनक हैं, निष्काम कर्म बंधन के अच्छेदक हैं. गीता में कर्मयोग का तात्पर्य निष्काम कर्म से ही हैं. निष्काम कर्म तृष्णारहित कर्म है. स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि बिना किसी निजी स्वार्थ के लोकोपकार के लिए अपना कर्तव्य सर्वश्रेष्ठ तरीके से करना ही कर्म योग है. गीता में श्रीकृष्ण समझाते हैं कि सभी जीव अपनी स्वाभाविक प्रकृति के गुणों के कारण कार्य करने के लिए बाध्य होते हैं और कोई भी प्राणी एक क्षण के लिए भी अकर्मा नहीं रह सकता. व्यक्ति को बिना कुछ सोचे-समझे सिर्फ कर्म के मार्ग पर चलते रहना चाहिए. जो मनुष्य कर्म किए बिना सिर्फ फल की चिंता करता है उसे जीवन में सिर्फ असफलता ही प्राप्त होती है.

सभी धर्मों में कर्म का महत्व

भारत में जितने सम्प्रदाय विकसित हुए हैं उन समस्त सम्प्रदायों में, समस्त मार्गों में, समस्त पंथों में कर्म सिद्धान्त परम अनुकरणीय सिद्धान्त के रूप में गृहीत है. बौद्ध धर्म में भी कर्म का महत्व है. यहां भी कहा जाता है कि व्यक्ति अपने कर्मों के अनुसार अपने भविष्य का निर्माण करता है. यहां बुद्ध ने निष्काम कर्म का बहुत महत्व दिया था. जैन धर्म में भी कर्म का बड़ा महत्व है. यहां कहा जाता है कि जीवात्मा के कर्मों के फलस्वरूप वह संसार में बंधता है. जैन धर्म में निष्काम कर्म और आत्मानुशासन का जिक्र किया जाता है. जीवन की पूर्णता कर्म में है. कर्म का सर्वाधिक महत्व है. सभी धर्म ग्रन्थों में ही कर्म को प्रधानता दी गई है. हर ग्रंथ यही कहता है कि प्रत्येक प्राणी को अपने किए हुए कर्म का परिणाम अवश्य प्राप्त होता है. फल प्राप्त करना जीव के हाथ में नहीं है. ईश्वर प्रत्येक जीव के कर्म के अनुसार फल का विधान करता है. वेदव्यास की धारणा है, "कृतं फलति सर्वत्र नाकृतं भुज्यते क्वचित्." सर्वत्र कर्म ही फल देता है, बिना किए कर्म का फल नहीं भोगा जाता. मनुष्य का सुख-दुःख उसके अपने कर्मों का ही फल है जो कि निश्चय ही योग्य है. उसको बदला नहीं जा सकता. जिस मनुष्य का अपने कर्मों पर अटूट विश्वास होता है और जो मनुष्य अपने कर्मों पर सदा अडिग रहता है वही मनुष्य जीवन में सफल होता है. हम अपने कर्मों को श्रेष्ठ बनाए तो जीवन सुखमय ही होगा.

भगवान बुद्ध के ये उपदेश बदल देंगे जिंदगी

दुनिया का चौथे सबसे बड़े धर्म में बौद्ध धर्म की गणना की जाती है. भारत ही नहीं, कई अन्य देशों में भी इस धर्म के अनुयायी रहते हैं. इस धर्म की स्थापना भगवान बुद्ध ने की थी जिनका मूल नाम सिद्धार्थ गौतम था. बौद्ध धर्म भगवान बुद्ध की शिक्षाओं और जीवन के अनुभवों पर आधारित है. उन्होंने दुनिया को अहिंसा, करुणा और शांति से जुड़े उपदेश दिए हैं. आइये गौतम बुद्ध के 10 ऐसे उपदेशों की चर्चा करें जो हमारी जिंदगी में बदलाव ला सकते हैं-

गौतम बुद्ध के द्वारा दिए गए उपदेश

1. जीवन में अगर शांति और खुशी चाहिए, तो मनुष्य को भूतकाल और भविष्य काल में नहीं उलझना चाहिए.
2. मनुष्य को क्रोध की सजा नहीं मिलती, बल्कि क्रोध से सजा मिलती है.
3. हजारों लड़ाइयों के बाद भी मनुष्य तब तक नहीं जीत सकता, जब तक वह अपने ऊपर विजय प्राप्त नहीं कर लेता है.
4. सूर्य, चंद्र और सत्य... ये तीन चीजें कभी नहीं छिप सकती.
5. मनुष्य को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने से अधिक अपनी यात्रा पर ध्यान देना चाहिए. जैसे हजारों शब्दों से एक अच्छा शब्द जो शांति प्रदान करता हो.
6. बुराई से बुराई खत्म नहीं होती. बुराई को प्रेम से ही खत्म किया जा सकता है.
7. सत्य की राह पर चलने वाला मनुष्य दो ही गलतियां कर सकता है, या तो पूरा रास्ता तय नहीं करता या फिर शुरुआत ही नहीं करता.
8. गुस्सा होने का मतलब जलता हुआ कोयला दूसरे पर फेंकना, जो पहले स्वयं के हाथों को ही जलाता है.
9. एक दीपक से हजारों दीपक जल सकते हैं, फिर भी दीपक की रोशनी कम नहीं होती. इस तरह किसी की बुराई से आपकी अच्छाई कम नहीं हो सकती.
10. जीवन में खुशियां बांटने से बढ़ती हैं. इसलिए मनुष्य को हमेशा खुश रहना चाहिए और दूसरों को भी खुशियां देनी चाहिए.

कल बैकुंठ चतुर्दशी है. हर और हरि के मिलन का दिवस. भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा शायद ही कभी एक ही दिन की जाती है और बैकुंठ चतुर्दशी 2023 ऐसा ही एक दुर्लभ और पवित्र दिन है.

हर और हरि का होगा मिलन

आचार्य अजय मिश्रा

भगवान विष्णु देवशयनी एकादशी से देवउठनी एकादशी तक विश्राम करते हैं. इस दौरान वे संपूर्ण सृष्टि का भार भगवान शिव को सौंप देते हैं. शास्त्रों में इस अवधि को चतुर्मास कहा गया है. चतुर्मास की अवधि जब खत्म होती है तो कार्तिक पूर्णिमा से ठीक एक दिन पहले भगवान हरि बैकुंठ पधारते हैं. उस वक्त भगवान शिव संपूर्ण सृष्टि का भार भगवान विष्णु को वापस सौंप देते हैं. यह हरि और हर के मिलन का दिन होता है. इस तिथि चतुर्दशी को हम शास्त्र द्वारा बैकुंठ चतुर्दशी के रूप में मनाते हैं. इस साल बैकुंठ चतुर्दशी 25 नवंबर, शनिवार को है.

बैकुंठ चतुर्दशी एक पवित्र त्योहार है जिसे शिव और विष्णु दोनों देवों के भक्तों द्वारा बहुत समर्पण के साथ मनाया जाता है क्योंकि दोनों देवता बैकुंठ चतुर्दशी के त्योहार से बहुत निकटता से जुड़े हुए हैं. यह त्योहार इस मामले में दुर्लभ है क्योंकि भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा शायद ही कभी एक ही दिन की जाती है. बैकुंठ चतुर्दशी ही वह दुर्लभ दिन है.

ऐसे करें पूजा

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि के बाद साफ कपड़े पहनकर पूजा स्थल को साफ करें. फिर शुभ मुहूर्त में पूजा स्थल पर केसर युक्त गाय के घी का दीपक जलाएं. अगरबत्ती जलाएं. भगवान को खीर का भोग लगाएं. दही, इत्र और जल से अभिषेक करें. भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा करें. इनके लिए समर्पित विशेष मंत्रों का जाप करें. इस मंत्र का जाप पूर्ण समर्पण भाव से करें:

॥ ॐ ह्रीं ॐ हरिणाक्षाय नमः शिवाय॥

पूरे दिन का व्रत रखें. कुछ लोग सूर्योदय से सूर्यास्त तक भी व्रत रखते हैं. यह व्रत भक्तों को मोक्ष या मोक्ष प्राप्त करने में भी मदद करता है.

बैकुंठ चतुर्दशी 2023 तिथि और समय

बैकुंठ चतुर्दशी : 25 नवंबर, शनिवार

बैकुंठ चतुर्दशी निशिता काल : रात्रि 11:41 बजे से रात्रि 12:35 बजे तक, 26 नवंबर

चतुर्दशी तिथि आरंभ : 25 नवंबर 2023 को शाम 05:22 बजे

चतुर्दशी तिथि समाप्तः 26 नवंबर 2023 को दोपहर 03:53 बजे

यह है कथा

एक बार भगवान विष्णु के मन में भगवान शिव से मुलाकात की इच्छा जागी. भगवान विष्णु की इच्छा थी कि शिवलिंग पर भगवान शिव के हजार नामों का जाप करते हुए कमल के फूल अर्पित करें. इसलिए उन्होंने मानसरोवर से 1000 कमल के फूल एकत्र किये. भगवान विष्णु जब मिलने पहुंचे, भगवान शिव ने उनका बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया. तब भगवान विष्णु ने भगवान शिव का एक नाम जपने और एक कमल का फूल शिवलिंग पर चढ़ाने का अनुष्ठान पूरा किया. जब भगवान विष्णु पूरी भक्ति के साथ अनुष्ठान की प्रक्रिया कर रहे थे, तो भगवान शिव ने उनकी परीक्षा लेने का फैसला किया. इसलिए उन्होंने भगवान विष्णु द्वारा चढ़ाए गए एक फूल को उतारकर कहीं छिपा दिया. जब भगवान विष्णु ने भगवान शिव के 1000 वें नाम का जाप किया और चढ़ाने के लिए आखिरी फूल की तलाश की, तो उन्होंने पाया कि फूल गायब था. भगवान विष्णु को अक्सर उनके भक्तों द्वारा 'कमला कानन' यानी 'कमल-आंखों वाला' कहा जाता है. इसलिए भगवान विष्णु ने कमल के फूल की जगह अपनी एक आंख शिवलिंग पर चढ़ा दी. भगवान विष्णु की इस भक्ति से भगवान शिव बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने तुरंत उन्हें गले लगा लिया और उनकी आंख भी ठीक कर दी. तब भगवान शिव ने भगवान विष्णु को सुदर्शन चक्र प्रदान किया ताकि वे दुष्ट शत्रुओं से लड़ सकें. भगवान शिव ने भगवान विष्णु को ब्रह्मांड के सेनापति और संरक्षक के रूप में स्वीकार किया, जो दुनिया में सभी जीवित और निर्जीव चीजों का समर्थन करेंगे. इस प्रकार, बैकुंठ चतुर्दशी के दिन, भगवान विष्णु और भगवान शिव दोनों की एक ही दिन पूजा की जाती है.

श्री राम से सीखिए जिंदगी के तीन पाठ

गुड़िया झा

जब भी हमारे जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियां आती हैं तो हम विचलित हो जाते हैं. हमारा धैर्य जवाब देने लगता है कि बस अब और ज्यादा सहन नहीं हो रहा. जबकि एक नजर प्रभु श्री राम के जीवन पर डालेंगे तो पाएंगे कि स्वयं भगवान का जीवन संघर्षों से भरा पड़ा था. बावजूद इसके वे अपने कर्मपथ पर चलते गए. उनके जीवन से सीखने योग्य कुछ महत्त्वपूर्ण बातें जो बताती हैं कि आसान कुछ भी नहीं होता है. इसे आसान बनाना पड़ता है.

धैर्य : धैर्य अपने आप में अद्भुत प्रसाद है मनुष्य के लिए. श्री राम के धैर्य का जवाब नहीं. सबसे पहला विरोध तो उन्हें अपने घर से ही झेलनी पड़ी. राज्यभिषेक छोड़ने और जंगल की तरफ प्रस्थान. उनके चेहरे पर राज्यभिषेक होने की खुशी भी नहीं थी और जंगल जाने का दुख भी नहीं था. बस यही बातें श्री राम को खास बनाती हैं. वे जब तक अयोध्या में रहे तब तक श्री राम कहलाए. जंगल का जीवन आसान नहीं था. लेकिन जंगल के जीवन ने उन्हें मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम बनाया.

उनके जीवन से यही सीख मिलती है कि जीवन है तो समस्याएं आएंगी ही. उसका सामना धैर्य के सहारे ही करना पड़ेगा.

शांत मन और विनम्रता

शांत मन से सभी की बातों को सुनना, समस्या की गहराई को समझना और जनकल्याण के हित में उसका समाधान करना वे अपना पहला कर्तव्य समझते थे. अपने जीवन में कठिनाइयां होने के बाद भी वे हमेशा विनम्र बने रहे. श्री राम ने किसी इंसान पर नहीं बल्कि इंसानियत पर राज किया. उनका ये गुण हमें सीखाता है कि जल्दबाजी और आक्रोश में लिया गया कोई भी फैसला सही नहीं होता है.

नेतृत्व क्षमता

श्री राम की नेतृत्व क्षमता अलग थी. उन्होंने सुग्रीव जैसे उदास भक्त को उत्साहित किया. उनके इसी प्रेरणा से सुग्रीव महारथी बनें. उन्होंने हनुमानजी की भी नेतृत्व क्षमता को बढ़ाया और इसी के कारण हनुमानजी ने युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

इससे हमें यही सीख मिलती है कि नेतृत्व क्षमता शिक्षा से अलग है. प्रत्येक व्यक्ति में कुछ विशेष गुण होते हैं जिसकी पहचान कर उनका विकास करना जरूरी है.

तुलसी विवाह से मोक्ष व विष्णु कृपा की प्राप्ति

सनातन धर्म में तुलसी विवाह का विशेष महत्व है. इस दिन माता तुलसी और भगवान विष्णु के शालीग्राम अवतार के विवाह का विधान है. कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को तुलसी विवाह किया जाता है. इस दिन भगवान विष्णु चार माह की योग निद्रा के बाद जाग्रत होते हैं. एकादशी के दिन माता तुलसी का विवाह करने से कन्यादान के समान पुण्य फल की प्राप्ति होती है. इसलिए अगर किसी ने कन्या दान न किया हो तो उसे जीवन में एक बार तुलसी विवाह कर के कन्या दान का शुभ पुण्य प्राप्त करना चाहिए. धर्मानुसार तुलसी विवाह विधि-विधान से संपन्न कराने से भक्तों को अंत में मोक्ष की प्राप्ति होती है और भगवान विष्णु की कृपा से मनोकामना पूरी होती है. वैवाहिक जीवन में आ रही बाधाओं से मुक्ति मिलती है.

माता तुलसी (वृंदा) और शालीग्राम (श्री हरि) की विवाह की पौराणिक कथा :

माता तुलसी का असली नाम वृंदा था. उनका जन्म राक्षस कुल में हुआ था. वह श्रीहरि विष्णु की परम भक्त थीं. वृंदा जब बड़ी हुईं तो उनका विवाह जलंधर नामक असुर से करा दिया गया. वृंदा भगवान विष्णु की परम भक्त के साथ-साथ वह पतिव्रता स्त्री भी थीं. उनकी भक्ति और पूजा के कारण उनका पति जलंधर अजेय होता गया और इसके चलते उसे अपनी शक्तियों पर अभिमान हो गया और उसने स्वर्ग पर आक्रमण कर देव कन्याओं को अपने अधिकार में ले लिया. इससे क्रोधित होकर सभी देव भगवान श्रीहरि विष्णु की शरण में गए और जलंधर के आतंक का अंत करने की प्रार्थना की. परंतु जलंधर का अंत करने के लिए सबसे पहले उसकी पत्नी वृंदा का सतीत्व भंग करना अनिवार्य था. तभी भगवान विष्णु ने अपनी माया से जलंधर का रूप धारण कर वृंदा के पतिव्रत धर्म को नष्ट कर दिया और इसके परिणामस्वरूप जलंधर की शक्ति क्षीण हो गई और वह युद्ध में मारा गया. लेकिन जब वृंदा को श्रीहरि के छल का पता चला तो उन्होंने भगवान विष्णु से कहा, हे नाथ मैंने आजीवन आपकी आराधना की. आपने मेरे साथ ऐसा कृत्य कैसे किया? इस प्रश्न का कोई उत्तर श्रीहरि नहीं दे पाए और तब वृंदा ने भगवान विष्णु से कहा कि आपने मेरे साथ एक पाषाण की तरह व्यवहार किया मैं आपको शाप देती हूं कि आप पाषाण बन जाएं. यह कहते ही भगवान श्री हरि पत्थर समान हो गए और सृष्टि का संतुलन बिगड़ने लगा. तब देवताओं ने वृंदा से याचना की कि वे अपना श्राप वापस ले लें. भगवान विष्णु भी वृंदा के साथ हुए छल से लज्जित थे और अंत में उन्होंने भगवान विष्णु को क्षमा कर दिया और भगवान विष्णु को श्राप मुक्त कर जलंधर के साथ सती हो गईं. वृंदा की राख से एक पौधा निकला जिसे श्रीहरि विष्णु ने तुलसी नाम दिया और वरदान दिया कि तुलसी के बिना मैं किसी भी प्रसाद को ग्रहण नहीं करूंगा. मेरे शालीग्राम रूप से तुलसी का विवाह होगा और कालांतर में जो लोग इस तिथि को तुलसी विवाह करेंगे उन्हें माता तुलसी और भगवान विष्णु के आशीर्वाद के साथ-साथ सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होगी. एकादशी के दिन भक्त श्रद्धा के साथ जो कुछ भी जप-तप, स्नान-दान, होम करते हैं, वह सब अक्षय फलदायक हो जाता है. देवोत्थान एकादशी के बाद से विवाह और मांगलिक कार्य का शुभारम्भ होता है. सभी मांगलिक कार्यों में भगवान विष्णु को साक्षी मानकर किया जाता है.

- आचार्य प्रणव मिश्रा

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

टी-20 सीरीज

इंग्लिस का शतक, ऑस्ट्रेलिया के तीन विकेट पर 208 रन

भाषा। विशाखापत्तनम

जोस इंग्लिस के करियर के पहले शतक और स्टीव स्मिथ के साथ उनकी शतकीय साझेदारी से ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी- 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में गुरुवार को यहां भारत के खिलाफ तीन विकेट पर 208 रन बनाए. रविवार को भारत को हराकर एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई की टीम में शामिल रहे इंग्लिस ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 50 गेंद में आठ छक्कों और 11 चौकों से 110 रन की पारी खेली और अंतरराष्ट्रीय करियर का अपना पहला शतक जड़ा. उन्होंने सलामी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ (52) के साथ दूसरे विकेट के लिए 130 रन की साझेदारी की. इंग्लिस ने सिर्फ 47 गेंद में शतक बनाया जो इस प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया की ओर से संयुक्त रूप से सबसे तेज शतक है. भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा (50 रन पर एक विकेट) और रवि बिश्नोई (54 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट चटकाया लेकिन दोनों काफी महंगे साबित हुए. भारतीय के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया.

अनुकूल पिच पर परेशानी नहीं : ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को बल्लेबाजी की अनुकूल पिच पर अधिक परेशानी नहीं हुई. स्मिथ ने अर्शदीप पर चौके से खाता खोला और फिर दूसरे ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा पर भी दो चौके मारे. मैथ्यू शॉर्ट (13) ने भी कृष्णा पर चौके से खाता खोला और फिर अक्षर पटेल पर भी दो चौके मारे. लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने पांचवें ओवर में अपनी ही गेंद पर स्मिथ का कैच टपकाया

तीन छक्के मारे

इंग्लिश ने 15वें ओवर में भी बिश्नोई पर तीन छक्के मारे. स्मिथ ने भी मुकेश कुमार पर चौके के साथ 40 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगली गेंद पर तेजी से एक रन लेने कोशिश में रन आउट हो गए. स्मिथ मुकेश की गेंद पर शॉट खेलकर रन के लिए दौड़े लेकिन बीच में गिर गए और उनके क्रीज पर पहुंचने से पहले शॉर्ट फाइन लेग पर खड़े कृष्णा के थ्रो पर गेंदबाज ने स्टंप उखाड़ दिए. उन्होंने 41 गेंद का सामना करते हुए आठ चौके मारे. इंग्लिस ने अर्शदीप सिंह के ओवर में चार चौकों के साथ सिर्फ 47 गेंद में अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक पूरा किया. इंग्लिस हालांकि अगले ओवर में कृष्णा की गेंद को डीप स्क्वाश लेग पर यशस्वी जायसवाल के हाथों में खेल गए. टिम डेविड (नाबाद 19) ने अर्शदीप पर छक्के के साथ 19वें ओवर में टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया.

लेकिन एक गेंद बाद शॉर्ट (13) को बोल्ड करके भारत को पहली सफलता दिलाई. स्मिथ ने इसके इंग्लिस के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया. दोनों ने पावर प्ले के छह ओवर में टीम का स्कोर एक विकेट पर 40 रन तक पहुंचाया. इंग्लिस ने आठवें ओवर में कृष्णा को निशाना बनाया और उनके ओवर में तीन चौके और एक छक्के से 19 रन जुटाए. उन्होंने अगले ओवर में बिश्नोई पर भी छक्का मारा. इंग्लिस ने बिश्नोई पर छक्के के साथ 29 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और 12वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया.

ब्रीफ खबरें

मणिपुर सीनियर राष्ट्रीय हॉकी के क्वार्टर फाइनल में

चेन्नई। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता नीलाकांता शर्मा के दोहरे गोल की मदद से मणिपुर ने बंगाल से 3 - 3 से ड्रॉ खेलकर 13वीं सीनियर पुरूष राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया . मणिपुर के लिये जेंजेन सिंह ने दूसरे मिनट में गोल दागा . इसके बाद भारत के मिडफील्डर नीलाकांता ने 25वें और 60वें मिनट में गोल किये . बंगाल के लिये एन नीतिश ने 48वें और 56वें और राजेंद्र ओरम ने 56वें मिनट में गोल दागा . झारखंड ने भी गोवा को 3- 0 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई.

अब्दुरेमोवा को हराकर जील अंतिम आठ में

बेंगलुरू। भारत की गैरवरीय जील देसाई ने गुरुवार को यहां शीर्ष वरीय उज्बेकिस्तान की निगिना अब्दुरेमोवा को हराकर उलटफेर करते हुए आईटीएफ महिला विश्व टेनिस टूर के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. जील ने महिला एकल प्री क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी को सीधे सेट में 6-4 6-4 से हराया. गुरुवार को चार अन्य वरीयता प्राप्त खिलाड़ी भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए. रश्मिता ने अपनी युगल जोड़ीदार वैदेही चौधरी को 4-6, 7-5, 7-5 से हराया.

गनीमत फाइनल के पदक दौर में जगह बनाई

दोहा। भारत की गनीमत सेखो ने गुरुवार को यहां पहली बार आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के पदक दौर में जगह बनाई ,लेकिन लुसैल निशानेबाजी रेंज में महिला स्कीट स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहीं. गनीमत ने इस दौरान इस साल आईएसएसएफ प्रतियोगिता में तीसरी बार 120 के अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की. वह पांचवें-छठे स्थान के क्वालीफिकेशन शूट ऑफ में अमेरिका की दानिया जो विज्जी से पिछड़ गईं.

कोठारी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में

दोहा। अपराजेय सौरव कोठारी ने आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप (अंक प्रारूप) में एक भी गेम गंवाये बिना शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के तौर पर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. पूर्व विश्व चैम्पियन कोठारी ने श्रीलंका के मोहम्मद मुबीन को 3- 0 से , फ्रांस के अखिलेश मोहन को 3 - 0 से और भारत के बृजेश दम्माणी को भी इसी अंतर से हराया . हाल ही में 26वां विश्व खिताब जीतने वाले पंकज आडवाणी को दूसरी वरीयता मिली है.

बैडमिंटन : प्रणय और सात्विक क्वार्टर फाइनल

शेनझेन। भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बृहस्पतिवार को चाइना मास्टर्स में अपने अपने वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए . विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणय ने डेनमार्क के मैग्नस योहानसेन को 21 - 12, 21 - 18 से हराया . पुरूष एकल वर्ग में प्रणय अकेले भारतीय खिलाड़ी बचे हैं .

एथलीट आशा पेरिस ओलंपिक की तैयारी में जुटी

खेल संवाददाता। बोकारो थर्मल

कोल इंडिया द्वारा स्पॉन्सर के बाद एथलीट आशा किरण बारला पेरिस में आयोजित ओलंपिक की तैयारी में जुट गई है. मालूम हो कि तामिलनाडु के नेहरू स्टेडियम कोयंबटूर में आयोजित 38 वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चौम्पियनशिप में 12 नंवबर को बालिका के 800 मीटर दौड़ का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाली एथलीट गोल्डेन गर्ल आशा किरण बारला को पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में सहयोग के लिए कोल इंडिया आगे आया है. इसकी जानकारी देते हुए कोच आशु भाटिया ने बताया कि कोल इंडिया अगले तीन वर्षों तक आशा किरण

बारला को 5-5 लाख रुपए की मदद करेगी. पिछलें कई माह से आशा किरण बारला को सहयोग करने का प्रस्ताव सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) से कोल इंडिया मुख्यालय भेजा गया था. कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद ने दीपावली में इसकी मंजूरी दे दी है. आशा किरण बारला पिछलें दो वर्षों से लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है.

ये सुविधाएं आशा किरण बारला को मिलेंगी

कोल इंडिया अगले तीन वर्षों तक प्रतिवर्ष 5-5 लाख रुपए की आर्थिक मदद करेगी. इसमें ही कोल इंडिया की ब्रांडिंग से जुड़ा ड्रेस व किट भी प्रबंधन की ओर से उपलब्ध कराया जाएगा. आशा अब अभ्यास और प्रतियोगिताओं (जहां आपत्ति न हो) के दौरान वही किट पहनेगी जिसपर कोल इंडिया की ब्राडिंग हो. आशा ने पिछलें दो साल में इतना शानदार प्रदर्शन किया की अब सीसीएल की पैतृक संस्था कोल इंडिया खुद आशा किरण बारला के साथ जुड़ने जा रही है.

सैमुअल्स छह साल के लिए प्रतिबंधित

दुबई। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज मार्लोन सैमुअल्स पर अबुधाबी टी10 लीग के दौरान मिले फायदों का खुलासा करने में विफल होने, खेल को बदनाम करने, जानकारी छुपाने और जांच अधिकारी के साथ सहयोग नहीं करने के लिए गुरूवार को छह साल का प्रतिबंध लगा दिया गया. सैमुअल्स ने चार मामलों में अमीरात क्रिकेट बोर्ड की भ्रष्टाचार रोधी संहिता का उल्लघंन किया जिसके लिए उन्हें बोर्ड में भ्रष्टाचार रोधी अधिकारी के तौर पर नामित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा सितंबर 2021 में आरोपित किया गया. अगस्त में उन्हें पंचाट द्वारा दोषी पाया गया था और उनका प्रतिबंध 11 नवंबर से शुरू हुआ. ये आरोप 2019 में अबुधाबी टी10 लीग से संबंधित हैं. पूर्व आल राउंडर सैमुअल्स ने 71 टेस्ट, 207 वनडे और 67 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं. आईसीसी ने गुरूवार को कहा कि 42 वर्षीय सैमुअल्स को दोषी पाया गया क्योंकि उन्होंने मनोनीत भ्रष्टाचार रोधी अधिकारी को किसी भी उपहार, भुगतान, आतिथ्य या अन्य फायदे की रसीद का खुलासा नहीं किया.

आईपीएल 2024 नहीं खेलेंगे बेन स्टोक्स

चेन्नई। इंग्लैंड के स्टार हरफनमौला बेन स्टोक्स कार्यभार प्रबंधन के कारण इंडियन प्रीमियर लीग का 2024 सत्र नहीं खेलेंगे. उनकी टीम चेन्नई सुपर किंग्स ने बृहस्पतिवार को इसकी पुष्टि की . स्टोक्स आईपीएल 2023 से पहले सीएसके से जुड़े थे लेकिन घुटने की चोट के कारण दो ही मैच खेल सके . सीएसके ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा कि इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान हरफनमौला बेन स्टोक्स कार्यभार प्रबंधन और फिटनेस के कारण आईपीएल 2024 नहीं खेल सकेंगे.

विश्व मुक्केबाजी के लिए टीम घोषित

भाषा। नई दिल्ली

भारत ने शुक्रवार से आर्मेनिया के येरेवान में शुरू हो रही आईबीए जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए 26 सदस्यीय मजबूत टीम का चयन किया है. चार दिसंबर तक चलने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 26 वजन वर्ग में 448 युवा मुक्केबाज हिस्सा लेंगे. हाल में संपन्न एशियाई युवा एवं जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के भारतीय जूनियर टीम आत्मविश्वास से भरी है.

भारत ने एशियाई चैंपियनशिप में कुल 21 पदक जीते थे जिसमें लड़कियों ने

13 और लड़कों ने आठ पदक जीते थे. एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले ब्रिजेश (46 किग्रा), दिवाश (50 किग्रा), योगेश (57 किग्रा), राहुल कुंडू (70 किग्रा) और हार्दिक (80 किग्रा) जूनियर विश्व चैंपियनशिप में लड़कों के अपने-अपने वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे. टीम में सिकंदर (48 किग्रा), साहिल (52 किग्रा), जतिन (54 किग्रा), सारथी (60 किग्रा), कबिराज सिंह (63 किग्रा), प्रशांत (66 किग्रा), साहिल (75 किग्रा) और हेमंत (80 किग्रा से अधिक) भी लड़कों के वर्ग में चुनौती पेश करेंगे. लड़कियों के जूनियर वर्ग में एशियाई युवा और जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता परी (50 किग्रा), निशा (52 किग्रा), निधि (66 किग्रा), आकांक्षा (70 किग्रा) और मेघा (80 किग्रा) के अलावा नेहा (46 किग्रा), पायल (48 किग्रा), अमीषा (54 किग्रा) शामिल हैं.

आओ जानें

महिला फीफा विश्व कप इतिहास के शीर्ष गोल स्कोरर

खिलाड़ी	टीम	गोल	पेनाल्टी
मार्ता	ब्राजील	15	3
बिरगिट प्रिंज	जर्मनी	14	0
एबी वंबाच	यूएसए	14	1
मिशेल एकर्स	यूएसए	12	2
वेन सन	चीन	11	1
बेटिना विगमैन	जर्मनी	11	6
एन-क्रिस्टिन आरोन्स	नॉर्वे	10	0
हेइडी मोहर	जर्मनी	10	0
लिंडा मेडलेन	नॉर्वे	9	0
हेगे रिइज	नॉर्वे	9	1

फील्ड अपडेट

हरिका चैम्पियनशिप के फाइनल में हारीं

चेन्नई। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी हरिका जूलियस बायर वुमैन्स ऑनलाइन स्पीड चेस चैम्पियनशिप 2023 के फाइनल में चीन की जीएम होऊ यिफान से 11-15 से हार गयीं. होऊ को खिताब जीतने के लिए 10,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली. जबकि हरिका को 4,230.77 डॉलर की राशि प्राप्त हुई. हरिका ने फाइनल मुकाबले के बाद कहा, ''मैं आज अच्छा नहीं खेल सकी. मुझे लगता है कि लगातार मैच खेलने का असर पड़ा है. यह वास्तव में थकाने वाला था.

320 खिलाड़ियों ने शतरंज में आजमाया हाथ

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के परीक्षा भवन सभागार में गुरुवार को हजारीबाग जिला शतरंज संघ द्वारा अखिल भारतीय स्तर का पांच दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता सेकेंड एचडीसीए ऑल इंडिया फाइड रेटिंग ओपेन टूर्नामेंट में 320 खिलाड़ियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता के दूसरे दिन गुरुवार को तीसरे राउंड तक के खेल हुआ .तीसरे राउंड तक के रिज़ल्ट में तमिलनाडु के खिलाड़ी प्रदीप कुमार 2195 पॉइंट रेटिंग के साथ सबसे उपर रहें. तीसरे राउंड तक के खेल में सर्वश्रेष्ठ पांच टेबल में प्रथम टेबल में तमिलनाडु के प्रदीप कुमार ने बिहार के मनीष यादव को हराया. दूसरे टेबल में बिहार के सिन्हा सुधीर कुमार ने झारखंड के प्रभुनाथ साह को हराया.

फुटबॉल खिलाड़ी समीर का भव्य स्वागत

जमशेदपुर । गोवा में आयोजित 37वें राष्ट्रीय खेल में जमशेदपुर के फुटबॉल खिलाड़ी समीर मुर्मू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया है. सर्विसेज टीम (पुरुष) की तरफ से खेलते हुए उन्होंने टीम को स्वर्ण पदक दिलाया. गुरुवार को शहर पहुंचने पर उनका टाटानगर स्टेशन पर ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया गया. इस अवसर पर जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी, आदिवासी एकता मंच, झारखंड छात्र मोर्चा समेत कई संगठन के लोग मौजूद थे. विधायक समेत अन्य लोगों ने अंग वस्त्र के साथ पुष्प गुच्छ देकर व माला पहनकर अभिनंदन किया. विधायक मंगल कालिंदी ने इस प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की. उन्होंने इसे गर्व का क्षण बताया.

गढ़वा पहुंची लातेहार की टीम

लातेहार। झारखंड वॉलीबॉल संघ एवं गढ़वा जिला वॉलीबॉल संघ के संयुक्त तत्वावधान में गढ़वा टाउन हॉल मैदान में गुरुवार से झारखंड राज्य यूथ महिला, पुरुष वॉलीबॉल चैंपियनशिप शुरू हो गई. इस चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए लातेहार जिला यूथ टीम गढ़वा पहुंच गयी है. इससे पहले लातेहार जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी और हौसला अफजाई की. लातेहार जिला यूथ पुरुष टीम में कप्तान शुभम कुमार साव, अनुज उरांव, आनंद कुमार, मनीष रंजन भगत, उमेश उरांव, विवेक कुमार, तालीम अंसारी, कन्हैया पांडेय आशुतोष कुमार ठाकुर, पियूष कुमार, शिवम कुमार पासवान व सागर भुइयां के अलावा हेड कोच प्रवीण मिश्रा एवं सहायक कोच कमलेश उरांव के नाम शामिल हैं.

क्रिकेट

विश्व कप फाइनल हारने पर बोले कुलदीप, मोहम्मद सिराज और राहुल

जीवन चलता रहता है,पर टीस लंबे समय तक सालती रहेगी

भाषा। नई दिल्ली

विश्व कप में फाइनल तक अजेय अभियान के बाद आखिरी मोर्चे पर हारने वाले भारतीय क्रिकेटरों कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने अपना दुख साझा किया है . स्पिनर कुलदीप यादव ने गुरूवार को स्वीकार किया कि आस्ट्रेलिया से विश्व कप फाइनल में मिली हार की टीस लंबे समय तक सालती रहेगी और यह उन्हें अगले मौके तक कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करती रहेगी. भारत को 19 नवंबर को अहमदाबाद में फाइनल में आस्ट्रेलिया से छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा.

कुलदीप ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''चेन्नई से अहमदाबाद तक हमारी यात्रा का नतीजा निराशाजनक

रहा, लेकिन हमें छह हफ्तों की अपनी उपलब्धियों पर गर्व है. इस दर्द के बावजूद हम अगले मौके के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. कलाई के इस स्पिनर ने लिखा, ''हार का दर्द सालता रहेगा लेकिन हमें आगे बढ़ना होगा, जीवन चलता रहता है और पीड़ा से उबरने में समय लगता है.

कुलदीप ने कहा कि इस हार से निपटना मुश्किल था. उन्होंने कहा कि विश्व कप काफी खूबसूरत था लेकिन ऐसा लगता है कि नियति को कुछ और मंजूर था . अब 'स्विच ऑफ' करके 'रिचार्ज' होने का समय है. इस हार से निपटना मुश्किल है, लेकिन आगे की यात्रा के लिए हमारा भरोसा कायम है. कुलदीप ने विश्व कप में भारत के सभी 11 मैच खेले और 15 विकेट झटके.

भारत ने लगातार 10 मैच जीते लेकिन नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक लाख से ज्यादा घरेलू समर्थकों के सामने हुए फाइनल में उसे हार का सामना करना पड़ा. कुलदीप ने कहा कि हमारे सहयोगी स्टाफ का शुक्रिया, हम हर प्रतिद्वंद्वी से भिड़ने के लिए पूरी तरह तैयार थे और उनकी प्रतिबद्धता ने बतौर खिलाड़ी हमारा भरोसा बढ़ाया. उन्होंने कहा कि सभी नौ स्टेडियम में प्रशंसकों के प्यार ने हमारे दिल को छू लिया और हमें अपना सर्वश्रेष्ठ से बेहतर करने के लिए प्रेरित किया. हम दुनिया भर के जुनूनी प्रशंसकों और हर भारतीय परिवार के समर्थन के लिए आभारी हैं. भारत की हार के बाद मैदान पर रोते दिखे सिराज ने 11 मैचों में छह से कम की इकॉनामी रेट से 14 विकेट लिये. उन्होंने कहा कहा हमारे अभियान का अंत वैसा नहीं हुआ जैसा हम चाहते थे . लेकिन भारत की नुमाइंदगी करना फख्र की बात है . मैं हमेशा से भारत के लिये खेलना चाहता था. उन्होंने लिखा कि दिल टूट गया है . लफ्जों में इस दुख और मायूसी को बयां नहीं किया जा सकता. इस बार ईश्वर की इच्छा नहीं थी लेकिन हम हर दिन कड़ी मेहनत करते रहेंगे. उन्होंने लिखा कि सभी प्रशंसकों का शुक्रिया .

रोहित को सिखाने की जरूरत नहीं : अश्विन

भाषा। मुंबई

भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने गुरूवार को अपने कप्तान रोहित शर्मा का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें शतक बनाना सिखाने की जरूरत नहीं है. आस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल में आक्रामक शुरूआत को बड़े स्कोर में नहीं बदलने के लिए रोहित की आलोचना की जा रही है. रोहित पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार लय में थे और भारत ने शीर्ष क्रम में उनके प्रदर्शन की बदौलत ही धमाकेदार शुरूआत की. उन्होंने 125 के शानदार स्ट्राइक रेट से 11 मैच में 597 रन बनाये.

रोहित फाइनल में ग्लेन मैक्सवेल को बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में जिस तरह आउट हुए, उसकी कुछ तबकों में आलोचना की जा रही है. उन्होंने 31 गेंद में 47 रन की पारी खेली जिससे मजबूत नींव बनी लेकिन टीम

इसका फायदा नहीं उठा सकी. अश्विन ने कहा कि हर कोई पीछे से कह रहा है कि अगर वह खेलता रहता तो 100 रन बना सकता था लेकिन यह उनकी इच्छाशक्ति थी कि टीम इस तरह का खेल दिखा सकी. रोहित शर्मा को शतक बनाना सिखाने की जरूरत नहीं है , वह काफी शतक बना चुके हैं लेकिन यह जज्बा है जो मायने रखता है.

इस अनुभवी ऑफ स्पिनर ने यह भी खुलासा किया कि पिछले रविवार को फाइनल में आस्ट्रेलिया के पहले गेंदबाजी करने के फैसले से भी वह हैरान थे लेकिन साथ ही पैट कमिंस और चयनकर्ता जॉर्ज बेली की अहमदाबाद की पिच बखूबी पढ़ने के लिए प्रशंसा की. आस्ट्रेलिया ने फाइनल में भारत को कई मोर्चों पर पछाड़कर छठी बार विश्व कप जीता . अश्विन ने गुरूवार को अपने यूट्यूब वीडियो में कहा कि आस्ट्रेलिया ने फाइनल में शानदार खेल दिखाया. मैं उनकी रणनीति देखकर हैरान रह गया.

ब्रीफ खबरें

मंदिर पुनर्विकास के लिए 42.51 करोड़ रु की मंजूरी

बेहरामपुर। ओडिशा सरकार ने गंजम जिले में 26 प्राचीन मंदिरों के पुनर्विकास के लिए 42.51 करोड़ रु की मंजूरी दी. एक अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के गृह क्षेत्र गंजम में बेरहामपुर को छोड़कर 13 विधानसभा क्षेत्रों में से 12 में स्थित प्राचीन मंदिरों का नवीनीकरण, जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण इसी राशि से किया जाएगा. जिला प्रशासन ने जनता की मांग के मद्देनजर पुराने और ऐतिहासिक मंदिरों के नवीनीकरण और बुनियादे ढांचे के विकास के लिए सरकार से सिफारिश की थी.

राजौरी के मुठभेड़ में लश्कर का आतंकी ढेर

राजौरी/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में गुरुवार को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक आतंकी मारा गया. बुधवार को मुठभेड़ में विशेष बलों के दो कैप्टन समेत चार सैन्यकर्मी शहीद हो गये थे और दो अन्य घायल हो गए. धर्मसाल के बाजीमाल इलाके में रात भर के विराम के बाद आज सुबह गोलीबारी फिर से शुरू हो गई. रात भर अतिरिक्त सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में घेराबंदी कर दी थी ताकि, आतंकी घने जंगली इलाके की ओर न भाग सकें.

पहली महिला न्यायाधीश फातिमा बीबी का निधन

कोल्लम। उच्चतम न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश और तमिलनाडु की पूर्व राज्यपाल न्यायमूर्ति फातिमा बीबी का गुरुवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया. आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी. वे 96 वर्ष की थीं. केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने न्यायमूर्ति फातिमा बीबी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने उच्चतम न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश और तमिलनाडु की राज्यपाल के रूप में अपनी छाप छोड़ी.

गोलीबारी में पुलिसकर्मी की मौत, दो अन्य घायल

सुल्तानपुर लोधी। पंजाब के कपूरथला जिले में 'निहंगों' के समूह की गोलीबारी में एक पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई जबकि दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए. घटना उस वक्त हुई जब पुलिसकर्मी सुल्तानपुर लोधी में बाबा मान सिंह के नेतृत्व वाले निहंगों के एक गुट द्वारा खाली किए गए गुरुद्वारा अकाल बंगा साहिब में अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे. कपूरथला के पुलिस अधीक्षक तेजबीर सिंह हुंडल ने बताया कि पुलिसकर्मी सड़क पर खड़े थे तभी कुछ निहंगों ने उन पर गोलियां चला दीं.

इमारत में लगी आग 9 अस्पताल में भर्ती

मुंबई। मुंबई के भायखला इलाके में गुरुवार को 24 मंजिली एक आवासीय इमारत में आग लग गई, जिसके बाद पांच बुजुर्गों समेत नौ लोगों को दम घुटने की शिकायत के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि आग भायखला के घोडपदेव इलाके में महाराष्ट्र आवासीय एवं क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण (एमएचएडीए) कॉलोनी में न्यू हिंद मिल कंपाउंड में स्थित इमारत की तीसरी मंजिल पर सुबह तीन बजकर 40 मिनट पर लगी.

अमेरिकी सरकार में जवाबदेही की कमी

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में वरिष्ठ अधिकारी रहे भारतीय-अमेरिकी काश पटेल का कहना है कि अमेरिकी सरकार के भीतर उन लोगों में जवाबदेही की भारी कमी है, जो पद पर हैं और उन्होंने कानून तोड़े हैं. भारतीय अमेरिकी अटार्नी और ट्रंप प्रशासन में प्रशासनिक अधिकारी रहे पटेल ने अपनी नयी किताब 'गवर्नमेंट गैंगस्टर' में अमेरिकी नौकरशाही की कड़ी आलोचना की है. उनका आरोप है कि अमेरिकी नौकरशाही में कानून तोड़ने वाले लोगों के एक वर्ग की गहरी घुसपैठ या वर्चस्व है.

बिजनौर में बाघ ने ले ली मजदूर की जान

बिजनौर। बिजनौर जनपद में कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान के ढिकाला पर्यटन क्षेत्र में 'सोलर फेंसिंग' का कार्य कर रहे श्रमिक पर बाघ ने हमला कर उसकी जान ले ली. वन क्षेत्राधिकारी राजेन्द्र चक्रवात ने बताया कि गुरुवार को कार्बेट टाइगर रिजर्व के ढिकाला क्षेत्र में 'सोलर फेंसिंग' का काम कर रहे नेपाली मूल के श्रमिक रामप्रसाद (55) को बाघ खींचकर झाड़ियों में ले गया. बाघ से छुड़ाने के लिए नौ राउंड हवाई फायरिंग करनी पड़ी लेकिन रामप्रसाद को बचाया नहीं जा सका.

गुरुवार को नई दिल्ली में अपनी आगामी फिल्म 'एनिमल' के ट्रेलर लॉन्च होने के मौके पर अभिनेता रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल, फिल्म निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा, टी-सीरीज के प्रबंध निदेशक भूषण कुमार और अन्य लोग मौजूद थे. -फोटो : पीटीआई

आओ जानें

देश के अनुसार सर्वाधिक टाइम जोन

फ्रांस	12	किरिबाती	3
रूस	11	कांगो	2
यूएसए	11	इक्वाडोर	2
ऑस्ट्रेलिया	9	माइक्रोनेशिया	2
यूके	9	कजाकिस्तान	2
अंटार्कटिका	9	नीदरलैंड	2
कनाडा	6	मंगोलिया	2
डेनमार्क	5	पापुआ न्यू गिनी	2
न्यूजीलैंड	5	पुर्तगाल	2
ब्राज़ील	4	दक्षिण अफ्रीका	2
मेक्सिको	4	स्पेन	2
चिली	3		
इंडोनेशिया	3		

नोट: इनमें ओवरसीज टेरिटरीज भी शामिल हैं

सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों से मात्र 6 मीटर दूर जिंदगी

बचाव अभियान फिर शुरू

भाषा। उत्तरकाशी

उत्तराखंड की निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में मलबे में ड्रिलिंग के दौरान आई बाधा को दूर करने के बाद गुरुवार को सुबह फिर बचाव अभियान शुरू कर दिया गया. यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रही सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को ढह गया था और तब से 41 श्रमिक उसमें फंसे हुए हैं, जिन्हें निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है. अधिकारियों ने यहां बताया कि श्रमिकों के लिए मलबे में रास्ता तैयार करने हेतु अमेरिकी ऑगर मशीन से बुधवार को की जा रही ड्रिलिंग के दौरान सामने आए लोहे के सरिये को हटा दिया गया है लेकिन, इससे अभियान में 12-14 घंटे की देरी हो गयी. बचाव कार्य की निगरानी कर रहे प्रधानमंत्री कार्यालय के पूर्व सलाहकार भास्कर खुल्बे ने संवाददाताओं को बताया कि लोहे के सरिये के कारण उत्पन्न समस्या को दूर कर लिया गया है. गैस कटर का इस्तेमाल कर सरिये को काट दिया गया है. खुल्बे ने कहा कि सुरंग में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के अभियान में शामिल बचावकर्मियों को ड्रिलिंग पूरी करने और श्रमिकों तक पहुंचने में 12 से 14 घंटे और लगेंगे.

श्रमिकों को निकालने का बनाया जा रहा है रास्ता : सत्रह नवंबर को भी किसी कठोर सतह से टकराने के कारण तेज आवाज आने के बाद अमेरिकी ऑगर मशीन से ड्रिलिंग रोक दी गयी थी जो मंगलवार मध्यरात्रि के बाद फिर शुरू की गयी. ऑगर मशीन से ड्रिलिंग कर उसमें छह-छह मीटर लंबे, 800 मिलीमीटर व्यास के पाइपों को जोड़कर श्रमिकों को निकालने का रास्ता बनाया जा रहा है. अधिकारियों ने बताया कि रास्ता तैयार करने के बाद राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के जवान श्रमिकों को एक-एक कर बाहर लाएंगे जिसके लिए पूर्वाभ्यास (मॉक ड्रिल) कर लिया गया है.

सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाते मुख्यमंत्री धामी.

कोशिश जारी

- सुरंग का एक हिस्सा 12 को ढह गया था
- सरिया मिलने से कुछ घंटे रुका था काम

सरिया मिलने से कुछ देर काम अवरुद्ध

बुधवार देर रात बाधा आने के बाद 800 मिलीमीटर व्यास वाले स्टील पाइप को मलबे में डालने के लिए की जा रही ड्रिलिंग को रोकना पड़ा था. खुल्बे ने कहा कि बुधवार शाम मलबे के 45 मीटर अंदर तक ड्रिलिंग पूरी कर ली गयी थी लेकिन, उसके बाद मलबे में लोहे का सरिया मिलने से पांच-छह घंटे काम रुका रहा. श्रमिकों तक पहुंचने के लिए अब मलबे को केवल 6 मीटर भेदा जाना शेष है.

सुरंग में फंसे मजदूरों को सरकार उचित मुआवजा दे : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी की निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों के सुकशल बाहर निकलने की कामना करते हुए गुरुवार को कहा कि सरकार द्वारा इन मजदूरों को उचित मुआवजा और मदद दी जानी चाहिए. प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि उत्तरकाशी के सिलक्यारा में 12 दिन से 41 मजदूर भाई सुरंग में फंसे हैं. खबर है कि उन्हें बचाने के लिए चल रहा अभियान सफलता की ओर बढ़ रहा है और जल्द ही सबके सकुशल बाहर आने की उम्मीद जगी है. ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी मजदूर भाई जल्द से जल्द बाहर आकर स्वस्थ-सानंद अपने-अपने घर पहुंचें. पूरा देश उनके लिए प्रार्थनाएं कर रहा है.

सुरंग के बाहर सारे उपकरणों से लैस एंबुलेंस तैयार

इस बीच, श्रमिकों के बाहर आते ही उन्हें चिकित्सकीय सुविधा मुहैया कराने के लिए घटनास्थल से 30 किलोमीटर दूर चिन्यालीसौड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 41 बिस्तरों का अस्पताल तैयार किया गया है. सुरंग के बाहर भी चिकित्सकों तथा उपकरणों से लैस एंबुलेंस तैयार खड़ी हैं. केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह और एनडीआरएफ के महानिदेशक अतुल करवाल बचाव कार्यों की समीक्षा करने के लिए सिलक्यारा पहुंच गये हैं. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी घटनास्थल पर मौजूद हैं.

प्रौद्योगिकी की बागडोर अपने हाथ में लेने की जरूरत : सीतारमण

वित्त मंत्री का जागरूकता पर जोर

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि साइबर धोखाधड़ी के बारे में लोगों के बीच जागरूकता उत्पन्न करने और धोखा देने वालों को प्रणाली से खिलवाड़ करने से रोकने के लिए प्रौद्योगिकी की बागडोर अपने हाथ में लेने की जरूरत है. 'डिजिटल एक्सेलेरेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन एक्सपो' (डीएटीई) के प्रौद्योगिकी संबंधी सत्र में मंत्री ने कहा कि लोगों को फोन या एसएमएस (संदेश) के जरिए निशाना बनाए जाने वाले साइबर धोखाधड़ी के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार समय-समय पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की समीक्षा करती है.

नियामक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी स्वयं की प्रणाली की समीक्षा करता है. बीमा कंपनियां भी अपनी प्रणाली की समीक्षा करती हैं. सीतारमण ने कहा कि हम लगातार इस पर काम कर रहे हैं जो आवश्यक है... जब तक जागरूकता नहीं आती, तब तक हम लोगों को इस बात को लेकर सतर्क नहीं कर सकते कि उन्हें फोन पर कही गई किसी भी बात पर ध्यान नहीं देना चाहिए, तब तक नागरिक खतरे में हैं.

उन्होंने कहा कि इस बात को लेकर चिंता है कि लोगों को कहीं से भी फोन आ रहे हैं, जिससे वे ऐसी स्थिति में आ जाते और फंस जाते हैं. इसके परिणामस्वरूप उन्हें अपने पैसों से हाथ धोना पड़ता है. मंत्री ने कहा कि जो लोग प्रणाली के साथ खिलवाड़ करते हैं. वे प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल और दुरुपयोग के मामले में शायद हमसे एक स्तर आगे हैं. इस पर बहुत काम करने की जरूरत है. यह कभी खत्म न होने वाला खेल है क्योंकि प्रौद्योगिकी हमेशा आपसे बहुत आगे रहती है. आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि इसकी लगाम अपने हाथ में कैसे रखी जाए. मंत्री ने कहा कि बड़े संस्थानों, संवेदनशील संस्थानों के पास पर्याप्त प्रौद्योगिकी होनी चाहिए. दलों को नियमित रूप से 'फ़ायरवॉल' के लिए पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित किया जाना चाहिए और यह जांचते रहना चाहिए कि 'फ़ायरवॉल' काम कर रहा है या नहीं.

खास बातें

- आरबीआई अपनी स्वयं की प्रणाली की समीक्षा करता है
- प्रौद्योगिकी हमेशा आपसे बहुत आगे रहती है

फार्म हाउस से अवैध शराब जब्त, 4 गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के नोएडा में आबकारी विभाग और पुलिस टीम ने संयुक्त टीम ने एक फार्म हाउस से अवैध शराब जब्त की है और चार लोगों को गिरफ्तार किया है. एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि शराब को हरियाणा से तस्करी कर लाया गया था. उन्होंने बताया कि फार्म हाउस का मालिक फरार है और उसकी तलाश की जा रही है. पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि बीती रात संयुक्त टीम ने सेक्टर-135 स्थित कांतम फार्म हाउस पर छापेमारी की.

सीएम योगी ने दी शहीद कैप्टन को श्रद्धांजलि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए आगरा जिले के निवासी सेना के कैप्टन शुभम गुप्ता को गुरुवार को श्रद्धांजलि दी. राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री ने शहीद शुभम गुप्ता के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि शोक की इस घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ है. मुख्यमंत्री ने शहीद के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की है. उन्होंने शहीद के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने तथा जनपद की एक सड़क का नामकरण शहीद गुप्ता के नाम पर करने की भी घोषणा की है. जम्मू के राजौरी में बुधवार को आतंकवादियों से मुठभेड़ में चार भारतीय सैनिक शहीद हो गये. इनमें आगरा निवासी कैप्टन शुभम गुप्ता भी शामिल हैं.

राजस्थान में कांग्रेस के पक्ष में है माहौल : मल्लिकार्जुन खड़गे

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के आखिरी दिन बृहस्पतिवार को दावा किया कि अशोक गहलोत सरकार की कल्याकारी योजनाओं एवं पार्टी की सात 'गारंटी' के चलते प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल है तथा हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज इस बार बदलेगा.

राजस्थान में गुरुवार शाम चुनाव प्रचार थम जाएगा. प्रदेश की सभी 200 विधानसभा सीट के लिए आगामी 25 नवंबर को मतदान होगा. मतगणना तीन दिसंबर को होगी. खड़गे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि राजस्थान के चुनाव प्रचार का आज आख़री दिन है. वीरों और रणबांकुरों की पावन धरती राजस्थान ने हमारी जन-कल्याणकारी योजनाओं को स्वीकारा है. कांग्रेस पार्टी की 7 गारंटी पर अपना भरोसा जताने के लिए एक करोड़ से भी ज़्यादा परिवारों को धन्यवाद. पूरे राज्य में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में माहौल है उन्होंने दावा किया कि भाजपा हमारे सामाजिक न्याय, आर्थिक सशक्तिकरण और बचत एवं राहत की योजनाओं से घबरा गई है.

शिफा अस्पताल की आड़ में हमास ने कमान केंद्र बना रखे हैं और अस्पताल के नीचे कई बंकर हैं : इजराइली सेना

अस्पताल के नीचे हमास के बड़े ठिकाने का खुलासा

भाषा। गाजा सिटी

इजराइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े अस्पताल शिफा के नीचे हमास का सैन्य केंद्र होने के अपने दावे को साबित करने के लिए विदेशी पत्रकारों के एक समूह को एक भूमिगत ठिकाने की तरह प्रतीत होने वाले बंकर दिखाए. दर्जनों सैनिक इन पत्रकारों को पत्थर की एक संकीर्ण सुरंग के जरिए शिफा अस्पताल के नीचे बने भूमिगत बंकरों में ले गए. सेना के अनुसार इस सुरंग की लंबाई 150 मीटर है. सुरंग के अंत में स्थित कई क्वार्टर में एक एयर कंडीशनर, रसोईघर, शौचालय और सफेद टाइल से बने कमरे में धातु की चारपाई हैं. ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इनका इस्तेमाल अभी नहीं किया जा रहा. इजराइल ने सात अक्टूबर को हमास के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी. उसने हमास पर गाजा के अस्पतालों का सैन्य कवर के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है. उसने दावा किया है कि शिफा अस्पताल की आड़ में हमास ने कमान केंद्र बना रखे हैं और अस्पताल के नीचे कई बंकर हैं. हमास और अस्पताल के प्रशासन ने इजराइल के आरोपों को खारिज किया है. इजराइली सेना के मुख्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हैगारी ने कहा कि शिफा गाजा का सबसे बड़ा अस्पताल है और हमास का सबसे बड़ा आतंकवादी केंद्र है.

इजराइल-हमास युद्धविराम समझौते में थोड़ा व्यवधान

इजराइल-हमास के बीच चार दिन के युद्ध विराम तथा हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के बदले में इजराइल की जेलों में बंद फिलिस्तीन के नागरिकों को रिहा कराने संबंधी समझौते में अंतिम वक्त में व्यवधान आ गया जिससे युद्ध विराम के शुक्रवार से पहले लागू होने के आसार नहीं है. इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जाची हानेग्बी ने देर रात घोषणा की कि समझौता शुक्रवार से पहले लागू नहीं होगा. माना जा रहा था कि इससे एक दिन पहले ही युद्धविराम प्रभावी हो जाएगा.

गाजा में 13,000 से अधिक लोग मारे गए

हमास शासित गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उसने इजराइल-हमास की जंग में मारे गए फिलिस्तीनियों की विस्तृत जानकारी के साथ गणना करना फिर शुरू कर दिया है और मृत्यु के 13000 से अधिक मामले दर्ज किए हैं. स्वास्थ्य मंत्रालय के निदेशक मेदहत अब्बास ने गुरुवार को 'द एसोसिएटिड प्रेस' से बातचीत में मृतकों की गिनती शुरू करने की पुष्टि की. स्वास्थ्य मंत्रालय ने उत्तर गाजा में आवागमन और संचार बाधित होने के बाद 11 नवंबर को आंकड़ें जारी करना बंद कर दिया था.

चिंताजनक सोशल मीडिया मंचों के प्रतिनिधियों से मिले वैष्णव, कहा-

'डीपफेक' के लिए जल्द नए नियम लाएंगे

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'डीपफेक' को लोकतंत्र के लिए नया खतरा करार देते हुए गुरुवार को कहा कि सरकार इससे निपटने के लिए जल्द ही नए नियम लाएगी.

मंत्री ने 'डीपफेक' के मुद्दे पर सोशल मीडिया मंचों के प्रतिनिधियों से गुरुवार को मुलाकात की. उन्होंने कहा कि कंपनियां 'डीपफेक' का पता लगाने, इससे निपटने, इसकी सूचना देने के तंत्र को मजबूत करने और उपयोगकर्ताओं में जागरूकता बढ़ाने जैसी स्पष्ट कार्रवाइयां करने पर सहमत हुईं. वैष्णव ने पत्रकारों से कहा कि हम आज ही विनियमन का मसौदा तैयार करना शुरू कर देंगे और कुछ ही समय में हमारे पास 'डीपफेक' से निपटने के लिए नए नियम होंगे...यह मौजूदा ढांचे में संशोधन या नए नियम या नया कानून लाने के रूप में हो सकता है.

खास बातें

- 'डीपफेक' लोकतंत्र के लिए नया खतरा
- असली और नकली में अंतर करना काफी मुश्किल

मंत्री ने कहा कि 'डीपफेक' लोकतंत्र के लिए एक नया खतरा बनकर उभरा है.

अगली बैठक दिसंबर के पहले सप्ताह में : वैष्णव ने कहा कि हमारी अगली बैठक दिसंबर के पहले सप्ताह में होगी...आज किए गए फैसलों पर उसमें आगे की चर्चा होगी. मसौदा विनियमन में क्या शामिल किया जाना चाहिए, इस पर भी चर्चा की जाएगी. 'डीपफेक' में कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल करते हुए किसी तस्वीर या वीडियो में मौजूद व्यक्ति की जगह किसी दूसरे को दिखा दिया जाता है. इसमें इतनी समानता होती है कि असली और नकली में अंतर करना काफी मुश्किल होता है. हाल ही में, बॉलीवुड के कई कलाकारों को निशाना बनाने वाले कई 'डीपफेक' वीडियो सोशल मीडिया मंच पर आए. इसपर कई लोगों ने नाराजगी जाहिर की. इससे नकली सामग्री बनाने के लिए प्रौद्योगिकी तथा उपकरणों के दुरुपयोग को लेकर भी कई सवाल खड़े हो गए.

तिनसुकिया में सैन्य शिविर के बाहर धमाका

तिनसुकिया। असम के तिनसुकिया जिले में एक सैन्य शिविर के गेट के बाहर ग्रेनेड में विस्फोट हुआ. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. यह विस्फोट बुधवार शाम डिराक में एक सैन्य शिविर के गेट के सामने हुआ. अधिकारी ने कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने शिविर के अंदर ग्रेनेड फेंकने की कोशिश की लेकिन वह बाहर गिर गया और उसमें विस्फोट हो गया. उन्होंने कहा कि हम मामले की जांच कर रहे हैं और दोषियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है. सशस्त्र बल (विशेषाधिकार) अधिनियम, 1958 (अफस्पा) को एक अक्टूबर से असम के चार जिलों - डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, शिवसागर और चराइदेव में विस्तार दिया गया था.

इमरान की पार्टी 20 दिन में चुनाव कराये : आयोग

आयोग ने चुनाव कराने के लिए अंतिम चेतावनी दी थी

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को गुरुवार को आदेश दिया कि वह अपने चुनाव चिह्न के रूप में 'बल्ले' को बरकरार रखने के लिए 20 दिनों के भीतर पार्टी के अंदरूनी चुनाव कराये. एक मीडिया खबर में यह जानकारी दी. पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने कहा कि पीटीआई ने संविधान के मुताबिक पारदर्शी तरीके से चुनाव नहीं कराया. आयोग ने अगस्त में पीटीआई को चुनाव कराने के लिए अंतिम चेतावनी दी थी, अन्यथा उसे चुनाव चिह्न प्राप्त करने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है. इसमें कहा गया था कि पार्टी के संविधान के तहत चुनाव 13 जून 2021 को होने थे लेकिन एक साल का विस्तार दिया गया था. पीटीआई का प्रतिनिधित्व करने वाले गौहर अली खान ने कहा था कि पार्टी के चुनाव उसके संविधान में संशोधन से पहले हुए थे.

हालांकि, मुख्य चुनाव आयुक्त ने दावा किया कि पीटीआई ने 8 जून 2022 को अपने संविधान में संशोधन किया और 10 जून 2022 को अंतर-पार्टी चुनाव कराये. 'डॉन' अखबार की खबर के अनुसार, खान ने यह भी कहा था कि पार्टी संविधान में किये गये संशोधन को बाद में वापस ले लिया गया था.

सत्ता का सेमीफाइनल

प्रधानमंत्री ने देवगढ़ में एक चुनावी जनसभा को किया संबोधित

'कांग्रेस ने गुर्जरों को छला'

भाषा। जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को लेकर गुरुवार को एक बार फिर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि गुर्जर समाज का एक बेटा राजनीति में जगह बनाने के लिए संघर्ष करता है, लेकिन सत्ता मिलने के बाद उसे दूध में से मक्खी की तरह निकाल कर फेंक दिया जाता है. मोदी ने देवगढ़ (राजस्थान) में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ...गुर्जर समाज का एक बेटा राजनीति में जगह बनाने के लिए संघर्ष करता है. पार्टी के लिए जान लगाता है और सत्ता मिलने के बाद ''शाही परिवार''

की शह पर उसे दूध में से मक्खी की तरह निकाल कर फेंक दिया जाता है. उन्होंने कहा, स्वर्गीय राजेश पायलट जी के साथ भी इन्होंने यही किया और उनके बेटे के साथ भी यही कर रहे हैं. मोदी ने कहा, गुर्जरों का जितना अपमान कांग्रेस ने किया है... यह राजस्थान की पहली पीढ़ी ने भी देखा है और आज की पीढ़ी भी देख रही है. कल राजस्थान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा था, राजेश पायलट जी ने कभी इस कांग्रेस परिवार को चुनौती दी थी, लेकिन यह परिवार ऐसा है कि राजेश जी को तो सजा दी, उनके बेटे (सचिन पायलट) को भी सजा देने में लगे हुए हैं. अपने बयान पर कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रियाओं पर मोदी ने कहा, कांग्रेस मेरे असली सवालों के जवाब नहीं दे रही... कांग्रेस पूरी ताकत से झूठ बोल रही है कि कांग्रेस के ''शाही परिवार'' ने राजेश पायलट का कभी अपमान नहीं किया.. जो सवाल मैं उठाता हूं उसके जवाब दो ना. उन्होंने कहा कि कांग्रेस सचिन पायलट को दी गई गालियों को कैसे झुठला सकती है.

सीएम योगी शिंदे ने रोड शो किया

जयपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राजस्थान में विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा और राजसमंद के नाथद्वारा में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में रोड शो किया. यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जयपुर में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में रोड शो किया. शाह जयपुर से निम्बाहेड़ा पहुंचे और चार किलोमीटर लंबा रोड शो किया. प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी भी सजे हुए खुले वाहन में शाह और कृपलानी के साथ मौजूद थे.

षड्यंत्र रच रही है भाजपा : गहलोत

भाषा। जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लाल डायरी और महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले को भाजपा का राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव जीतने के लिए रचा गया 'षड्यंत्र' करार दिया. उन्होंने इसकी जांच उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से करवाने की मांग की. गहलोत ने दावा किया कि उनकी सरकार के खिलाफ कोई 'सत्ता विरोधी' लहर नहीं है. उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य में एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी. गहलोत ने दिवंगत कांग्रेस नेता राजेश पायलट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी की भी आलोचना की और कहा कि भाजपा राज्य में गुर्जर समुदाय को भड़काना चाहती है.

यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में गहलोत ने कहा, एक मांग मैं महादेव ऐप व लाल डायरी मामले के बारे में करना चाहूंगा...उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से इसकी जांच कराई जानी चाहिए. भाजपा ने चुनाव के दौरान ये जो षड्यंत्र किया, चुनाव जीतने के लिए, यह बहुत बड़ा षड्यंत्र है. इसकी जांच होनी चाहिए.

छत्तीसगढ़ में महादेव ऐप मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया, षड्यंत्रकारी लोग हैं.. चार दिन पहले वहां के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने की इनकी साजिश थी. उसका पर्दाफाश हो गया. मुख्यमंत्री ने दावा किया, भाजपा ने पूरी कोशिश कर ली, लेकिन राजस्थान में सरकार नहीं गिरा पाई. आज उन्हें इसी बात की टीस सता रही है.

भाजपा लोगों को गुमराह कर रही है

गहलोत ने कहा कि भाजपा लोगों को गुमराह कर और षड्यंत्र रचकर चुनाव जीतना चाहती है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लोकसभा क्षेत्र में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में एक युवती के साथ छेड़छाड़ हुई लेकिन उसकी कोई चर्चा नहीं है. गहलोत ने कहा कि दिल्ली में महिला पहलवान धरने पर बैठी रहीं और उन्होंने भाजपा सांसद पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया लेकिन प्रधानमंत्री ने कोई परवाह नहीं की. भाजपा द्वारा उदयपुर के कन्हैया लाल हत्याकांड को चुनावी मुद्दा बनाए जाने पर गहलोत ने कहा कि जिन लोगों ने कन्हैया लाल की हत्या की, वे चार साल से भाजपा के कार्यकर्ता थे .

पीएम के खिलाफ टिप्पणी के लिए आयोग ने राहुल को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए की गईं 'पनौती', 'जेबकतरे' और कर्ज माफी संबंधी टिप्पणियों के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बृहस्पतिवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया. आयोग ने उनसे शनिवार शाम तक जवाब देने को कहा है. सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ निर्वाचन आयोग का दरवाजा खटखटाया था और कहा था कि एक वरिष्ठ नेता द्वारा इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करना 'दुर्भाग्यपूर्ण' है. निर्वाचन आयोग ने गांधी को याद दिलाया कि आदर्श चुनाव आचार संहिता नेताओं को राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ असत्यापित आरोप लगाने से रोकती है. कांग्रेस नेता ने राजस्थान में हाल की रैलियों में प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए 'पनौती', जेबकतरे व अन्य टिप्पणियां की थी. इसकी शिकायत भाजपा की ओर से निर्वाचन आयोग से की गई थी, जिसके मद्देनजर नोटिस जारी किया गया.

बंटा नजर आ रहा गुर्जर समुदाय

अर्पणा बोस। अलवर

कांग्रेस शासित राजस्थान के अलवर में गुर्जर समुदाय सचिन पायलट को मुख्यमंत्री पद नहीं मिलने के मुद्दे पर पार्टी के समर्थन को लेकर बंट गया है. गुर्जर समुदाय 2018 में कांग्रेस के कथित 'विश्वासघात' के बाद पायलट को मुख्यमंत्री पद पर देखना चाहता है. पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनाव के बाद पायलट के बजाय गहलोत को मुख्यमंत्री पद के लिए चुना था. हालांकि, इसके बाद जहां कुछ लोग भाजपा की तरफ जाना चाहते हैं, वहीं कुछ लोगों का कहना है कि केवल कांग्रेस ही पायलट को मुख्यमंत्री बना सकती है. अलवर जिले की अनुमानित 40 लाख आबादी में से करीब डेढ़ लाख लोग गुर्जर समुदाय के हैं और राज्य की 200 में से कुल 35 विधानसभा सीट गुर्जर बहुल मानी जाती है. राजस्थान में 25 नवंबर को मतदान होने हैं और नतीजे तीन दिसंबर को घोषित किए जाएंगे. स्थानीय निवासी अमर सिंह गुर्जर ने पीटीआई-भाषा से कहा कि यह सही है कि समुदाय पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाये जाने से नाराज है, लेकिन इसका असर कांग्रेस को वोट देने के उनके फैसले पर नहीं पड़ेगा. गुर्जर ने कहा, हम समझते हैं कि अगर पायलट को मुख्यमंत्री बनना है तो केवल कांग्रेस ही ऐसा कर सकती है, भाजपा नहीं. उन्होंने कहा कि गुर्जर समुदाय के लोगों ने कांग्रेस को केवल इसलिए वोट दिया था, क्योंकि उन्हें लगा कि सचिन पायलट राजस्थान के मुख्यमंत्री होंगे. उन्होंने कहा, अगर इस बार कांग्रेस को बहुमत मिलता है तो हम चाहेंगे कि पायलट मुख्यमंत्री बनें.

उन्होंने कहा कि अलवर में गुर्जर समुदाय कांग्रेस द्वारा किए गए विकास कार्यों के आधार पर अपना मत देगा. उन्होंने दावा किया, वे (सचिन पायलट) युवाओं का चेहरा हैं<bha>;</bha> वह इस नई पीढ़ी के नेता हैं. गुर्जर समाज हताश नहीं है. मीडिया की खबरें फर्जी हैं. हम नेताओं द्वारा किए गए विकास और कार्यों को भी देखेंगे और उसी के आधार पर अपना वोट देंगे. भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने हाल ही में दावा किया था कि राजस्थान में गुर्जर समुदाय ने भाजपा में घर वापसी की है, क्योंकि उनके बड़े नेता पायलट को कांग्रेस ने धोखा दिया और मुख्यमंत्री नहीं बनाया. अलवर निवासी एवं गुर्जर समुदाय से आने वाले संजय छावडी ने कहा कि वादा के बावजूद, पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया, जो विश्वासघात था.

'कांग्रेस हिमाचल में 10 गारंटी लागू नहीं कर रही'

हैदराबाद। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने गुरुवार को आरोप लगाया कि ''दस गारंटी'' का वादा करके 2022 में हिमाचल प्रदेश में सत्ता में आई कांग्रेस ने एक साल बाद भी उन्हें लागू नहीं किया है. ठाकुर ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव नीत भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) राज्य में परिवार के नेतृत्व वाली सरकार चलाती है. पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें पता चला है कि यहां ऐसा कोई भी विभाग नहीं बचा है, जो भ्रष्टाचार में लिप्त न हो. तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगते हुए ठाकुर ने कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में प्रगति कर रहा है व तेलंगाना को भी इसे मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की जरूरत है. हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की गारंटी का हवाला देते हुए, भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस ने वादा किया था कि वे 15 साल से अधिक उम्र की प्रत्येक महिला के बैंक खाते में हर महीने 1,500 रुपये की राशि जमा करवाएगी, लेकिन एक साल बाद भी किसी महिला को पैसा नहीं मिला है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

बीए के बाद खुल जाते हैं बहुत से कोर्सेस के दरवाजे

एजुकेशन रिपोर्टर। रांची

बीए का मतलब बैचलर ऑफ आर्ट्स है, जो एक अंडरग्रेजुएट कोर्स है. यह कोर्स कला की शाखाओं की खोज करता है. प्रमुख विशेषज्ञताओं में इतिहास, संगीत, राजनीति विज्ञान, भाषाएं, पुरातत्व, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र आदि शामिल हैं. कोर्स को पूर्णकालिक या ऑनलाइन मोड के माध्यम से आगे बढ़ाया जा सकता है, जो 3 साल की अवधि तक चलता है. प्रोग्राम से ग्रैजुएट्स के पास करियर के कई सारे अवसर हैं. बीए कोर्सेज छात्रों के रचनात्मक सोच, समस्या समाधान और संचार कौशल में सुधार करते हैं. बीए कोर्स में छात्र इतिहास, भाषा, साहित्य, दर्शन, अन्य मानविकी क्षेत्रों, संचार, नृविज्ञान, भूगोल, सामाजिक विज्ञान और भाषा विज्ञान सहित कई विषयों से अध्ययन के अपने क्षेत्र चुन सकते है. उन क्षेत्रों में कई विशेषज्ञताएं हैं, जो अधिक विशिष्ट करियर बनाने में मदद करती है. अध्ययन के क्षेत्र की गहरी समझ के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के विकसित कौशल-सेटों के कारण, बीए करने से करियर की संभावनाओं में काफी सुधार हो सकता है. नियोक्ता अच्छी तरह से संवाद करने, कार्यस्थल में चुनौतियों का सामना करने, लचीले बने रहने और कई प्रश्नों के बारे में गंभीर रूप से सोचने की क्षमता के लिए बीए ग्रेजुएट्स की तलाश करते हैं.

बीए के बाद कौन-कौन से कोर्स कर सकते हैं?

1. बीएड
2. एमए
3. एमबीए
4. एमएड
5. एलएलबी
7. पोस्टग्रैजुएट डिप्लोमा
8. होटल मैनेजमेंट कोर्स
9. फैशन डिजाइनिंग
10. बेसिक ट्रेनिंग सर्टिफिकेट
11. बेसिक स्कूल ट्रेनिंग कोर्स

बीए करने के बाद प्रोफेशनल कोर्सेज

- मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)
- मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) या मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स (एमएफए)
- पीजी डिप्लोमा / मास्टर्स इन जर्नलिज़्म एंड कम्युनिकेशन
- बैचलर ऑफ एजुकेशन (बीएड)
- बैचलर ऑफ लाइब्रेरी साइंस
- मास्टर्स/पीजी डिप्लोमा इन डिजिटल मार्केटिंग
- एलएलबी
- फॉरेन लैंग्वेज कोर्सेज
- पीजी डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम)
- बिजनेस एनालिटिक्स में पीजी डिप्लोमा (पीजीडीबीए)
- पीजी डिप्लोमा इन डिजिटल मार्केटिंग
- पीजीडीईएमए

बीए करने के फायदे

1. बीए का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप किसी भी सरकारी या प्राइवेट नौकरी की तैयारी कर सकते हैं.
2. बीए करने के साथ ही आप ग्रेजुएट हो जाते हैं और आप किसी भी स्कूल या कॉलेज में पढ़ाने के लिए अप्लाई कर सकते हैं.
3. बीए करने के बाद आपके सामने रोजगार के कई अवसर खुल जाते हैं.
4. बीए करने के बाद आप टीचर, कलेक्टर, पुलिस, बैंकिंग सेक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता, नेता आदि बन सकते है.

बीए के बाद कॅरियर ऑप्शन क्या-क्या होते हैं

- 1. बीएड - अगर आपकी रुचि टीचिंग में है और आप इसी में अपना करियर बनाना चाहते हैं और आपको बच्चों को पढ़ाना पसंद है, तो आप इस कोर्स को कर सकते हैं. इसे करने के लिए आपके पास बैचलर डिग्री होना जरूरी है व यह 2 साल का कोर्स होता है.
- 2. एमए - बीए के बाद किया जाने वाला सबसे पसंदीदा कोर्स में से एक है. यह एक पोस्ट ग्रैजुएट डिग्री लेवल प्रोग्राम हैं जो बीए के बाद किया जाता है. एमए किसी एक सब्जेक्ट में अपना प्रोफेशन बनाने के लिए किया जाता है इंडिया में लगभग सभी यूनिवर्सिटीज में यह कोर्स कराया जाता है.
- 3. एमबीओए (मास्टर ऑफ बिजनेस) - यह बीए के बाद सबसे ज्यादा पसंद किये जाने वाला कोर्स हैं जिसमें छात्रों को बिजनेस से जुड़ी समस्याओं को हल करना और बिजनेस करने के तरीके सिखाए जाते है. यह कोर्स 2 साल का होता है. इस कोर्स को करने के बाद आप किसी भी प्राइवेट या पब्लिक सेक्टर में नौकरी कर सकते हैं इसमें काफी अच्छी सैलरी दी जाती है.
- 4.एमएड. - यह एक पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री कोर्स है. इसकी समय अवधि 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) की होती है.
- 5. एलएलबी- बीए करने के बाद एल एल बी की पढ़ाई कर सकते हैं.एलएलबी कर आप वकील बन सकते है. अगर आपकी रुचि वकील बनने में है तो आप इस कोर्स के साथ अपनी आगे की पढाई कर सकते है.
- 6. एमएसी- यह एक ग्रैजेुएशन कोर्स होता है जो बीए के बाद किया जाता है. यह 2 साल का ग्रैजेुएशन प्रोग्राम होता है, इसमें आपको रिसर्च के बारे में सिखाया जाता है, एमएससी करने से पहले आपको बीएससी करनी होती है.

होटल मैनेजमेंट

- आजकल बढ़ती जनसंख्या के साथ-साथ हम लोग तरह-तरह के खाने को खाने के इच्छुक हो गए हैं.
- हर घर में स्वाद को प्राथमिकता देने वाले लोग उपलब्ध है जिसके चलते स्वादिष्ट भोजन हर पार्टी की शान माना जाता है.
- यदि हम अपने चारों ओर देखे तो होटल एक ऐसी जगह है जहां लोग आना पसंद करते हैं. इसी को देख कर कई लोग होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा करने को प्राथमिकता देते हैं.
- होटल मैनेजमेंट में हाउसकीपिंग से लेकर होटल का प्रबंधन करने तक सब कुछ सिखाया जाता है. होटल प्रबंधन में डिप्लोमा करते वक्त कई विषय सिखाएं जाते हैं जिनमें से कुछ है जैसे- फ्रंट ऑफिस मैनेजमेंट, फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन, बेसिक फूड प्रोडक्शन, एनवायरमेंटल स्टडीज आदि शामिल है.
- होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा कोर्स 3 साल का होता है.

डिप्लोमा इन कंप्यूटर साइंस

- कंप्यूटर साइंस में कई लोकप्रिय डिप्लोमा कोर्स उपलब्ध हैं. आजकल ज्यादातर छात्र इस कोर्स को करने के इच्छुक हैं.
- कंप्यूटर साइंस इन डिप्लोमा में कई सारी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज जैसे-जावा एचटीएमएल, वीभी.नेट, सी, सी , पीएचपी डेटाबेस, ऑपरेटिंग सिस्टम, डाटा माइनिंग, डाटा वेयरहाउस, डेट एप्लीकेशन, नेटवर्किंग आदि के बारे में विस्तार से पढ़ाया जाता है.
- डिप्लोमा इन कंप्यूटर साइंस के बाद भी कई सारे डिग्री कोर्स है जो किए जा सकते हैं .
- डिप्लोमा कोर्स करके भी कई सारी जॉब्स मिल सकती हैं लेकिन वह आपकी प्रैक्टिकल नॉलेज पर निर्भर करती हैं.
- कंप्यूटर साइंस डिप्लोमा में एडमिशन लेने के लिए आपको 10वीं तथा 12वीं कक्षा में 50% से अधिक अंकों से मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण होना आवश्यक है.
- यदि आप केवल दसवीं के बाद ही डिप्लोमा कोर्स करना चाहते हैं तो आप इस कोर्स को कर सकते हैं. यह कोर्स 3 साल का होता है.

डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट

- आजकल बिजनेस मैनेजमेंट में करियर बनाना एक अच्छा विकल्प माना जाने लगा है.
- बिजनेस मैनेजमेंट में प्लानिंग, ऑर्गेनाइजिंग, एग्जीक्यूशन, डायरेक्शन आदि सिखाया जाता है.
- इसे करके आप किसी अच्छी कंपनी में जॉब कर सकते हैं या खुद का बिजनेस भी चला सकते हैं.
- बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा 12वीं में मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण होकर किया जा सकता है.
- बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा में कई विषय पढ़ाए जाते हैं जैसे- मैनेजमेंट थिअरी एंड प्रैक्टिस, बिजनेस इकोनॉमिक्स, बिजनेस कम्युनिकेशन, मार्केटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग स्किल्स आदि भी सिखाई जाती है.

डिप्लोमा इन फायर एंड सेफ्टी टेक्नोलॉजी

- यह डिप्लोमा विदेशों में काम करने के लिए शानदार अवसर प्रदान करता है, खासकर गल्फ देशों में साथ ही साथ इसमें पे-ऑफ काफी विशाल है.
- दुनिया भर के संगठनों में सुरक्षा अधिकारियों की बढ़ती मांग ने इस डिप्लोमा प्रोग्राम की मांग को बढ़ा दिया है.
- यह जोखिम प्रबंधन की अवधारणा और सुरक्षा अधिकारियों द्वारा प्रतिकूल परिस्थितियों में उपयोग किए गए उपायों को सिखाता है.
- यह कार्यक्रम सुरक्षा अधिकारियों के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए एक बेहतरीन बूस्टर है क्योंकि यह तैयारियों की टिप्स और ट्रिक्स का एक अच्छा ऑप्शन प्रदान करता है.
- यह आग से हुई दुर्घटनाओं से होने वाली प्रतिकूलताओं से निपटने के इच्छुक लोगों के लिए सबसे अच्छा है.
- यह विदेश में और बड़े निगमों में काम करने के अवसरों के साथ आपके बायोडाटा में एक बड़ी प्रशंसा भी जोड़ देगा.
- नेतृत्व के गुणों और भाषा पर एक अच्छी कमांड के लिए ये डिप्लोमा अच्छा साबित होगा.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)